

# DR. ZAKIR HUSAIN LIBRARY JAMIA MILLIA ISLAMIA JAMIA NAGAR NEW DELHI

Please examine the books before taking it out. You will be responsible for damages to the book discovared while returning it.

H/Rare 615.11 DATE

Call No

615.11 РНА <sup>сс.</sup>

sc. No 16310

Late Fine first 15 days Rs. 2.00 per day after 15 days of the due date					
<b>)</b> ;					



(फार्माकोपिया) यञ्जने क्रावादीन् जो दङ्गलेग्ड को स्टाही महसे को तबीवा ने सन् श्रहार स्टी का वे इसवीमे तैयार किया है उसका तर्जमा उद्गु ज्वान् में यहहै॥

## फार्माके पिया यञ्जने करावादीन (शहर्) जगडन् का जो टारुसाज्तनत् इङ्गलेगड का है॥

इङ्गलेगड में नोल्ने के वाट दो नरह के होने हैं
एक तो वह वाट जो काट में पड़ते हैं और दूसरे
जो नगड़ में पड़ते हैं उन् वाटा का काट में पड़
ते हैं अंग्रेजीजवान में (टुई वेट) कहने हैं इस वाट
से टवाएँ तोली जाती हैं और अंग्रेजी में उन् वाटा
के जुटे जुटे नाम और वज़न और निशान इस्
किताव में जिकर किये जाते हैं॥

## ॥ सूखीदवार्ज्जी के वाँद्॥

50	,,,,,	येन	٩	ष्ट्रापिल	€ ]
३	• • • • •	ष्ट्रापिल	9	द्राम्	3
5	P##4##	जाम्	٩	श्रीन्स	3
९२	••/ > • •	श्रीन्म	9	पाग्ड	tb

विलायन में अरक और तेल और शराव ऐसी ऐसी किस्म की चीजा की नापने के लिये एक ही तरह के वृज्ञन हैं जिस्की अंग्रेज़ी जवान में (इम्पोरियक मेजर) कहते हैं एही दवाइया के मापने के बिये के किसिम् है कि जैसा नीचे लिखा है॥

१ ग्यान में .... प्रश्चे। १ प्रिट में .... २० श्वान्स हैं। १ श्वेन्स में .... प्रश्वान्स हैं।

१ ड्राम् में " ६० (मिनिम्)यञ्जने बुन्द हैं। हावन्दस्ते चेंागे तराजू श्रीर जो वर्तन् कि दवा के रख्ने तील्ने कूटने में काम् जाते हैं चाहिये कि नाम्बे या शीशे से वनास नहीं॥

काँच को शीशियाँ और पर्यर की खरन् और मिट्टी के वासन् श्रीर लोहे के हावन्यसे यही इस कार्वाने में चाहियं।॥

जो तेजाव श्रीर खटाई श्रीर खार श्रीर यवृक्षार श्रीर जो चीज कि मिट्टो से श्रीर हर एक धात से वताई जाती हैं उत् सब्का काँच की शीशियां में वन्द्रकर्रका चाहिये.॥

विचायते (इङ्गचेग्ड) में एक जन्तर तैयार ज्ञया सै कि उससे हवा और पानी के गरम होने का दर्जः यह जाता जाता है और नाम इंस् जन्तर का (फार्न्हेंट यमामेटर) है यब्ने (फार्न्हेंट) साहब् का जन्तर हवा की गर्मी देखाने वा जा श्रीर नहाँ दवा के बनाने में खैं। ज्ते पानी की गर्मी जिखी जावे. वहाँ।

दे। से। वारह दर्जः जन्तर मजक्रके सम्का चाहिये श्रीर धीमी श्रांच जहा जिकिर की जावे. वहाँ नब्ने से एक से। दर्जः तक् मञ्जूम कर्ना चाहिये॥

जहा किसी चोज् का खास वृज्ञन् यञ्जने असनी वृज्ञन् निखा जावे. वृहाँ उस्को गर्मी का दर्जः पच्पन् सम्गा चाहिये॥

जव किसी चीज के टप्काने या गाछा कर्ने या सुखाने के जिये इत्ना दर्जः गर्मी का कि जित्ना पानी के खादने में होता है यक्षने दो सी वारह दर्जः दकीर होवे तव एक जन्तर इस को अंग्रेज़ी ज्ञान में (बाटरवाय) कहते हैं यक्षने पानीका जन्तर काम में आता है तकी व इस जन्तर की यह है कि एक वर्तन् में पानी देकर गर्म कर्ते हैं और इस गर्म पानी में वर्तन् को कि जिस में दवा है रखकर आव कर्ते हैं।

जव किसी दवा में कड़ी श्रांच देना दकीर होते तव (सेगड़वाय) यश्ने वालुकाजनार चाहिए श्रीर नकी व इस जनार की यह है कि एक लोहे के वर्तन् में वालुको भरकर श्रांच दें जिस् वृक्त की यह वालू गर्भ हो जावे उस् वृक्त दवा के वर्तन् के। इस् जनार मे रखे श्रीर श्रांच दिया करें।

#### 1 5 1

## ॥ दवा वनाने की नकीं व्॥

चाटिन्। श्रुसिडा

इंग्रेज़ी।

**ऋ**सिड्स

चाटिन्। श्रमीडम् डिष्टिस्नेटम्। दिष्टिलेड् विनिगर्।

श्रंग्रेज़ी।

हिन्दी।

टप्काया ऋश्वा सिका।

सिके के। एक (रिटार्ट) युत्रने ज्ञानसी शीशे में डाल कर वालू के जन्नर मे रखे और आतशीशीश के मुद में और एक काँच का वर्तन् मिलाके सिकी टएकाब्रे जो सात् पैराट पहले आवे. उसे रख् छोडे.॥

इंग्रेज़ी। साटिन्। श्वसिडम् असेटिकम्। असेटिक् असिड। श्रीसटेट श्राव् सोडा ..... २ वे। सड सन्पर्यारक अधिड ..... 🔞 🖫 नम् ्यसिटेट आव् सेदा के एक जातकी श्रीके में

रखकर सन्पगृरिक अधिड को पानी में मिनाकर इस प्रर डाने और बानू के जन्नर में रखकर टएकावे. आखरी के वृक्त इसियार रहें कि आँच सिवाय न होने पावें.॥

चाटिन्। असीटम् चाम्यारिटिस्।

श्रंयेजो । विनिगर श्राव् व्याम्य!रिदिस् ।

### हिन्दी।

नेजी का सिकी।

ने की वृक्षी ..... २ के न्स असेटिक् असिड ..... १ पैग्ट

नेखी की वृक्षी की आठ रोज़ तक् असिड में भिगार खे और वार वार हिलाते रहें इस के वाद निचे इकर झान लेवें॥

चाटिन्।

अंगेजी।

श्रवीटम् काल्चिसै। विकिगा श्राव् मेडोसाफ्रन्। मेडोसाफ्रन् की गाठ काली की ऊर्द्र १ श्रेन्स सिकी टप्काया ऊश्राणणणणण १६ श्रीनस पुफ् स्पिरिह एक छोशे के वर्तन में मेडो संफरन की स्का में तीन रोज तक भिगाय रखे इस के बाद निचीड़ कर छान चेवें और निराचे में रखे ता के गाद नीचे बैठ जावे फिर निष्टा ऋषा पानी में स्पिरिद की डाचकर रख छोडे.॥

चाटिन्। श्रंगेज़ी।
श्रंभीटम् सिद्धी। विनिगर्श्वाव् स्कुड्ल्।
स्कुड्ल नाजः सुखलाया उत्रश्वाः १५ श्रीत्म
सिकी टप्काया उत्रश्वाः ६ पैगर
पुष् स्पिरिटः ॥० पैगर
स्क दके उत्रथे शीशे के वर्तन् में स्कुड्ल की सिकी
के साथ भिगावे. श्रीर चीवीस घगरे नक् धीमी श्रांच
पर रखे इस् के वाद श्ररक् की निचीड़ लेवे श्रीर

चाटिन्। श्रंगेजी।

पानी में स्पिरिट् को डालक्र मिलावे.॥

अभिडम् वेझ्रीएकम्। वेञ्जीएक् असिड्।

रख कोडे. ता कि गाद वैठ् जावे फिर निष्ठा अश्र

#### हिन्दी।

नोवान का सत् उड़ाया जिश्रा।

वेञ्जोरंत याने लोवान् ..... १ पाँगड

बोवान् को काँच के वर्तन् में रखकर श्रीर दूसरे काँच को वर्तन् को बाँधा कर्क नीचे के वर्तन् की एैसा काँके कि दोनो वर्तन् का मुद्द खूव मिल जाए तव इस् वर्तन् को वालू के जन्तर में रखकर श्रांच टे उरम्की गर्मी का खन्दाकः तीन सी दर्जी तक् पक्र वे बै,र बाव की गर्मी से जो चीज़ कि लोवान् से अड्कर् अपर के वर्तन् में लगजाने इस् सत् की की लाकर जाजिय कागज़ में रखकर इला ठवात्र कि जिला विकनाई इस् सत् में होते. नागज् में खिंच जाते. ब्युट इस्के फिर सन् की नीचे के वर्नन् में ग्रवकर् उसी तर्गीव् से अंज रंग नगर चाहिये कि आँच का दर्कः चार है। से जियादः न होवे और इस सन् को उपर के वर्तन् से को ड़ाकर काँचके वर्तन् में रख् के।डे.।

्षाटिन्। श्रसिडम् सिद्रिकम्। श्रंगजी। सिद्रिक् श्रसिड्।

#### । ९२ ।

#### हिन्दी।

नेम्बूका रस जमाया ऊषा।

नेम्बूका रस ४ पैराट खडीमिट्टी शाफ की ऊर्ड था श्री श्रीन्स डैल्डिड सल्फारिक श्रीसड यश्रने . गम्धक का तेजाव्पानी मिलाया १७॥ श्रीन्स ऊथा

पानी टप्काया ज्ञञ्चा ..... २ पैग्र

नेम्बू के रसकी गरम कर्क इस में थोड़ी थोड़ी एड़ी मिट्टी डास्कर अबी तर ह घाँटे जव कि खटाई नेम्बू की खड़ी मिट्टी म मिल जावे और पानी रस का जुटा हो जावे. नव उस पानी में। उल्ला देवें, और जो चीज़ कि वर्तन में रह जाती है उस की अयेज़ी में (सेंद्रेट आव लैम) कहते है यअने नेम्बूका रस और चूना मिलाया क्रिआ फिर इसी गाड़ी चीज़ की कई टफ्अ गरम पानी से धोवे. ना कि वृक्षी खूव साफ, हो जावे. और जो इस में पानी रह जावे. उस्को फेंक कर वृक्षी को सुखा डाले तव इस्वृक्की में डेल्टिड सल्फ्युरिक असिड और टफ्काया क्रिआ पानी डालकर पाव घरि तक आगपर पकाकर कपडे. से खुव तिचोड़ के जाजिव कागज़ में छाते ता कि पानी खूव साफ हो जावे. और इस छाते क्रिये. पानी को धीमीं आव से आहिसो आहिसो जाना के उतार ने कि यह चीज ठरढी हो जावे. और इस की कला वंधे अगर इन्हीं कलों। की ताजे पानों में दो तीन वार गनाका छाते और सुखावे. तो (सिद्रिक असिड्) को कल्मे वक्जत् साफ हो जावें.।

लाटिन्। श्रंगेजी। श्रसिडम् सेहोक्नोरिक्श्रसिड्। सिन्दी।

नमक् का ते जाव्।

क्रेगेड आव सोडिश्वम सुखलाया क्रश्वा २ पागड सल्फारिक असिड २० श्रीन्स टप्काया क्रश्रा पानी २४ श्रीन्स पहले सल्फारिक असिड श्रीर १२ श्रीन्स पानी काँच के (रिटार्ट) यञ्जने देश में मिलाकर एस क्रोडे, तव्रस् में (क्रोरेड आव सोडियम्) डालकर गलावे. श्रीर १२ श्रीन्स पानी जो वाकी रह गया है से यह पानी (रिस्वर) श्रयने गङ्गाल में डांलकर उस का मह श्रातभी भीभे के साथ मिलाकर वालू के जन्तर में रखे श्रीर हैं। ले हैं। ले श्रीच वढावें जब तक तेजाव टएकने लगे॥

साटिन्। अंग्रेज़ी। असिडम्हेद्रेक्कोरिकम् डैलूटिड हैद्रेक्कोरिक् डैलूटम्। असिड्।

। नमक् का पतला तेजाव।
हैद्रे क्वोरिक् अधिड् नापा क्रया ४ जैनिश टप्काया क्रञ्जा पानी ..... १२ जैनिश इन् दें। नो मिलाकर रख् छोडे॥

चाटिन्। अंग्रेजी। (असीडम् नैद्रिकम् डेजुटम्। डेजुटिड् नैद्रिक् असिड्। सेरिका पतना नेजाव्। नैद्रिक् असिड नापा उत्त्र आसिड्। भीनस

टण्काया ऋश्वा पानी ..... । क् श्वीन्स इन् टोना को मिलाकर एख छोड़े।

चाटिन्।

श्रयेज़ी।

असिडम् फास्फारिकम् डैलूटिड् फास्फारिक् डैलूटम्। असिड।

फास्फरस् ..... १ जैन्स नैदिक जेसिड् नाप जिल्ला ४ जैन्स पानी टएकाया जिल्ला

पानी में असिड् की मिलावे. और एक आतशी शीशे में रखकर फ़ारफरस् की इस में डाले और बालूके जनार पर रखकर जांच करे ना कि आठ औन्स अरक टएकआवें. और इस की फक देंगे. जी चीज़ आतशी शीशे में रह जांगे. उस की एक भ्रा टिना धान के कटोरे में रखकर जलावे. जद दी औन्स कः जाम बाकी रह जावे. नव उस पर ठखा होने के बाद इला टएकाया पानी डाले कि जिने में अशाइस औन्स भरपूर देवें.। चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

श्रीसडम् सन्पावृश्किम् डेन्टम्। डेन्टिड् सन्फ्रास्क् असिड ।

हिन्दी।

गन्धक् का पतला तेजाव्।

सन्पर्धार क् श्रसिड नापा उत्रश्वा १॥ श्रीन्स टप्का उत्रश्रा पानी ..... १४॥ श्रीन्स

सन्पर्यारक् असिड् की इस् पानी मधोड़ा धेगुड़ा डालकर मिलावे.।

चाटिन्।

ं श्रयेजी।

अधिडम् टाँटे।रिकम्। टार्टारिक् अधिड्। वैटाइट आव् पोटास् ..... ४ पीगड टप्काया ऊआ पानी खीला ऊआ २॥ ग्यानन् खडी मिट्टी साफ् की ऊर्ड ...२५ श्रीन्स ६ आम् डैल्टिड्सल्फ्रिक् अधिड... ७ पैग्ट ९० श्रीन्स हैद्रोक्कोरिक् असिड् १ पैग्ट ६॥ श्रीन्स यश्रने जिला दकीर होते।

वैट देट श्वाव पाटास् के। २ ग्यासन पानी में खोलावें. चार इस् में चाहिस्ते चाहिस्ते चाधा खड़ी मिट्टी डानें उवन जाने के वाद खड़ी मिट्टी का ं वाकी पहले हैंद्रे क्लोरिक् असिड् में ४ पैएट टपकाया क्रया पानी के साथ गलाकर मिलाने, फिर रख् कोड़े, कि टार्ट्रेट् आव् लैम नोचे वैठ जावे. पानी को छलकाकर् (टाइट ञ्चाव लैम् ) को वार वार टप्काया पानीं से ध्रोबे, ता कि मज़ा कुछ न रहे फिर उस पर डैलूटड सन्पर्यार्कं श्रीसड डानकर पाव घराटे तक् न्यकावे. अर्क की छानका धीमी अन्य से सुखलावे. कि कत्त्री वंधें और कत्त्रां को दो तीन बारं पानी में गलाने और छानकर पकाने और रख छोडे तो साफ होवे.॥

### । इधीरि छा।

लाटिन्। भ्रंगेजी। इयर सल्फारिकस्। सलफारिक् इयर्। रिकटिफेड स्पिर्ट '''' भू पागड सन्पर्धार असिड् ..... २ पेशिह कार्वानेट् आव् पाटास पेस्तर ). जनाया ज्ञा

रिटार्ट यञ्चने जानिश्रीशे में दो पान्ड स्पिर्ट रखकर इस्ती में सल्फारिक अध्दि, आहिसी \* श्राहिस्ते डालकर मिलावे. इस् के बाश्वद वालूके जनार पर वैठावे. श्रीर इतनी श्रीच करें कि जितने में यह मिली ऊई चीज जन्दी खीले श्रीर जी इथर कि इस् में से टएके सी एक वर्तन में जाजावे. जार यही वर्तन का वरफ पानी से ठगढ़ा रखे और टएकाते रहे जवतनक कुछ गाठी सी चीज देखाई देवे. जो चीज आनशिशीशे में रह जावे. उसी में ठगढा होने के वाद वाकी सिरिट् डालकर मिलाने, फिर इथर इस्मी तरह से टप्कावे. इन् टएकाए क्रथ अकीं को मिलावे, और उपर का सिम्मा ढलकाय कर इश्शी में कावानेट आव पाटास डाले और एक घराटे तक वार वार हिलावे. फिर सक वडे. श्वातिशशीशे में रखकर टंप्कावे. श्रीर श्रकी हेपोदार शीशे में रख्ं केंाडे.॥

चारिन्। श्रंथेती।
श्रांचिएम् इधीरीएम्। इधीरिएच् श्राद्द्।
रिक्टिफेड् स्पिरिट् पागड
सन्पार्थितं श्रसिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रसिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रसिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रमिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रमिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रमिद् धीगड
सान्पार्थितं श्रमिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रमिद् धीगड
सन्पार्थितं श्रमिद् धीगडी
पानी टप्काया क्रिश्रा
यहने जिल्ला दकीर होते॥

असिड में स्पिरिट की वक्तन क्रियारी से मिलावे.
और इस की श्रांच पर रक्तर टएकाने. और जब काला फ्रेन उठे तब श्रांच पर से तुरना उनार लेवे.
और हल्की चीज़ को भारी चीज़ से जुटा कर्के एक रोज़ तक हवा में रखे श्रीर (सोल्यन श्रांच प्रांत श्रीर श्री श्रीर (सोल्यन श्रांच प्रांत श्रीर प्रांत श्रीर हलांचे प्रांत में प्रांत श्रीर हांचे श्रीर एकसाथ हिलावे. फ्रिर खूब साफ़ होजाने के बाट (ईथिरीसल श्रांद ले) जो नोचे वैठ जावे. जुटा करें॥

चाटिन्। इंग्रेज़ी। स्पिर्टिस् इ्धिरिस् स्पिर्ट् बाव् नैदिक् नैदिसे। इथर। रिकटिफोड स्पिरिट अ पेगाड निद्रक् श्रासड.... ४ जीन्स ड न् दोना की मिलायकर वतीस् श्रीन्स इयर टएका लेवाँ॥ अंग्रेजी। स्पिरिटस् इथिरिस्सल् कम्पोगड स्पिरिट् श्राव् प्यरिसा कम्पाजिटस्। सल्प्यरिक् इथर्।

पवारचा नान्याज्ञद्र। सल्पयारक् इथर् सलप्यित्क इथर ..... प्रश्चान्स इथिरिञ्चल ञ्चाइल नापा जञ्जा... ३ ज्ञान्स रिकटिफेड स्पिरिह ..... १६ ञ्चान्स इन तीना का मिलाकर रख् लेवे.॥

लाटिन्। अयेजी। अल्लानेना। अल्लानिज्।

लाटिन। अंग्रेजी। श्वनानिटेना। श्वनानिटेना। श्वनानिट्ना जड़ स्वलाय) श्वीर कुल्ली की उन्हें ..... रिक्टिफेंड् स्पिर्ट ..... ३ ग्यालनं डैन्ट्रिड् सल्फ्युरिक् इसिड जिल्ला टकीर होते से लूशन् आव अमीनिया जिला टकीर होते जानवेरां की हड्डी के की इसा साफ् की उन्हें जिला टकीर होते.।

एक जातिशशीशे में जिसके मुह मे एक और वर्तन् मिला होइ एक ग्यालन् स्पिरिट् के साथ अकातें को एक घर्ट तक पकाकर स्पिरिट् के। ढलका लेवें. फिर् एक ग्यालन् स्पिरिष्ट श्रीर जी स्पिरिट् ञ्चागया है डालंकर पकावे श्रीर ढलका लेवें. इसी तरह और एकवार पकाकर श्रकानैट की निचाड़ लेवें. और इन् अकी की मिलाकर कान लेवँ और स्क अतिश्शीश में रखकर टएकावे. को चीज़ शोशे में रह कावे. उस को इस नरह प्कावे कि जिस् में सत् के मुवाफिक होजावे इस को पानी में गलायकर छान् लेवें होर धीमी चाँच से पकावे. ताकि पौग के समान गाढा होवे. ं इसी में (ैन्ट्रिड् सल्प्यूरिक् इसिड) के। पानी में मिलायकर इत्ते डाले कि जिले म खकानिटैना

गलंजावे. तव इस् में (शोल्शन श्वाव श्रम्मोनिया)
को डाले और जव श्रकानिटैना तल छट होवे.
तव उस को फिर सल्फारिक श्वसिड में पानी
मिलायकर गलावे. इस् के बाद कोइलां मिलाकर
बार वार पाव घर्रे तक हिलाकर छान लेवें. श्वार :
इस् छानी उन्हें चीज़ में फिर (सोल्शन श्वाव श्रम्मोनिया) डाले ताकि श्वकानिटैना तल छट् होवे.
इस् को धोवे. श्वीर सुखलाय लेवें.॥

लाटिन। अंग्रेजी।
लेकार अम्मोनिर्द। सोल्शन आव अम्मोनिया।
हैरे।क्रोगेट आव अम्मोनिया।
ग्रेजने नीशादर प्राप्त अविम्यं
पानी प्राप्त आवश्यातिया प्राप्त अविम्यं
पहले चूनाको पानी में वुमाकर आवश्याभियों में
रखे तब नीशादर टुकड़ा टुकड़ा ककी वाकी पानी
में मिलाकर उसी वर्तन में डाले और पंद्रह आन्म
तक (सोल्शन आव अम्मोनिया) टपका लेकें।।

चाटिन्।

ञ्जयं जी।

कार्वानास्।

अम्मानिइ से ज़ड़ से ज़ड़ को बोनेट आव अम्भोनिया।

हैंद्रोक्नारेंट यात् अभीतिया ) याने ने शादर ...

साम् कि ऊई खड़ी मिटी """

इन दोनो को अलग अलग वृक्ती कर्के मिलावे. चीर एक चीडे. मुद्द के जातिश्शीश में रखकर ट्स्सा कांच का वर्तन् उस् के मुद्द से मिलाकर बाँच देवे. जो चीज़ को उड़कर उपर के वर्नन् में लग्रहें वा (सेस्कुड़ कार्व।नेट् ञ्चाव् श्रम्माः निया) है और इन् दोना कान् के मुह मिलाने में उत्रश्यार् रहे कि मुद्द शीशे का थोड़ा सा खुवा रहे ता कि भाए के जार से वर्नन् टुट्न जावे.॥

साटिन्।

अंग्रेजी।

नैकार अमोनिई वेस्तुइ वोन्शन् आन् वेस्तुइ कावानेटिस्।

कवितिष्ट आव् असी

निया।

संस्काइ कार्नानेह आव अम्मो । ४ श्रीन्स निया जिया जिया पानी पानी पानी से जुइ कार्नानेट आव अम्मोनिया की पानी में मुद्दा कार्नानेट आव अम्मोनिया की पानी में गलावे. श्रीर कान लेव.॥

लोहन। अयेज़ी।
लेकार अमीनिई अस सीलूगन आव असिटेट्
टेटिस। आव अमीनिया।
सोन्ज़इ कावीनेट आव अमीनिया था। जीन्स
या जिल्ला दकीर होते:

सिकी टएकाया ज्ञया ..... ४ पैराट॥ सेस्कुइ कावीनेइ श्राव श्रम्मीनिया की सिकी में डाले जीवतलक उवाल श्रावे. तवनकक डालते रहें॥

वाटिन्। श्रंथेज़ी।
मार्फिश्चा।
स्टिहो क्रोरिट श्राव् मार्फिश्चा ..... १ श्रेन्स

## । २५ ।

सोल्शन श्वाव श्रमोनिया .... ५ प्राप्त पानी टप्काया उत्तया ..... १ प्राप्त हैरोक्नोरेड श्वाव मार्फिया को पानी में गलाधे. श्वार इस्ती म (शोल्शन श्वाव श्रमोनिया) का श्वार एक श्वानम पानी के साथ मिलावे. श्वार इस मिली उत्तई चीज़ को खूब हिलावे. जो चीज तल इट होजावे. उस का टएक वे. उत्तर पानी से धोकर धीमी श्वाच से सुखलावे.॥

चाटिन्। इंग्रेज़ी।

माफिइ असिटाम्। असिटेट् आव माफिआ।

माफिआ ६ जाम्

इसेटिक् असिड नापा क्रया ३ जाम

पानी टपकाया क्रया १ अभिन्स

पानी में असिड की मिलायकर माफिआ पर

डाने ता कि यह गल जावे और इस चीज़
को धीमी आँच से गलावे कि कल्म वंधा।

लाटिन्। अंगेनो। मार्फिश्वा हैहोक्को एस्। हैहोक्को रेट् आव् मार्फिश्वा। आफान काली की उन्हरं ..... १ पीगड़ (क्वोरैंड आव लेड) का कल्मे दो औन्म यसने जिला दर्कार होवे.

जानवराँ की हड़ी को कोइला है। जैनिस साफ़ को ऊई ...... हैद्रोक्नोरिक श्रमिड जिला दकीर हो है. पानि टप्काया ऊश्वा जिला दकीर हो है. सोल्शन श्वाव श्वमोनिया जिला दकीर हो है.।

चार पैग्र पानी में आपगून को तीस घगरे तक् भिगाकर कुचलाव. और वीस घगरे तक रखकर. निचेड लेवे और इसीनरह और टो वार करे ता कि जो जीज़ रह जाव. उस में मज़ा न रहे इन् पानी गाँ का मिलायकर इन्ने औंच पर रखे कि जिस् का दकी एक से चालिस से उपर नहीं वे. और जब पाग के समान गाढ़ा हो जावे. तब इस में तान पैग्र टपकाया ऊआ पानी डाले और जब सव गाद वैठ जावे तब निथा ऊया पानी उल्लाकर इस् में दो आन्स यहने जिन्ना दकीर होवे. (क्नोरेड

अव लेड् को) चार पैग्ट खैलि क्रम टण्कावे. पानी में गनायकर थोड़ा थोड़ा कर्के डान्ते रहें चौर जाव तन छट् वन्द हो जावे. तव पानी कैं। ं छल्काकर नंज् छट् की टप्काया पानी से धेवि. श्रीर इन् पानियाँ का मिलायकर धीमी श्रीच पर पकावे. ता कि कल्मे वंधें इन् क हैं। की कपड़े. से दवाकर एक पैराट टप्काया ज्ञञ्जा पानी में गलावे और इसी में डेज् श्रीन्स कीइला डानकर् इने भाष मे पकावे. कि जिस् का दर्जा एक सा बीस से सिवाय न होते. श्रीर छान लेवें. फ़िर् कोइ ला का धाकर इन् पानिया का उत्तरयारी से पकावे. ता कि साफ़ा कस्त्री वंधे जो पानी पहले कस्मे। से उल्लाया गया है अस् की एक पैग्ट पानी में मिलावें. और इसो में इता (सेल्यन अव अमे। निया ) डालने रहे और वार वार हिं लाते जावे. कि जिले में तामाम माफिश्चा तल छट् होते. इस की टप्काया पानी से धे। लेवें. श्रीर इले (हैंद्रोक्नोरिक असिड्) में मिलावे. कि दोना बरावर रहें फिर इस् चीज़ की दी श्रीना की इसी

में मिलाकर छान् लेवें. श्रीर इन् पानिया की जिस्सारी से पकावे. ना कि साफ कस्मे वंधें॥

लाटिन्। इंग्रेजी।

क्षेत्री डैसल्पास्। डैसल्पेट् आव् केना।

सिन्कोना कार्डिफोलिई कुन्नो क्रई ७ पेग्रंड
सल्प्यूरिक् असिड् (१ अनिस्
कानवरा के हड़ी के कोइला) २ आन्स
साफ की क्रई (शव लेड़ जिन्ना टकीर होवे.
सोल्प्रन् आव् अम्मोनिया जिन्ना टकीर होवे.
पानी टप्काया क्रञ्जा जिन्ना टकीर होवे.॥

इं ग्यानन् टप्काया ऊत्या पानी में चार के निस् दे। काम असिड की मिला में की इसी में बार्क की डान कर एक घरटा तक पका वे. की र कान ने वें. इसी नर ह की र एक ट फा पका कर कान ने वें. इस के वीट बार्क की आठ ग्यानन् टप्काया ऊत्रा पानी में तीन घराटे तक पका कर कान ने वें. जो कुक र ह जा वे. को खेला ऊत्रा टप्काया पानी से बार

वार धाकर इन् पानियाँ में ( आक्रीड आव् लेड्) को जब गीला रहे नव इता डाले कि जिते में थोड़ी सी खटाई रह जावे निथा पानी के। ढच्का कर तक्छइ की टप्काया पानी से धोकर श्रीर निश्रा क्रश्रा पानी के साथ पान घरारे नक् पकावे. क्रीर क्षानकर इस् में घेएडा घेएडा कर्क सीलूशन् अव अम्मोनिया डान्ते रहे ता कि कैना तलकद होवे. इस् को इस् तरह से धेवि कि जिस्से कुछ खड़ा न रहे जो चीज़ रह जांगे. उस् में वाकी असिड् को पनला कर्के मिलाव. कि न खट्टा न खार मालूम होवे. इस के वाद इस चीज को दो श्रीन्स के इला के साथ मिलावे. ब्रीर छान लेवे. फिर कोइला को खूव तरह से धोकर इन पानीयाँ को उड़सयारी से पकावे ता कि कर्ल्में वंधे॥

बाटिन्। श्रंयेजी। प्रिक्तिया। प्रिक्तिया। कुचिला कुच्ली जिद्दं ..... २ पै। एड रिक्टिफेड स्पिरिट ..... ३ ग्यासन् डैन्टिड सल्फारिक श्रीसड जिता दकीर होते. म्याग्निसिया जिता दकीर होते. सीलूशन श्राव श्रम्मोनिया जिता दकीर होते.॥

एक रिटार अयने आतशीशिशे में जिस् के मुह म स्क और वर्तन मिला होय स्क म्यालन् सिरिट् के साध कुचिला को एक घर्छ तक् पकाकर स्पिरिइ की ढल्का लेवे. इसी तरह से जी चीज़ रह जावे. उस्की एक ग्यालन् स्पिरिट् में श्रीर जी वर्तन् में बागया है बीर दी दमा पनानर उल्ला लेवें. कुचला का निचाड़ लेवें. श्रीर इन् अकी के। मिलायकर छान लेवें, श्रीर एक श्रातशी शिशों में रखका टप्कावे. जो चीत शिशों में रह जावे. उस्की इसी तरह पकाँवें. कि जिस् में सत् के मुवाफिक होजावे. इस् को ठएढा पानी म गलायकर कान लेवे. श्रीर धीमी श्राच से पकाबे ता कि पाग के समान गाए। हो जावे. दीर इस में जब गर्म रहे तब इवा म्याग्निसिया

थोड़ा थोड़ा कर्ने डाले कि जिले में न खार न खड़ा रहे और हिलाने रहे दो राज तक इस मिली ऊर्ड चीज़ को रख्कर निधा पानी की एला देवें. जो कुछ रह जावें. उस् का कपड़े से दवाकर स्पिरिट में पकावें और छानकर . टएकाने, जो चीज़ रह जाने, उस में घोड़ा (डैनू टिड् सल्फ्युरिक् असिड्) पानी के साथ मिलायकर इस्रे डाले श्रीर धीमा श्रीच से गलायकर चीवीस घराटे तक निराला में रखे ता कि कल्मे वंधें इन् कल्मा का कपडा से दवावे. श्रीर पानी में गनायकर श्रमोनिया डाले श्रीर वार वार हिचाते रहे ता कि प्रिकितिया तस छट् होवे. इस् को खेला क्रश्र स्पिरिट में गनावे श्रीर निग्रने में रखे ना कि साफ करने वेधे॥

नाटिन्। श्रंथेजी। निरेदिश्रा। विरेदिशा। सीवादिस्ता कुन्नो कुन्ने ------ २ पीगड़ रिकटिफैड स्पिरिह ------ ३ ग्यानन डैन्टिड् सल्फारिक असिड् सालूशन् आव् अम्गोनिया जानवरें। के हड्डो के कोइला साफ की उन्ह म्याग्निस्या

इन् चोराँ को जिला दकीर होते.।

एक रिटार्ट अयने आतशीशशे में जिस् के मुह में सक श्रीर वर्तन् मिलाहीय सक ग्यानन् स्पिरिट् के साथ (सीवादिस्ता) को एक घरा। तक् पकाकर स्पिरिट् को ढल्का लेवे, इसी तरह से जो चीज़ रह जाते. उस की एक ग्यानन् स्पिरिट में बीर जी स्पिरिड् वर्तन् में जागया है जीर दो दफा पका कर ढल्का लेवे. (सीवादिस्ता) की निचीड़ लेवे. श्रीर इन् अकी की मिलायकर छान सेवे. श्रीर सक जातशी शिशे में रखकर टप्कावे जो चीज शिशे में रह जावे. उस्को इस तरह पकावे. कि जिस् में सत् के मुवाफ़िक् हो जावे. इस् चीज को तीनवार या चारवार पानी में घोड़ा (डैनू टिड् सल्फारिक श्रसिड्) मिलायकर पकावे. श्रीर छानकर इन् चीजाँ को धौमी श्राच से पकावे,

## 1 33 1

ता कि पाग के समान होजावें. जव ठगढा होवें तव इस् में इता म्याग्निसिया डालें कि जिला में न खार न खट्टा होवे. श्रीर वार वार हिलाय कर निचोड़ लेवें, श्रीर दो तीन दफा धोवे, जो चीज़ रह जावे. उस्को सुखनाय कर स्पिर्ट में दो तीन दफा धीमाँ श्रांच से पकावे श्रीर इने दफा छान लेवे. इस् के वाद सिरिट् का टप्का वे. श्रीर जो चीज़ रह जावे. उस का पानी में थोड़ा (सल्क्युरिक् असिड्) श्रीर कोइ ला डाल कर पाव घराटे तक पकाकर छान चेवें, कोइचे को खूव तरह से धो लेंबूँ और इन् अर्काँ को मिलायकर उड़ियारी से पकावे जब पाग के समान गाढ़ा हो जावे. तव इस् में इता (सोलूशन् ञ्चाव श्रम्भोतिया) डाले कि जिले में विरेदिश तल छूट होते. इस को जुटा करें मुखा लेते.॥

चाटिन्। इंग्रेजी। आनिमानिया। प्रीपरेशन्स प्राम आनिमेक्स। बे बीज कि जानवराँ से वन्ती हैं। चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

कावा श्रांतमालिस् पुरि पेड श्रांतमेल प्रारि पेकेटस्। चाकील।

जानवराँ के सङ्घी के कोइ ला ..... १ पैगाड हैद्रे क्रोरिक श्रीसड ..... १२ श्रीन्स पानी ..... १२ श्रीन्स

पानी में (हैंद्रोक्कोरिक असिड्) की मिलायकर कोड्लापर थोड़ा थेड़ा कर्क डाले और धीमाँ आँच पर दो रोज तक रखे और वार वार हिलाते रहे जिस के वाद निराले में रखे और निश्चां ऊश्चा पानी की उल्लाकर कोड्ला को वार वार पानी से धोवे. कि कुछ खट्टा पर मालूम न होवे. और इस कोड्ला को सुखलाय कर रख्

़ चाटिन्। कार्न **इष्ट**म। अंग्रेज़ी। वर्ग्ट हार्न।

## १ इप् ।

## हिन्दी। जनाया ज्ञयासींघ।

सींघो के टुकड़ा को एक वर्तन् में रखकर इन्ना जलावे. कि जिन्ने में खूव सफोट् हो जावे. श्रीर जिस नकींव् से खंड़ी मिट्टो तैयार करते हैं उसी नकींव् से वनावे.॥

चाटिन्। टेष्टी प्रीपेराटी। अंग्रेज़ी। प्रीपेरेड् शेल्स।

हिन्दी।

सीप् का चूना।

पहले सीपाँ के मैल कुटा कर खीला। पानी में धोवे. तब जिस तरून से खड़ी मिट्टी नैयार किया जाता है उसी तरह से सोए भी वन्ता है॥

बादिन।
 बाक्षी डिप्टिस्ताटी।

श्रंयेज़ी। डिस्टिल्लेड वाटर्स।

साटिन्। **त्रका डिस्टिद्धा**टा । श्रंये ज़ी। डिष्टिद्धोड वाटर्।

## । इह ।

## हिन्दी।

#### ठप्काया जिश्रा पानी।

पानी ...... १० ग्यालन् पहिले जो पानी कि भवके में दो पैग्ट तक् टिप्के उस को फेँक कर और आठ ग्यालन् पानी टिप्का कर शिशों में वन्द ककी रखें॥

चाठिन्। ञ्राका ञ्जनीयै। ञ्जंगेज़ि। दिल् वाटर्।

#### हिन्दो।

एक किसम के सोए का पानी।
सोए का वीज कुझा ऊड़ आ ... १॥ पैग्ड पुफ् स्पिर्ट ... ... ७ श्रीन्स इन् चीजा से एक ग्यालन् पानी टएका लेवँ ॥

साटिन्। आका केरुआई। अंग्रेज़ी।

केरुबे, वाटर्।

हिन्दी।

विलायती जीरे का पानी। केर्वे. याने केडवे. का वीज़ कुझा उत्रश्ना रै॥ पै। ए

## । इ७ ।

`					
पुष् स्थिरिङ्	७ श्रीत्म				
पानी ः	र यालन्				
इत् चीजाँ से एक ग्याचन पानी	टिएका चेवाँ।				
	*				
ৰাহিন্।	क्रेयेजी।				
ञ्जाका फिनिक्युनै।	फेनिल् वाटर।				
हिन्दी।					
स्क किसम के सोस् का	पानी।				
फेरिन के बीज़ मुझे उसे	१॥ पै।एड				
युफ्सिरिइ	७ श्रेंन्स				
पानी	२ यालत्				
इन् चीजा से एक ग्याचन् पानी टएका लेवें.।					
product - married at all the					
चाठिन्।	श्रंयेज़ी।				
ञ्चाका क्रोरम श्रीगन्सिड्। ञार	च्च झोरं वटर।				
ि हिन्दी।					
नार की के फूलका	पानी।				
भारङ्गी के फूल	९० पे। एड				
प्रुफ् स्पिरिह	. ७. श्रोन्स				

# । इद ।

इन् चो जाँ से एक ग्यालन् पानी टप्का लेव। चार्टिन्। • ञ्जंयेजी। ञ्जाका सिनामामी। सिनामन् वाटर्। हिन्दी। दार्चीनी का पानी। मुझो उन्हर दारचीनी ..... १॥ पै। एड या टारचीनी का तेल ..... २ जाम पुफ् स्पिरिङ् ..... ७ श्रीना ••••••• इन् चीजा से एक ग्यालन् पानी टएका लेवें.। चाटिन्। अंग्रेजी। श्राका मेन्धी पिपरिटी। पिपर्मिग्ट वाटर। पिपर्भिग्र सुखाई ड्राइ ..... २. पै।ग्रह या पिपमिग्र का तेल ..... र जाम् पुफ्सिरिट् .... 🧐 श्रीना ..... २ म्याली इन चीजा से एक ग्यालन पानी टएका लेवें।

#### । इक् ।

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

अवां में में युनीजिश्राई। पेनीरी एईन वाटर।

श्वाका मेन्धी विरिडिस्। स्पिश्चीमेग्ट वाटर !

#### हिन्दी।

प्दोने का पानी।

यह ब्रीर पिपमिग्र वाटर एक हो तकीं व से वन्ना हैं लेकन जव ताज़। वुटी टण्काने के बिये लेजाबे तव टुह्रा वजन जरूर लेंबें॥

. लाटिन्। श्रंगेज़ी।
श्राका पैमेग्टी। पैमेग्टा वाटर।
पैमेग्टा के दाने कुझे ऊर्ण प्रिग्ट का तेल प्राम्
पुष् स्पिर्ट का तेल प्राम्
पानी यालन् पानी टप्का लेलें।

#### 1 80 1

श्रंयेज़ी। चाटिन्। ञ्चाका रोज़ी।. रोज़ बाटर। . हिन्दी। गुलाव का पानी | गुलाव के फूल की पनिया .... १० • पागड पु प् स्पिरिट् ..... ७ - श्रीन्स र याचन् पानी ..... इन् चीजाँ स्वे एक ग्याचन् पानी टप्का चेवँ.॥ अंयेजो । चाटिन्। श्राका साम्बुसै। स्न्डर वाटर। स्न्डर का पून ..... १० पै। गड, य्या रम्बडर का तेल ..... २ द्वाम् ७ श्रीना पुफ् स्पिर्ट ..... २ ग्यांचत् पानी ..... इन् चोजा से एक ग्यानन् पानी टप्का लेवें अंग्रेजी। चाटिन्। काटा हाज्मा । काटा ह्या जम्ब।

# हिन्दी। लावडी।

ञ्जंयेजी। चाटिन्। काटा झाज्मा को नी आई। काटा झाजम् आव् हेमलाक्। एक्सद्राक्ट ञ्राव हमलाक् ..... २ श्रीन्स इन् दोनो को मिलावे और इन कुन्नी ऊर्ड ञ्चन्सी डाने कि जिना में ने।वड़ी गाढ़ा हो जावे.॥

साटिन्। अंग्रेती। काटाञ्चाज्ञमा फर्मेग्टै। इष्ट काटाञ्चा जम्। मेदा ..... १ पै। एड इष्ट याने समीर गामामा ॥० पैग्र दुन्दो को मिलाकर श्रांच करें जव कि खमीर नी तरह पक् उठे तव् उतार नेवं.॥

श्रंयेज़ी। चाटिन। काटा झाज्मा लैने। काटा झाजम् आव लिन्सिड्।

#### । ४२।

खै। ता जिया पानी ..... १ पैग्ट अच्छी वृक्ती की जिद्दें जिला दकीर है। वे. इन दोनों की मिलावें.॥

बाटिन् । काटाच्चाज्ञमा सैनेपिस्। अंग्रेज़ी।

मसृडे काटाह्माजम्।

हिन्दी।

राई का लेवड़ी।

राई को वुक्रो ..... ॥० पै। गड़ अन्सी य्याने तीसी को वुक्री .... ॥० पै। गड़ राई और अन्सी की वुक्रो में इता खै। स्वर्धा सिकी डॉल कि जिने में लोवड़ी वन सके॥

चाटिन्। सिरेटा। ञ्जंगेज़ी। सिरेट्स।

चाटिन।

श्रंयेज़ी।

सिरेटम्।

सिरेइ।

जल्पाई का तेल नापा क्रश्रा ... ४ श्रीन्स

मोम ..... ४ श्रीन्स मोम को श्राच पर पिञ्चा कर इस् मेँ तेल को डाल् कर मिलोवँ॥

चारिन्।

इंयेजी।

सिरेटम् कलामिनी। कलामैन् सिरेट्। कलामैन् .... ॥० पैगाड मोम ....॥० पैगाड जलपाई का तेल ..... १६ श्रीना

तेल में मोम को डाल कर पिछा के श्राग पर से जितार लें हैं. जाव कि ठएडा होने पर श्रावे. श्रीर गाढा होने लगे तव उस में (कलामैन्) को थोड़ा थोड़ा डाले जावे. श्रीर जाव तक कि ठएडा न हो जावे. तव तक धाँटने रहें॥

चाटिन।

श्रंयेज़ी।

िरेटम् काम्हारेडिस्। सिरेट् अव काम्हारेडिज्। तेखी मखी वारीक् वृक्षी की ऊद्दे १ श्रीन्स स्पर्मासीटी सिरेड ..... ६ श्रीन्स सिरेड को पिछा के इस में नेखी मखी की वृक्षी डाज्रे जावे. श्रीर मिलाँवें,॥

बाटिन्। अंग्रेज़ी।
स्पर्मासिटी स्पर्मासिटी सिरेट्।
स्पर्मासिटी प्रिमेश प्रिमे

बाटिन्। अंग्रेजी।

सिरेटम् हैद्रार्जिरै कम्पीगड सिरेह् धाव्
काम्पासिटम्। मक्द्री।

पारा का मरहम कड़ा ..... ४ श्रीन्स

सावन का सिरेह ..... ४ श्रीन्स

काफूर ..... १ श्रीन्स इत् तीना को एक साथ घाट लेवें. जवतलक् वे. सव मिल जावें.॥

चाटिन् ।

अंगेजी।

सिरेटम् झम्बे एशीटाटिस्। सिरेट् आव् असी टेट् आव् लेड्।

असीटें इशव् लेंड वुकी की ऊर्ड २ ड्राम् सफोट मोम् ..... २ श्रीन्स जल्पाई का तेल ..... ८ श्रीन्स

सात श्रीन्म तेन में मोम को पिद्याकर श्रीच पर से उतार लेवें. श्रीर (श्रूसीटेट श्राव लेड) की एक श्रीन्म तेन में जो की वाकी रहा है घोनकर इस् में डाल्कर दस्ते से जब तक कि एसव श्रूकी तरह न मिन जोवें. तब तक घोटते रहें॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सिरेटम् झम्बे काम्यासिटम्। कम्पीगड लेड् सिरेट्।

सोनूशन् श्राव्डै असीटेट् श्राव्। स्वाद्। स्वाद्।	इ	ञ्चान्स
मोम		
जन्पाई का तेन ***********************************	90	श्रीन्स
काफूर्		ड्राम्

श्राठ श्रीन्स तेल में मोम को पिञ्चाकर श्रागपर से उतार लेंब. जब कि ठएढा होने पर श्रावे. और गाढ़ा होने लगे तब इस में (सेल्यान श्राव डें श्रमीटेड श्राव लेड़) थाड़ा थोड़ा डालने जावे. श्रीर दस्ते से जब तक को ठएढा न होने तब तक घोटने रहें काफूर को दो श्रीन्स नेल में जो कि दस श्रीन्स नेल से वच रहा है घोल कर इस् चीज़ में डाल कर मिलांव.॥

बाटिन्। श्रंगेज़ी।

सिरेटम् रेजिनी। रेजिन सिरेइ।

धूना प्रैणाड

मोम प्रैणाड

जल्पाई का तेल प्राप्त स्रोनस

मोम और धूने को एक साथ धीमों आँच पर पिक्का के इस में जल्पाई का तेल भिलावे. और इस् को गरमा गरम एक कपडे, से निचेड लेवें.॥

साटिन्।

अंग्रेज़ी।

सिरेटम् सावैनी।	साविन् सिरेट् ।
साविन् पीसी ऊर्इ	१ पै। ग्रह
मोम ः	
साफ़् की ऊद चर्वी	••••• २ पै।सङ
मोम और चर्वी को स्व	त साथ पिञ्लाकर इस्
में साविन् डाल कर मिल	विं, श्रीर नुरन्त कपडे.
से निचाड़ लेवें.॥	_
चाटिन्।	इंग्रेज़ी।
	• • •
सिरेंटम् साणेनिस्।	सेए सिरेइ।
्रसावुन ····· ··· ··· ···	साप् सिरंद ।
्रसावुन ····· ··· ··· ···	१० ह्रीन्स
, सावुन भोम	····· १० श्रीन्स ···· १२॥० श्रीन्स
मानुन मोम श्रुक्तेड श्राव लेड य्याने म् सङ्ग वृक्तो किया उत्रश्रा	····· १० श्रीन्स ···· १२॥० श्रीन्स

सिकी .... ८ पैराठ

सिके में मुदारसङ्ग को धोमी आँच से पकावे.
और जव तक यह दोनो चिजे. अकी तरह न
मिल्जावे. तव तक घाँटते रहेँ और इस में सावन
को डाल्कर आच कर्ने रहेँ जव कि यह मिलाई
ऊई चीजे. स्ताल जावे. तव इस में माम को
जलपाई का तेल में गलाकर मिलांव.॥

चाटिन्। कान्फेक्सिञ्जानीज । अंग्रेज़ी।

कान्फेक्स्न्।

हिन्दी।

दव्याँ वा इनुवा ।

अगर कन्फेक्सन्स वज्ञत् रोज के रखने से स्त्रख कर सख हो जावे. तो उस् में थोड़ा सा पानी डाल कर मिलांवें, ता कि जैसा था वैसाही नरम हो जावे॥

लाटिन्। अंग्रेजी। कानफेक्सिको अभिग्डिली॥ कान्फेक्सम् अव आमन्स।

#### । अध ।

#### हिन्दी ॥

#### वदाँम का इनुवा॥

मोठा वद्राम ८ श्रीन्स
गम श्राविक याने गाँद वुक्री ऊर्द १ श्रीन्स
मिही ४ श्रीन्स
पानी में वदाम को भिगाकर दिस्का छुड़ा के सव्
चीज पीस के खूव मिलाके रख् झें।डे॥

# लाटिन्। श्रंगेजी। कान्फेक्सिश्चो श्रारोमाटिका। श्रारोमेटिक् कान्फेक्सन्। दालिकिती र श्रेन्स जायफल र श्रेन्स लीङ्ग र श्रेन्स इलायकी ॥ श्रेन्स केश्र याने जाफरान् र श्रेन्स खड़ी मिट्टी साफ को ऊद्दे र १६ श्रेन्स मिही र पोगड़

कि मिहीन हो जावे तव इस् वृक्षी को शिशे के वर्तन में वन्द कर्के रख् छोडे. जव् यह दवा जिली दकीर होवे. तव् वतन्ही निकाल लेबें श्रीर पानी के साथ श्राहिस्ते श्राहिस्ते मिलाता जावे. कि हल्वा के समान गाढ़ा हो जावे.॥

लाटिन्। श्रंग्रेजी।

कान्पोक्सश्रे श्रेगिन्स कान्पोक्सन् श्राव्

श्राद्धा श्रेगिन्स कान्पोक्सन् श्राव्

श्राद्धा (पील)

नारङ्गि के नाजा किल्ला ...... १ पीगड

मिस्री ...... ३ पीगड

पत्थर के खरल में नारङ्गी के किल्लो की लक्ड़ी के दस्ते से कुचलकर इस् में मिस्री डालकर जव्

तक् कि श्रकी तरह स् दोनी न मिल् जावे. तव

तक इस् की पीस्ते रहाँ॥

लाटिन्। अंग्रेजी। कानफेक्सिको कासिई। कान्फेक्सन् आव क्यासिआ।

# 1 49 1

#### हिन्दी।

#### श्रमलतास का इलुवा।

अमन्तास का नाजा गूटा .... ॥० पैगाड स्थानाच्याने शौरिवस्त ... २ श्रीन्स इमनी का गूटा .... १ श्रीन्स सिरप श्राव रोज व्याने गुनाव । ८ श्रीन्स की पर्वाइयाँ का पाग ... । शौरिवस्त की कुचनकर पाग में गनावँ. फि इस में दोने। गूटा की डान्कर उस की गीना सुखनाय नेवँ. ता कि हनुवा के समान गा हो जावे.॥

> नाटिन्। अंग्रेजी। कानफेक्सिओ ओपीआई। कानफेक्सन् आ ओपिअम।

> > हिन्दी।

ञ्चणाून का हनुवा।

सल अपसून की वृक्ती की उन्हर् ... ६ इ।म् पीपन ... ... ... १ इ।न्स

# । ४२।

साठ याने विलायनी जीरा इ द्वीन्स द्वागाकान्य की वृक्ती य्याने कतीरा १६ द्वीन्स द्वागाकान्य की वृक्ती य्याने कतीरा १६ द्वीन्स पिस्ती का शीरा १६ द्वीन्स दिन से जावे, तव इस वृक्ति को शिशे के वर्तन में वन्द कर्की रख छोडे द्वीर जाव दवा दकीर होवे, तव उस वृक्ति को १६ द्वीन्स गर्म किये, क्वये, शीरे में मिलोवे॥

लाटिन्। श्रंयोजी। कानफेक्सिश्रो पिपिरिस कन्फेक्सन श्राव् नैयो। श्लाक् पेपर।

# हिन्दी।

काली मिचें का इल्वा!

का कि मिर्च ..... १ पै। गृड इ सी के म्पेन् कृट् .... १ पै। गृड फानिस सिड व्याने से। स् के वीज़ स् इ पै। गृड

#### । ५३ ।

सहद साफ की ऋइ ..... २ छ। गृह ..... २ चै।गुड मिस्वी "

स्त्रुवी चौड़ीं को वारीक वुक्री कर्के श्रीशे के वर्तन में बन्द कर्के रख छोड़े जब वे दबा ट्की ए होवे तव वुक्री में सहत मिलायकर खूव घेँ।ट लेवे.॥

लाटिन्। कानैनी।

अंग्रेजि । कानफे का श्रे रोजी कान्फेकान् श्राव डाग्

रोज् (हिफ्स)।

#### हिन्दी।

सदा गुलाव का इल्वा।

डाड् रोज्ञ व्याने सदा गुनाव का १ १ पै। गृड • फून (गूदा) … मिस्ती वुक्री की उत्तर्द .... २० श्रीना

स्क मिही के वर्तन् में गूटा को धीमे ब्राइ पर रखकर मिस्ती थोडे. थोडे. कर्के डालते रहे श्रीर जन्तक् न खूव मिलजावे. तव तक घोटने रहें॥

लाटिन्। कान्फोक्सिश्रो रोज़ी ग्यास्त्रिसि।

श्रंगेज़ी। कन्फेक्सन् श्राव् रेड्रोज़्।

फारसी।

गुलकन्द ।

गुलाव की पखड़ीयाँ ..... १ पैग्ह मिस्रो ..... ३ पैग्ह

प्रथर के खर ज में गुलाव की पखड़ोयाँ को कुचलकर इस् में थे ड़ी थे ड़ी मिस्ती डालकर पीस के श्रुकी नरह मिलावें.॥

लाटिन्। अंग्रेजो।

कान्फेक्सिक्षो रूटी। कान्फेक्सन् श्राव् रू।

हिन्दी।

सुदाव व्यान तिन्ती का ह्नुवा। रू स्ट्रावी उन्हें ..... १॥० श्रीना विवार वे व्याने विलायती जीरा पि। श्रीन्स वेवेरिज़ व्याने हव लगार पि। श्रीन्स सागापीनम् व्याने सक् वीनज् । श्रीन्स काली मिंच पि कश्री किया क्रश्री पि श्रीन्स सहत् साफ किया क्रश्री पि विज्ञी कर्के श्रीशे के वर्तन् में वन्द कर्के रख छोड़े जव ए दवा दकीर होवे. इला सहत की जिला उपर लिखा है जला वृक्षी के साथ हमाम दस्ते में खूव घाँट लेवें.।

लाटिन् । कान्फोक्सिञ्चा स्का मानाञ्चादे । ञ्जंयेज़ी। कान्फेक्सन् ञ्जाव् स्कामानी।

हिन्दी |

सक्मोितञ्चा का हलुवा। स्कामोिनी की वृक्षी किया उठ्या १॥० जैनिस् सीङ्ग कुल्ली उठ्ये .... ६ जोम

# । ६५ ।

साँठ की वुक्री .... ६ जाम् आइ ल आव क्यार वे य्याने विला । ॥० जाम् यनी जीरा का अतर नापा उज्ज आ

गुलाव की पखड़ियाँ का पाग जिला दकीर होवे स्टर्खी चीजाँ की एक साथ पीस के जैसा आगे लिखा है वैसा करे लेकन् सव से पोछे जीरे का अतर मिलांवें.॥

लाटिन्। अंग्रेजी। कान्फेक्सिक्षो सेन्नी। कान्फेक्शन् श्राव् सेना। । हिन्दी।

# सना का ह्लुवा।

सता प्रजीर पेगाइ इस्ती का गूटा ॥० पैगाइ अमलतास का गूटा ॥० पैगाइ प्रन्स क्याने स्वलाया उत्रश्वा ॥० पैगाइ श्वालुवुखारे का गूटा ॥० पैगाइ र्धानयां ॥० पैगाइ मुलहटी .... इ द्वीन्स् मिस्ती ... १॥० पीगड पानी ... दे पैग्र

सना और धनिया के वीज को एक साथ पीस कर वारी क छलनी में छाने जब कि दश बीन्स महीन वृक्षी छन चुके फोर ब्रह्मीर और मृतहरी के साथ पानी में पकाबे जब कि बाधा पानी ज्वल जावे. तव कपडे. में डाल कर निचाड़ ले बीर इसी ब्रक्त को पानी के जन्मर में रख के बाब कर जिन्हों जिन वीवीस बीन्स वाकी रह जावे, तव इस में मिसी डाल कर पाग तैयार करे बीर बीरा थीड़ा से पाग से लेकर इस्ती बीर ब्रमलतास बाब कर पाग से यो हो बीर बाल वासी होते के गूरे को बीर ब्रमलतास बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास करें की बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास करें की काल कर मां बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास बाल कर बाल कर मां बाल कर पाग से बीर ब्रमलतास करें की हस म ब्रह्मी की रहा मिलाकर रख छोडे. ॥

बाटिन्। जिकाक्टा। फासी। ओशान्दः। श्रंगेज़ी। डिकाक्सन्स। हिन्दी। काछा। नाटिन्।

अयेजी।

डिकाक्टम् श्रालोड्ड क् कम्पेग्ड डिकाक्सन् काम्पासिटम्।

ञ्चाव ञ्रलीज्.।

# हिन्दी।

मुस्बर् का जोशान्दः मिलाया ऋशा॥

केठी मध का एका झाक्ट य्याने सन् 🤏 🖫 म् कार्वानेट् ञ्चाव् पाटास् ... ..... १ द्वाम् अलोज़ य्याने मुसब्बर वुक्री की उन्हर १ । बाम् मर वुक्री की ऊर्ड ... ... १॥० ज्ञाम् कम्पागड टिङ्कट्यूर श्राव कार्डमम् ७ श्रीन्स पानी टप्काया क्रञ्जा ... १॥० पैग्र

जेठीमध का सन् श्रीर कार्वानेह श्राव् पाटा,व श्रीर मसबर श्रीर मर श्रीर जश्रासन् इन् सव को पानी में पकावे. जव कि एक पैग्ट पानी रह जावे, तव इस को छान लेवें. और इस

#### । पृष्ट् ।

षानी उन्हें चीज़ में कम्पीएड (टिक्क्ट्यूर आव् कार्डिमम् ) मिलावे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी। डिकाक्टम् अमिलै। डिकाक्सन् आव् छाचै। ष्टार्च ... ४ द्वाम् पानी ... .... १ पैएट छार्च के। अहिस्ते अहिस्ते पानी से मिलाय कर फ़िर थोड़ी देर तक् खे। लावे. ॥

चारिन।

अंग्रेज़ी।

डिकाक्टम् शीद्रारिद्र। डिकाक्सन् श्राव्

लिवर्वर ।

लिवर्वर्ट ... .... ५ जाम् ..... १॥० पैस्ट पानी \*\*\*

पानी म स्वर्वर्ट को पकावे. अव एक पैराट र इ काबे. नव कान लेवे.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

डिकाक्टम् चिमाणि ची। डिकाक्सन् श्वाव् विराटर योन श्रर पैरोचा।

पोरी ला .... १ क्रिन्स पानी टप्काया क्रक्षा .... १॥० पैग्ट पानी में पैरोला को पकावे जब एक पैग्ट रह जावे तब छान लेवें॥

लाटिन्। डिकाक्टम्। विन्कानो कार्डिफोलिइं चिन्कानो जाक्से फोलिइं चिनकानो आव्जाङ्गि फोलिइं इंग्रेजी। हार्टलीव्ड चिन्काना लाक्सलीह्ड चिन्काना

इन् तीना की नकींव् एक ही है।

सिनकोना की छाल कि उसको। वार्क कहते हैं जुड़ी उहाई ... १० जाम पानी टप्काया उहां ... १ पैन्ह

# 11 82 11

वार्क को एक वर्तन् में इल्का ढकता से वन्द्र कर्के दश मिनिइ खालाके गरमागरम छान लेव।

चाटिम। अंग्रेज़ी। डिकाक्टम सैडोनिइ। डिकाक्सन् श्राव कुईन्स (सिड्स)।

हिन्दी ।

विही द ने का काछ।

विही के वीज ..... २ ज म्
पानी टएकाया उहाजा ..... २ पैग्ट
इत् दोनो को धीमी जाँच से दश मिनिट् तक
पकाकर द्यान नेवें.॥

लाटिन्। अंग्रेज़ी। जिलाकरम् दल्लामारी। जिलाकरम् उल्लामारी। जिलाकरम् आव् वाडीनैट्सेड्। वाडी नैटसेड काला किया क्रिका १० जाम् यानी टप्काया क्रिका प्रकार जावे जाव कि आधा पैस्ट पानी क्रम् जावे तव्हस को हान सेह.॥

# । ६२ ।

साटिन्।

श्रंयेजी।

डिकाक्टम् यानाटै। डिकाक्सन् आव् पम्यानेह।

हिन्दी।

श्रुतार् का काढा।

ञ्चनार का छाल ... .... २ ञ्चीन्स पानी टप्काया उड्डञ्चा... .... १॥० पैराट इन् दोना को पकावे. जव् कि एक पैराट रह जावे. नव् छान लेवें.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

ं डिकाक्टम् हार्डिञ्चाई । डिकाक्यन् ञ्चाव वार्ली।

फार्सी।

भागजी।

पर्ल वार्ली व्याने विलानी जो २॥० श्रेन्स पानी ... ४॥० पैग्ट पर्ल वार्ली को ठगढ़े पानी से धेकर श्राधे पैग्ठ पानी में थोड़ी देर तक पकाकर पानी को उसका देवे. श्रीर जी चार पैगट पानी वाकी रहे उस् की खूब गर्म करें (पर्ल वाली) पर डालके पकावे. जव कि आधा पानी य्या दो पैग्ट ज्वल् जावे. तव इस को छान चेवें.॥

ं चाठिन्। ,

इंग्रेजी।

डिकाकटम् हार्डिञ्चाई कम्पोगड डिकाक्सन् काम्पासिटम्।

ञ्चाव् वाली॥

#### हिन्दी।

श्राश्जी का मिलाया ऋश्रा जोशान्दः॥

पर्च वार्ली का जीशान्दः .... २ पैगढ श्रुती ग कला किया उत्रश्चा ... २॥० श्रीन्स जेठी मधका जड कला श्रीर कुझा ? की ऊद्दे .... वंडिंग निकाला क्रञ्जा मुनका । २॥० ज्रीन्स ····· **१** पैस्ट पानी ... इत सव चीजाँ को मिलाकर पकावें जब कि

# 1 468 1

स्क पैरार पानी ज्वल् जावे तव् इस् के। छान चे वें॥

चाठिन्।

इंग्रेजी।

डिकाक्टम माच्ची काम्पा कम्पाग्ड डिकाक्सन् ्ञाव्माखो॥ सिटम ॥

#### हिन्दी।

खती का काढा मिलाया ऋशा॥ स्तरण ज्ञया म खो याने खत्मो ... १ श्रीन्स के निमाइन झरेर य्याने वावूने का ) फून सुखंनाया ऋश्वा .....

इन् दोनो को पानी में पाव घराटे तक पका कर द्यान चे वें, ॥

••••• १ प्रेग्ट

चाटिन्। डिकाक्टम् पाणविरिस॥ डिकाक्सन् श्राव

पानी …

अंग्रेज़ी।

पाप्पी !

# । ६५ ।

#### हिन्दी।

पोस्त की ढेढी का काढा। कला ऊत्रश्रा पासा ... ४ श्रीन्स पानी " पानी में णेस्त की पाव घरटे तक पका के छान् लेंब ॥ खाटिन्। अयजा। डिकाक्टम् कार्कस्। डिकाक्सन् आव् आक् श्रंयेजी। (वार्क)। हिन्दी। वांनूद की छान का काछा। भे। क् वार्क याने वालूद की छाल ? क् जी उन्दर्भ ..... र पानी टप्काया ऋश्वा ..... २ पैग्ट पानी में छाल की पकावे जव कि आधा पानी ज्वन् जाने, तव इस्का छान ने वें.॥ अयेजी। 👂 साटिन्। डिकाक्टम् साजी। डिकाक्सन् आव् सार्-

हिन्दी ।

पारिस्ता।

उसदः व्याने साल्से का काठा।

# 1 55 1

साल्सा कला किया ऋश्वा ..... ५ श्रीन्स खोला क्रश्ना टप्काया पानी ..... ४ पैगर

इन् दोनो को वर्तन् में वन्द कर्के आग के पास चार घराटे तक रहने देवे. वाद इस् के (सासी-पारिस्ता) को पानी से निकाल कर श्रीर कुचलके फिर इस्रो पानी में डाल कर श्रीर दो घर तक् ञ्चाग के पास रहते देवे इस के वाद इन् दोने। को पकावे. जव कि ञ्चाधा पानी ज्वल् जाने तव् इस को छान लेवें.॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

काम्पासिटम्।

डिकाक्टम साजी कम्पोगड डिकाक्सन् श्राव् सासीपारिख्ना।

हिन्दी।

सास्ते का काळा मिलाया उत्रश्रा। सास्से का काळा खाँका ऋश्वा ..... ४ सासाफ्रास कला को ऊर्इ ..... १० जाम ग्वाकम की चक्ड़ी की छोचन ... १० जाम् जेठीमध कुन्नी उन्हर् ..... १० जाम्

# 1 69 1

मिजीर्यन ..... ३ जाम
इन् सव की पाव घराट तक पका के झान लेवें.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
डिकाक्टम् स्कोपारिश्वाई कम्पीराड डिकाक्सन्
काम्पासिटम्। श्राव बुम्।
बुम् .... ॥० श्रीन्म्
जुनिपर .....॥० श्रीन्म्
डारिडलेस्न .....॥० श्रीन्म्
पानी टण्काया ऊश्रा .....१॥० पेराट रह

बाटिन्। अंग्रेजी।
डिकाकरम् सेनिगी। डिकाक्सन् आव सेनीगा।
सेनीगा की काल ..... १० जाम्
पानी टएकाया उत्जा ..... २ पेग्रेड
पानी में सेनीगा की काल को डाल कर आग पर

कावे. तद छान चेवै॥

# 1 € 4 1

पकावे, जाव कि आधा पानी ज्वल् जावे, तव इस को छान लेवें, ॥

चाटिन्।

इंग्रेजी।

डिकाक्टम् टार्मिणिटस्ती। डिकाक्सन् श्वाव् टार्मिणिटच।

टार्मिग्टिन् नुज्ञी उन्हर् '''' र श्रोन्स पानी टप्काया उन्जञ्जा '''' १॥० पैग्ट पानी में टार्मिग्टिन डान् कर श्राग पर पकावे ज्ञाव कि एक पैग्ट रह जावे. तव छान लेवें.।

चाटिन्।

अंग्रेजी।

डिकाक्टम् अलमे। . डिकाक्सन् आव् एस्म (वाके)।

एला की ताजी छाल कुझी उहाई २॥० श्रीन्स पानी टपकाया उहाशा .... २ पैग्ट पानी में छाल की पकावे. जब कि श्राधा पानी उचल जावे. तब इस की छान लेवें.॥

चाटिन्। इंग्रेजी। डिकाक्टम् युवी असै। डिकाक्सन् ञ्चाव् ह्वार्टन्वेरी। ह्यार्टन्वेरी नुच्ची ऋई ..... १ ब्रीन्स पानी टण्काया ऋश्वा ..... १॥० पैग्ट पानी में ह्वाटेल्वेरी डाल कर आग पर पकावे. जव कि एक पैग्छ रह जावे. तव छान लेवें ॥ चाटिन्। अयेजी। डिकाक्टम् विगद्गे। डिकाक्सन् आव् ह्वैट् हेलेवार। हिन्दी। सफेट कुट्की का काढ़ा। ह्वैट हे जे वोर व्याने सफोट जुटकी ) कुन्नी ऊद्दे ..... प्रानी टप्काया जिल्ला .... र पैराट रिक्टिफेड स्पिरिट् श्राव् वैत ) ३ श्रीन्स पानी में ( हो जेवोर ) की पकावे. जव आधा पानी

उचल् जाने. श्रीर जव यह गाछा चीज़ ठराहा हो

जावे. नव् उस् मेँ (रिकटिफेड् स्पिरिष्ट श्राव् वेन्) मिलावे. श्रीर निचोड़ के छान लेवें.॥

ं चाटिन्।

अंयेज़ी।

रम्झाष्ट्रा।

म्लाष्ट्रे ।

हिन्दी। पट्टी।

मुनर्जिम् का वयाँन जो दवा कि पट्टी के बासे वन्ती हैं और वह मरहम से सक्त होती है उस् को अंग्रेज़ी कवान में (ज्लाष्टर) कहते हैं॥

साटिन् ।

अंग्रेज़ी।

एम्ह्राष्ट्रम् अमोनैसे। ह्राष्टर आव् अमोनीरकम्। अमोनिरकम् याने उसक् ... ५ श्रेन्स् डिष्टिलेड् विनिगर् ... प्रशेनस् अमोनिरकम् को सिके में गलाय कर् धीमी विच से सुखलावे. श्रीर चलाते रह जव तक् काविल हो बनाने के न होजावे.॥

बाटित्। श्रंथेजी। एम्झाष्ट्रम श्रम्भोने- । झाष्टर श्राव श्रम्भोनी एकम् सै कम हैशार्जिरो। विरु मक्टूरी।

#### 1 68 1

#### हिन्दी।

उसक् और पारे की पट्टी।

असक् ... १ पीगड साफ किया पाग तोला क्रञ्चा ... ३ ज्रीन्स श्रीलव श्वाइल य्याने जलपाई १ ज्राम का तेल नापा क्रञ्चा ... ५ येन् गश्चक ... प्राप्त तेल ग्री क्रोला क्रोला क्रोला

गन्धन को गरम तेल में थोड़ा थोड़ा कर्के डाले और दक्ते से चलाते रहें मिल जाने के बाद पारा डाल कर घाँटने रहे जब तब तक रवा न मालूम देवे. फिर अम्मोनिस्कम को गनाय कर इस् मिली ऊर्इ चीज़ में थोड़ा थोड़ा डाल कर मिलावें.॥

साहित्। अंग्रेजी।

रम्झाष्ट्रम् वेस्ताडाक्को। झाष्टर आत् डेड्लीनैटशेड्र।

शाष्टर् आव रेजीन् ..... ३ जीन्स्

रक्रहाक्ट आव् वेस्त्रेडाना ..... १॥० जीन्स्

पानी के जनार में झाष्टर को गवावे. जीर्
रक्रहाक्ट को इ कर उसी में मिलावें. ॥

#### । ७२ ।

चाठिन्। सम्झाष्ट्रम् न्याम्यारिडिस्।

अंग्रेज़ी। भ्राष्ट्र आव्

काम्यारिडीज्ञ्।

#### हिन्दी।

#### नेस्ती मखी की पट्टी।

तेखी मखी की वारीक वृक्ती ..... १ पै। गड मोम की ह्वाष्ट्र ..... १॥० पै। गड साफ की उन्हें चर्ची ... ॥० पै। गड

कर आग पर से उतार लेवें. और जुन कि ठएडा होने पर आबे और गाला होने लगे तब उसी तेला मखी की वृक्की थोड़ी थोड़ी डाल कर मिलोवें. ॥

बाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सम्झाष्टर् सीरी।

वाक्स झाष्टर्।

हिन्दो।

जर में म की पही।

माम ...

ः इ पे। सङ

साफ की उन्हर चर्वी ..... ३ पै।गड़ जर्द धूना ... .... १ पै।गड़ इन नीना को एक साथ श्रीच पर पिहाकर इन नेवाँ ॥

लाटिन्। इंग्रेज़ी।

एम्झाप्ट्रम् ग्यां लावाने। झाष्टर आव् ग्यां लावानम्।

ग्यां लावानम् य्याने किझा .... प्र औन्म् झाष्टर् आव लेड् ... ५ पै। एड टापिएटेन् .... १० जाम धूना जो (सनोवर) से निकला है।

नुक्री किया क्रञ्जा .....

किन्ना और टार्पिएटैन को एक स्व आंच पर विद्वाके और इस में धूने की मिनाकर इस् मिलाई ऋई चीन में (लेड्झाष्टर) की पिल्ला कर इस् में डान कर धीमी आंच से इन् सब चीजा की मिलाँवें.॥

लाटिन्। अंगेजी। सम्झाष्ट्रम् हेंद्राजिरे। मक्रीस्व झाष्टर्। हिन्दी। पारे को पडी। साफ़ किया पारा तीला क्रञा ... ३ द्वीत्स श्रीलव श्राइल य्याने जल्याई का १ द्वीम् तेल नापा क्रञ्जा ..... १ प्रीगृह श्लाष्टर श्राव लेड ... १ प्रीगृह गन्धक ... ६ येन् गर्भ तेल में गन्धक की थोड़ा थोड़ा कर्के मिलावे. श्रीर चलाते जावे. जब खूव मिन जावे. तब उसी के साथ पारे की धाँटे कि रवा वे मालूम हो जावे. फोर (श्लाष्टर श्राव लेड़) को धीमी श्रांच से पिथ्ला के थीड़ा थोड़ा कर्के छोडे. श्रीर सब को खूब मिलांवें.॥

लाटिन्। अंग्रेज़ी।

रम्झारुम् ओपिआइ। ह्लारुर् आव् ओपिअम्।

हिन्दी।

ञ्रफ्यून की पड़ी।

अपगून वृक्ती को उड़ र ॥॰ श्रीन्स धूना जो सनावर से निकला है । वृक्ती किया उड़ श्रा ..... १ गैगाड़

## । ७५ ।

पानी ..... प्रश्नीमा प्रमान के हो जायक पड़ी वनाने के हो जाये. ॥

## चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सम्हाष्ट्रम् पैसिस् । ह्माष्टर् श्राव् पिछ ।
(वर्गन्दीपिछ) य्याने राल् ..... २ पैगाड
धूना जो सनोवर से निकत्ता है ... १ पैगाड
जद्धूना .... ४ श्रीन्स
सोम ..... ४ श्रीन्स
जायफल का तेल नापा इत्श्रा ..... २ श्रीन्स
पानी ..... २ श्रीन्स

रील और धूना और मोम को एक साथ पिछा कर इस में जो धूना कि सनोवर से निकला है डाल कर मिलावे. और इस मिलाई ऊर्इ चीज़ में जायफल का तेल और जल्पाई का तेल और

### 1 9€ 1

पानी छोड़ा डाल कर मिलाके धीमो श्रांच से ज्वलांव, ताकि काविल पट्टी के होजावे॥

चाटिन।

अंग्रेजी।

सम्बाष्ट्रम् सुमी। साष्ट्र बाव् लेड्।

#### हिन्दी।

मुदीर्सङ्ग वगैरह की पट्टी।

मुदीरसङ्ग व्याने आक्षीड आव् । ह पै। गृड जस्याई का तेल ..... प्र पैग्र ..... २ पैस्ट पानी .....

इन् नीना चीजा को एक वर्तन् में रखकर धीमी बाच से पकावे. बार जव तक कि यह तीना चोज अधी तरह न मिल्जावे और काविल पट्टी वनाने के न हो जावें, तव् तक् हिलाते रहें द्वीर क्रगर पकाते वल तैयार होते के क्रागे पानी दव अल् जावे. ते। चाहिये. की श्रीर खेला अश्र णानी इस् में मिलोवें ताकि स्चीन ज्वले न पावें. ॥

चाटिन्। उंग्रेजी।
एमझाष्ट्रम् रेजिनी। झाष्टर आव्रेजिन।
हिन्दी॥
बस्दार पट्टी॥

धूता ... ॥० है। एड स्नाष्टर आव लेड .... ३ है। गड़ लेड्झाष्टर की धीमी आँच से पिझावे. और इस् में धूने की वुक्रो डालकर मिलोवें.॥

चाटिन्। श्रेणेजी।

एम्ह्राष्ट्रम् सापेनिस्। ह्राष्ट्र श्राव् सेप्।

हिन्दी।

सावृत काला किया क्रश्रा ..... ॥० पौराड

बेड्झाष्टर् ..... श्रेणेगड

इन् दोना को श्राच पर पिह्नावे. श्रीर जव तक्

#### 1 95 1

कि यह दोना न मिलजावे. श्रीर काविल पट्टी के न इःजावे. तव तक श्रांच कर्ते रहे॥

चाटिन्। श्रंगेजी। इनीमेटा। इनिमा। हिन्दी। पिच्कारीका दवा।

चाटिन्। श्रंगेज़ी।
इतिमा श्रंगेज़ी।
इतिमा श्रंगेज़ी।
इतिमा श्रंगेज़ी।
सोसञ्जर .... २ स्कुपल्
कार्वेनिट् श्राव् पोटास् .... १५ ग्रेन्
डिकाक्सन श्राव वार्जी .... ॥० पैएट
इन् नीनां को एक साथ घाँट कर मिलाव.॥

चाटिन्। अंग्रेज़ी।
इतिमा कालोसिम्बडिस्। इतिमा आव कालोसिम्ब।
कम्पीगड एक्सद्राकट आव्) र ष्ट्रापश्
कालोसिम्ब .... भ औत्म
पाती .... १ ग्रेगट
इत तंति को एक साथ घाटकर मिलावे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
इतिमा नवासे। इतिमा आव तोवाको।
तम्बाक् की पितियाँ ... भ जाम्
खैला क्रिआ पानी ... भ पैराट
इन् टोनो के। वर्तन् में वन्द कर्के एक घरि
तक् भिङ्गाकर छान् चेंचें॥

चाटिन्। श्रंथेज़ी।
इतिमा टिरैविन्धिनी। इतिमा श्राव्टेंपेग्टाइन।
टेंपेग्टाइन् श्राइच ... १ श्रीन्म
श्रंडों की जटी जिल्ला कि टकीर होवे.
इत् टोनों को एक साथ घाटकर १० श्रीन्म
डिकाक्सन् श्राव् वार्ली डाचकर मिलांवे.॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

स्वसद्गान्टा ।

स्काइ। क्टस ।

हिन्दी।

सत्।

मृति म का वयान ।

नवातात् कि जिस् चीज् को कि पानी में पका कर छान् लेवे. और इस पानी को ज्वलाकर गाणी चीज् को एक् लेवे. इसी चीज् को अंग्रेज़ो ज्वान् में एक्सद्राकट और अरवी में जीहर और हिन्दी में सन् और संस्कृत में सार कहते हैं हरएक एक्सद्राक्ट इस्तीर से बनाते हैं कि कार्छ या खे सान्दे को एक चीडे. और उधले वर्तन में डाल कर पानी के जन्तर में रखकर ऐसा गाला करें कि एक्सद्राकट से गोलियां वन्ध सके और जब् कि एक्सद्राकट गाला होने पर आवे. हव् उस्को घाँट के एक् लेवें.॥

### 1 59 1

जिस् (स्वाइन्ट) को नरम् राहा चाहेँ उस् पर थोड़ा (स्पिरिट आव वैन्) कभी कभी छिड़के रहेँ ताकि वह छीज् विगेड्ने न पावे.॥

चाटिन्।

अंग्रेडी।

स्वाद्य अवोईज पुरिफेड स्वाद्य ए पुरिफेकेटम्। आव् स्वोज्। स्विटी।

मुसबर याने एन्ए का सन् साफ किया इह था। मुसबर नुकों की उहर ..... १५ श्रेन्स खीला उहशा पानी .... पर पैग्ट

पानी में मुसबर को डालकर श्वाग के पास या धूप में तीन दिन तक रखे श्वीर इस की छान कर रख छोड़े. जब कि इस की गाट बैठ जावे. तब उपर का साफ पानी को एल्का कर बाकी जो रहा उस को धीमी श्वाच से उपलाके सत्के मुबाफिक गाढ़ा कर लेवे.॥

े लाटिन्। श्रंयेज्ञी। स्वसदाक्रम वेद्धाडाद्गी। स्वस्टाक्ट श्राव् डेड-लीनेटशेड्।

श्रवी। हिन्दी। श्रवस्मानित। मको का सन्। वेबाडाना की हरी पतियाँ ..... १ पै। गृह पत्थर के खरन में इन् पतियाँ पर घोड़ासा पानी किड़न कर कुज्ञाने. श्रीर इस् में से रस को निचोड़ कर श्रीच पर रख़ के सहखाने. नाकि रस गाढ़ा होने. ॥

लाटिन्। श्रंगे जो।

एक्सद्राक्टम सिन्कोनी— एक्सद्राक्ट श्राव्—
—कार्डिफोलिइ —हार्टि जिव्ड सिन्कोना
—लान्सिफोलिइ —लान्सिलीव्ड सिन्कोना
—श्राव्लाङ्घिफोलिइ। —श्राव्लाङ्गलीव्ड—
सिन्कोना।

इन् तंना के वनाने की तरकी व स्कही है। सिन्कोना के किल्ला कुन्नी उन्नई १५ श्रीन्स टएकाया उन्नश्रा पानी .... ४ ग्यालन्

एक ग्यालन् पानी में क्लिकाकी पकावे. जव है पैराट पानी रहजावे. तव गर्मागर्म छान लेवे. इसी तरह श्रीर तीन दफा पकाकर इन् पानिया की मिलावे. श्रीर श्रीच पर रख के ज्वलावे ताकि सन् के समान गाला होजावे.॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

स्वस्ट्रांक्टम् काल्च- असेटिक् स्वस्ट्रांकट आव्-साई असिटिकम्। मेडोसाफ्र्न्। मेडोसाफ्रन् की ताजी गाँठ ... १ पांगड असेटिक् असिड् ..... ३ श्रीन्स

गाँठ पर थोड़ा थोड़ा अधिड् व्हिड़क् विड़क् कर कुंच्चाने तन रस निचोड़ लेने. और मिट्टी के वासन में जिस् में शीशे का रोगन न होते. उस् में रख् कर ज्वलाने नाकि गाढ़ा होजाने.॥

चाटिन्।

अयेजी।

स्वस्ट्राक्टम कार्ज्यसाई स्वस्ट्राकट मेडोसाकामें। फ्र्न् (कामेस)।
मेडोसाफ्रन् की नाजा गाठ · १ पैगड
गाठ पर थोड़ा पानी विड्का कर कुज्ञाव. श्रीर
रस निचोड़ कर ज्वलावे, नाकि गाढ़ा होजावे. ॥

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

स्काइन्टम् काले। शिक्याडिस्। स्काइन्ट आव् काले। सिन्धा

ञ्चवी ।

हिन्दी<sup>"</sup>।

जीहरू हम्मल्। इन्ह्रायन का सत्।
इन्ह्रायन कला किया क्रम्था ..... १ पीराड
पानी टएकाया क्रया ..... २ ग्यालन्
इन् टोना को मिलाकर धीमी भाष से छः
घराटे तक पनावे, जब कि भाषा पानी ज्वल् जावे,
तन् इस् को छान लेवें, श्रीर इस् छानी क्रई
चीन को सुखावे, नाकि जो सन कि इस् में मिला
क्रम्भ हे सो गाएं। होजावे.॥

लाटिन्। अयेजी।
स्काद्राक्टम काले।सिन्धिडस- कम्पे। एकाद्राक्ट
काम्पासिटम्। आत् कालोसिन्धः।
हिन्दी।

इन्हायन का सत् मिलाया ऋशा। इन्हायन काला किया ऋशा .... ६ श्रीनम पुरिपेड एक्सद्राक्ट आव एलीज् १२ श्रीनम

### । ५५।

स्लेम्मोनो व्याने महमूदे को वृक्षी । १ श्रेन्स इलायची को वृक्षी । १ श्रेन्स स्व सावृत । ३ श्रेन्स पुफ स्पिरिट् व्याने स्पिरिट् श्राव् ) वैन कि उस् में पानी मिलाया उत्तरा है । । । ।

इन्हायन के गूदे को (पुफ स्थिरिह) में डांब कर चार रोज तक आग के पास रख कर छान नेवें. और इस छानी उन्हें चीज़ में मुसबर और मह मूदा और सावन मिलाने तिस पीके (स्थिरिह आव् बैन्) को सुखावे. ताकि जो सन् कि इस् में मिला उन्हां से सो गाछा होजावे. और सन् को गाछा होने के बाद इलायची की दुक्की को मिलावे.॥

लाटिन्। श्रंथेजो। सुक्सदाक्टम् कोनिश्चाइ। स्क्सदाक्ट श्चाव् हेम्लाक्।

अर्गी। जीहरूश्रीकरात। कोतिअस् को हरी प्रतियां ..... १ पै। सड

### । यह ।

इन् पितया को पत्थर के खरल म पीसे श्रीर इन् पर थोड़ा थोड़ा पानी किड़के श्रीर इस के वाद रस को निचेड़ कर पानी की सुखलावे. ताकि रस गाएं। होजावे,॥

चाटिन् (

अयेजी।

स्वांद्राक्टम डिजिटालिस्। स्वाइत् आव् फाक्सम्लोव्।

डिजिटालिस् की नाजी पनिया .... १ पीगड

इत् पितियाँ को पत्थर के खरन में पीसे और इत् पर घोड़ा घोड़ा पानी किइको और इस् के बाद रस को निचोड़ कर पानी को सुखनावे. ताकि रस गाढ़ा होजाबे॥

चाटिन्।

श्रमेजी।

स्वादाक्टम् इलाटिरी आई। स्वादाक्ट आव् इलाटिरी अमः

ञ्जवी।
जीहरूल के सायलवरी।
हिन्दी।
वन्खीरे का सन्।

इलाटिरी अम् को कला कर्के वक्तत धीरे निचेड़ कर इस् के रस को काँच के वर्तन् में वारीक छेट की छली से छान कर कई घराटे तक् रख् छेडे. जव कि तलछह इस् में वैठ जावे. तव् पानी को निधार कर तलछह को धीमी आच से या धूप में गाढ़ा कर्के रख् लेवे.॥

चौटिन्।

अंग्रेजी।

स् क्स्ट्राक् म जिन्सिञ्चानी। स् क्स्ट्राक्ट ञ्चाव् जिन्स्स्नि।

## अर्वी।

जीहरून जिन्सियात।

जिन्स्एन् कलो की ऊर्ड ... २॥० पैग्ड टएकाया ऊड्डा खोला पानी ... २ ग्यालन् जिन्स्एन् को चैग्वीस घर्र तक पानी में भिगा कर पकावे. जव् कि आधा पानी ज्वल् जावे. तव् इस् को छान कर सुखलावे. ताकि जो सन् कि पानी मेलआया ऊड्डा है सा गाला होजावे.॥ लाटिन्। धंयेजी। स्वस्टाक्टम् जिक्शोरेजी। स्वस्टाक्ट आव् ले केरिस्।

> अरवी। जोहरूल अधलसमूस। हिन्दी।

जेठी मध का सार च्याने मुनहरी का सन्।

मुनहरी काला की उन्हें ..... २॥० पैगाइ

टप्काया उन्नञ्जा खेला पानी २ ग्यालन्

मुनहरी की जाड़ को चै। वीस घरारे तक पानी में

भिगाकर पकाने, जाव कि आधा पानी उचल जावे

तव् इस को झान कर सुखावे, ताकि जो सन्

पानी में भिला उन्नञ्जा है से। गाढ़ा हो जावे,॥

सादित। अंग्रेजि। स्वादाक्टम् सीमाटाक्येलै। स्वादाक्ट आव् लागवुड्।

> ञ्चरवी। जैहरून वकम।

## 1 56 1

## हिन्दी। पतङ्गका सन्।

लाग्वंड का वृक्षी .... २॥० पै। ग्रह टप्काया क्रञ्जा खेला पानी ... २ ग्यालन् लाग्वंड का वृक्षी को चै। बीस् घरहे तक् पानी म भिगाकर जाग पर पकावे. जव कि जाधा पानी ज्वल जावे. तव इस् को छान कर सुखा बेवें नाकि जो सन् कि पानी में मिला क्रञ्जा है सो गाला हो जावे.॥

चाटिन्। अंग्रेज़ी। एक्स्ट्राक्टम् हैयोसैअमै। एक्स्ट्राक्ट आव् हेन्वेन्।

> अरवी। जीहरुश्चरग्रान्।

द्मिन्दी।

पहाडी भङ्ग का सत्।

हेन्वेन स्थाने खरामानी अजवाई न् १ पै। गड

पश्र के खर्न में पिनयां की डानकर थोड़ा

थोड़ा पानी किडम कर पीसे श्रीर रस को निचेड़ कर इस के पानी को धीमी श्रीच से सुखावे, ताकि श्रमली रस गाढ़ा होजावे.॥

साटिन्।

इंग्रेज़ी।

स्वरदाक्टम जालापी। स्वरदाक्ट आव जालप्। जालप् को ज इका नुक्री ..... २॥० पै। गड रिक्टोफैड् स्पिरिट् आव वैन ... ८ . पैग्र पानी टप्काया क्रञा

(रिक्टिफेड स्पिर्ट आव वेन) में जालए को जड़ की वृक्षी को चार रोज़ तक भिगाक उँडेल लेवे. आर तलकट पर पानी डाल कर पकावें, जब की बारह पेग्ट पानी ज्वल जावे. तव इस को छान लेवे. और इस छानी उड़ई चीज़ को सुखा कर गांठा कर लेवे. और (स्पिर्ट आव वेन) को को इस में जालए का सन मिला उज्जा है टएकावे. नािक सन गांठा होजावे. तिस पीके इन टोना किसम के सन को मिला कर सुखावे. तािक जैसा चािहर वेसा गांठा होजावे.।

इस् स्कादाक्ट की दो तीर पर रखा चाहिये स्क सख कि जिस् में वृक्षी बन् सके और दूसरा नरम् कि उस्से गोलिया वन्ध सकें॥

## चाटिन्।

इंग्रेजी।

स्काइ क्टम् लाक खृशी। स्काइ क्ट श्राव् ले खृस्। ले हुए को हरी पित्र था ..... १ पी गड़ प्राप्त के खरल में इन् पित्र था के। डाल कर थाड़ा थोड़ा पानी किइक कर पीसे श्रार रस को निसेड़ कर धीमी श्रांच से सुखावे. ताक श्रम ली

चाटिन्।

र्स गाढ़ा होजावे,।

ञ्जंयेज़ी।

स्वाद्याक्रम् लुप्युनै। स्वाद्याक्र ञ्चाव हाप्स। हाप्स ..... ६ ञ्चीन्स टुण्काया ज्ञञ्जा खीला पानी ... २ ग्यालन्

हाएस को चैं। बीस घर तक् पानी में भिगाकर पकावे. जव् कि श्राधा पानी ज्वल् जावे. तव् इस को छान कर सुखा खेवे. ताकि जो सत् कि पानी में मिलाया अश्रा है से। गाष्ट्रा होजावे.॥ चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सका हा क्टम् श्रोपी श्राई युरी फैंड सका झा क्ट पुरीफैंकेटम्।

ञ्चाव् ञ्रोपीञ्चम्।

अरवी।

जीहरू च श्रफ्रून्।

हिन्दी।

अफ़ीम् का सन्।

श्रुफ़ीम् कला की ऋड् .... २० श्रीना टप्काया ऋश्रा पानी ... .... १ ग्याचन्

श्रीपश्रम् पर् घोडा सा पानी डाल कर वार स घराटे तक भिगावे. ताकि अफीम् नरम होजावे. ब्रीर वाद इस् के वाकी पानी के। थे। इ। थे। इ। डाल कर खरल करे ताकि अफोम पानी में अहीतर स् मिल जावे. श्रीर रख होडे. जव की इस् को गाद देठ जावे. तव् इस् कें। छान कर सुखा लेवे. ताकि अफ़ीम का सत् जो पानी में मिना उत्तवा है सो गावा होजावे.॥

नाटिन्।

अंग्रेजी।

स्काङ्गक्टम् पेपाविरिस्। स्काङ्गक्ट आव पाणी।

हिन्दी।

पोस्त की ढँढी की सन्।

पोस्त को छँछों को किल्ला कुझी ऊडरे १५ श्रीन्स टण्काया ऊश्रा खेला पानी ..... १ ग्या लन् पानी में पोस्त को छँछों को चौवीस घगटे तक् भिगा कर श्राग पर पकाँव, जब कि श्राधा पानी जबल जावे, तब इस को छान के सुखावे. ताकि जो सन् कि इस् में मिला ऊश्रा है सो गाछा होजावे. ॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

स्वस्दाक्टम् पारेरो। स्वस्दाक्ट आव् पारेग।
परिग कुझा ऊआ ... २॥० पै। एड
ट एकाया ऊआ खीला पानी ... २ स्थालन्
पानी में चै।वीस घराठे तक् भिगा कर आग पर
पकावे. जव् कि आधा पानी उक्च आवे. तव इस

को छान कर सुखलावे नाकि जो सन् कि इस् में मिला किया है सो गाढ़ा होजावे.॥

लाटिन्।

अयेजी।

सक्ताक्टम् री आद्। सक्ताक्ट आव् रूवाव। अर्वी।

जीहरूल राविन्द।

हिन्दी।

रेवन्द चीनी का सत्।

रेवन्द चीनी की वृद्धी ... १५ अन्स पुर्फ्सिर्इ ..... १ पैराट पानी टप्काया ऋश्वा ..... ७ पैराट

(पुफ् स्पिर्ट्) श्रीर पानी में रेक्ट चीनी की जड़ को डाल कर ञ्चाग के पास या धूप में चार रोज तक भिगाकर रखे तिस् पोक्टे इस् को छान कर रख कोडे. नाकि गाट वैठ जावे और निधरे क्रये (पुफ्सिरिइ) श्रीर पानी की उँड़ेल कर सुखाबे नाकि जो सन् कि इस् में मिला अश्वा है सा गाढ़ा होजावे.॥

लाटिन्।

श्रंयेजी।

एक द्राम्टम् सासी। एकाद्राक्ट श्राव् सासा पारिद्धा।

श्चर वी।

जीहरू न उश्वः।

हिन्दी।

सास्से का सन्।

सारमें की जड़ कत्नी की ऊर्ड २॥० पैगाड़ खीला पानी टप्काया ऊज्जा २ ग्याचन् पानी में सारमें की चै। वीस घरेंटे तक् भिगाके पकावे. जब कि जाधा पानी ज्वल् जावे. तब इस् के। छान कर सुखा लेवे. नाकि जी सन् इस् में

मिला ऋश्रा है सा गाढ़ा होजावे. ॥

चाठिन्।

अंग्रेज़ी।

स्वादाक्टम् स्द्राम्मोतिञ्चाई। स्वादाक्ट श्वाव धार्नस्पिन्।

> श्वरवी। जीहरी जीजुल् मासल्।

## 1 65 1

### हिन्दो।

# धतूरे का सत्।

. धत्रे के वीज़् ..... १५ श्रीना टएकाया ऋश्रा खीला पानी..... ८ पैराट

इत् दोनाँ को एक वर्तन् में डाल कर के श्वाग के पास चार घरटे तक् रखे वीज़ की पानी से निकाल कर पत्थर के खरल में कुन्न कर फिर इसी पानी में वीज़ डाल कर पकावे. जब कि श्रुधा पानी ज्वल् जावे. तव् इस् को छान के सुखा लेवे. नाकि जो सन् कि इस् में मिला क्वश्वा है सो गाण हो जावे॥

चाठिन्।

अंग्रेज़ी।

स्वरद्राक्टम् टेरावरासै। स्वरद्राक्ट आव् डाशिडलैस्भ्

डाग्डिनेस्न् को ताज़ी जड़ कुझी ऋई २॥० पै। ग्रह टण्काया ऋया खीला पानी · · २ ग्यानन् पानी में इस् जड़ की चै। वीस घग्टे तक भिगा कर पकावे. जाव कि आधा पानी ज्वल् जावे. तव् इस् को छान कर सुखावे. ताकि जो सन् कि इस् में मिला ऊक्आ है सो गाला होजावे.॥

लाटिन्। श्रंगेज़ी।

एक्सद्राक्टम् व्युवीश्रंभे। एक्सद्राक्ट ह्वाद्विवेरी।
ह्वाद्विवेरी कुन्नी क्वर्ड ..... २॥० पोगड

टएकाश्राक्वश्रा खील्वा पानी... २ ग्यानन्
पानी में इस की चैविस घगटे तक् भिगा कर
पकाने, जब कि श्राधा पानी ज्वल् जावे. तव् इस्
के। हान कर सुखावे. नाकि इस् में मिला क्वश्रा है सा गाढ़ा होजावे.॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

इन्फ्यूसा।

इन्फ्लिस्।

मुर्ने जिम् का वयान्।

जो चीज कि पानी में भिगाइ जाने. उस्तो उसी चोज का (इन्फ्यूजन्) श्रीर श्रुरवी में नक्श्र श्रीर फार्सी में खिसान्टः श्रीर हिन्दी में भिगाइ चीज कहते हैं।

## 1 62 1

इन्फार्सम् अन्धिमिडिस्।

इन्फाजन ञाव् क्यामे।मैल।

#### हिन्दी।

वावूने का फूल भिगाया उत्रश्रा। वावूने का फूल ..... ध टप्काञ्चा ऋञ्चा खोल्वा पानी ..... १ पैग्ट इन् दोनाँ का वर्तन् में डाल कर वन्द कर्के दश मिनट् याने दश दकी के नक् भिगा कर छान लेवें.॥

श्रयेजी। बाटिन्। इन्फ्यूसम् अमेशिसई कम्पेशिंड इन्फ्यूजन् श्राव् हासरेडिस्। काम्यासिटम्। हिन्दी।

सहजाने का खेसान्दः मिलाया उत्रश्चा। सहजना कला कीया ऋञ्चा · ९ श्रोन्स कुच्चा ऋश्वा राइ का वीज़् ..... १ श्रीन्स कम्पीगड स्पिर्ट आव हार्स } १ श्रीन्स टप्काया ऋश्वा सेला पानी .... १ पैराट वर्तन् में गई का वीज़ और सहज़ना की जड़ रख कर इस पर खीला ऊन्ना पानी डाने त्रीर

## । एह ।

वर्तन् को वन्द कर्के दे। घरहे तक् इन् चोजाँ को भिगा कर छाने और इस् छानी ऊर्ड चीज़ म (कम्पीगड़ स्पिरिट् आव हासरेडिश्) मिनावँ.॥

चाटिन्। इंग्रेज़ी। इन्फ्यूसम् श्रेशिन्स् श्राद् कम्पीण्ड इन्फ्यूजन् काम्पासिटम्। श्राव्श्रारञ्ज(पीन्)।

#### हिन्दी।

नारङ्गी के छिल्के का खेशान्दः मिलाया ऊञ्जा।
नारङ्गी का छिल्का सुखलाया ऊञ्जा ४ जाम
नेम्बू का नाज़ा छिल्का ... २ जाम्
कुज्जी ऊर्इ लीङ्ग ... १ जाम्
ठएकाया ऊञ्जा खीला पानी .... १ पैग्ठ
इन् सब चीजा को वर्तन् में वन्द कर्ज पाव घग्ठे
तक भिगाके छान् लेवें.॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

इन्फ्यूसम् कालम्बो। इन्फ्यूजन् श्राव्कालम्बा। कालम्बा । प्राम

टपकाया उत्रच्चा खीला पानी ..... १ पैग्ट वर्तन् में इन् दोनें। की वन्द कर्के दे। घारे नक् भिगा कर छान लेवें.॥

लाटिन्। श्रंगेज़ी। इन्फ्यूसम् कारिश्रोफिल्ली। इन्फ्यूशन् श्राव्क्रोडन। हिन्दी। •

नाङ्ग का खेशान्दः।

नुची ऊर्द नीङ्ग ..... ३ ड्राम
टण्काया ऊञ्जा खीला पानी ..... १ पैगट
इन् दोना को वर्तन् में वन्द कर्के दो घगटे तक्
भिगा कर छान लेंबें.॥

चाटिन्। श्रंगेजी। इन्फ्यूसम् कासकारिस्त्री। इन्फ्यूजन् श्राव् कास्कारेस्ता।

कुन्ने उत्ये कासकारे स्त्रा ..... १॥० श्रीन्सं टएकाया उत्तश्चा खीला पानी ... १ पैग्ट इन दोना को वर्तन् में वन्द ककी दो घराटे तक् भिगा कर खान खेवें.॥ साटिन् l

अंग्रेज़ी ।

काम्पासिटम्।

इन्फ्यूसम् काटिक्यू कम्पागड इन्फ्यूजन ञ्चाव काटिकाू।

हिन्दी।

कत्य का खेशान्दः मिलाया उइश्रा।

कत्यका का सन् वृक्ती की उन्हरं " ६ जाम् कुन्नो इहर् दार्चीनी •••• १ जाम् टण्काया ऋश्रा खीला पानी ... १ पैग्ट इन् सव चोजाँ को वर्तन में वन्द कर्ने एक घराटे तक भिगा कर छान लेवें.॥

ৰাহিন্।

अंग्रेज़ी।

इन्फ्यूसम् सिन्कोनी। इन्फ्यूजन् आव् सिन्कोना। श्चिन्कोना च्याने वार्क कुन्नो ऊर्द्र १ श्रीन्स खीला पानी टण्काया उडाश्वा " १ पैएट इन् दोना को वर्तन् में वन्द कर्ने छः घरछे तक् भिगा कर कान लेवें.॥

चाटिन्।

अंगेज़ी।

इन्प्यूसम् कस्पारिङ् । इन्प्यूजन् ञ्चाव कस्पारिञ्चा।

क् ज्ञी ऊर्ड कस्पारिञ्चा ..... ५ ज्ञाम्

टप्काया उज्ञ ज्ञा खीला पानी ..... ९ पैराट

इन् टोना को वर्नन् में वन्द कर्के दो घराटे

तक् भिगा कर कान लेवा।

बाटिन्।

अंग्रेज़ी।

इन्फ्यूसम् डिजिटालिस्। इन्फ्यूजन् आव् फाक्सम्बोव्।

डिज़िटानिस् की पितिया सुख के जाम निक्र कर ..... कार्ड कर ..... कार्ड कर काम कार्ड कर कार्य क

(डिज़िटालिस्) को वर्तन् में डालकर इस् पर् खैला पानी देकर वर्तन् को वन्द कर्के और चार घराटे तक भिगाकर छान लेवें. इस् छानी ऋई चीज़ में (स्पिरिष्ट आव् सिनामन्) मिलावे.॥ चाटिन्। श्रंगेजी।
इन्प्यसम् डैश्रस्भी। इन्प्यूजन् श्रान् वचू।
वचू ..... १ श्रीन्म
टण्काया इज्ञश्रा खीला पानी ..... १ पैग्ट
इन् दोना को वर्तन् में धाड़ा वन्द कर्भे चार्
धग्रे तक् भिगाकर छान चे व.॥

लाटिन्। अंग्रेजी।
इन्फ्यूसम् जिन्सिश्चानी कम्पीगड इन्फ्यूजन्
काम्पासिटम्। श्चाव् जिन्सिस्न्।
जिन्सिस्न् कला की ऊर्ड ..... २ ज्ञाम्
नारङ्गी की सुखलाया ऊश्चा हिल्का २ ज्ञाम्
नेम्बू का ताज़ा हिल्का .... ४ ज्ञाम्
ट प्काया ऊश्चा खीला पानी .... १ पैगट
इन् सव चीजाँ को वर्तन् में कट कके स्क
धिर तक् भिगाकर कान लेवँ.॥

चाटिन्। अंगेज़ी। इन्फ्यूसम् कामिरिइ। इन्फ् जन् आव राटैनी। राटैनी · · · · ९ श्रीन्स

## 1 808 1

टप्काया ऋश्वा खीला पानी ..... १ पैराट स्व वर्तन् में थोड़ा वन्द कर्के चार घराहे तक् भिगाकर छान चेवें.॥

चाटिन्। अंग्रेजी। इन्फ्यूसम् लैने काम्पासिटम्। कम्पीगड इन्फ्यूजन् आव् जिन्सीड।

हिन्दी ॥

नीसो के वीज का खेशान्दः।

दना कि आ नी की का बीज़ ..... ६ आम् मुलहरी कानी की कि इं ..... २ अम् टण्काया कि आ खीला पानी ..... १ पैग्ट इन् नीनाँ चीजाँ को वर्तन में बन्द कर्के आर आग के पास रख कर चार घगटे तक भिगाकर छान चेव.॥

खाटिन्। अंग्रेज़ी। इन्फ्यूसम् लुप्युलै। इन्फ्यूशन् आव हात्स। हात्स · · · · · ६ जाम्

## । १०५ ।

टप्काया जिल्ला खोला पानी ..... १ पेएट एक वर्तन् में घोड़ा वन्द कर्के चार घरहे तक् भिगा कर छान खेवें.॥

चाटिन्।

अयेजी।

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

इत्प्यूसम् क शिट्ट। इत्प्यू जन् आव काशिश्रा।
कीशिश्रा काली की उन्हर् .... ४० येन्
टएकाया उन्हर्शा खीला पानी ..... १ पैएट
इन् टोना की एक वर्तन् में वन्द्र कर्ने दो
घरहे तक् भिगा कर कान लेवें.॥

चाटिन्।

ं अंग्रेज़ी।

इम्फ्यूसम् रिचाई। इन्फ्यूशन् चाव् रूवाव।

## हिन्दी।

रेवन्द चिनी का खेशान्दः।

रेवन्द चीनी कत्बी की ऊर्ड ..... ३ डाम् टप्काया ऊड़ा खेला पानी ..... १ पैराट इन् दोना को वर्तन् में वन्द कर्क दो घराटे तक् भिगा कर कान लेवें.॥

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

इन्फ्यूसम् रोजी काम्पासिटम्। कम्णेगड इन्फ्यूशन् आव् रोजिङ्।

#### हिन्दी।

गुलाव के पूर्वा का खेशान्दः।
गुलाव के पखड़ियाँ सुखलाई ऊई ३ जाम्
डेल्टिड सल्फार्क श्रीसड्नापा १० जाम्
ऊया .....

टण्काया क्रञ्जा खै। सा पानी ... १ पैग्ट कांच के वर्तन् में गुचाव को पखिड़ियाँ पर पानी डाच कर इस् में (सब्क्यूरिक ज्वसिड) मिला कर इस घगटे तक भिगा कर इसेने ज्वीर इस् इंग्नी कई चीज़् में मिस्ती मिकावे.॥

चाटिन्।

श्रंयेज्ञा।

इत्प्यूसम् स्कोपारिश्वाई। इत्प्यूशन् श्वात् बुम।
बुम् ..... १ श्रीत्म
ट प्काया उत्श्वा सीला पानी ..... १ पैग्र स्क वर्तन् में थोड़ा बन्द कर्के चार घारे तक् भिगा कर कान लेवें.॥

बाटिन्।

श्रंयेज़ी।

इन्गृत्सम् से झी काम्पासिटम्। कम्पौगड इन्ग्रा्शन् आव् से झा

हिन्दी। सनाका खेसान्दः॥

सना ... १५ जाम्

शाँठ काला किया अश्वा .... ६० ग्रेन्
टएकाया अश्वा खीला पानी .... १ ग्रेग्ट
इन् चीडाँ को वर्तन् में वन्द कर्के एक घर्रटे
तक् भिगा कर छान लेवँ॥

• लाटिन्। श्रंगेज़ी।
इन्फ्स्म् संपेग्टारीई। इन्फ्यूशन् आव् संपेग्टिर।
संपेग्टिर .... ॥० अन्स
टप्काया ऊक्षा खीला पानी..... १ पैग्ट
एक वर्षन् में धोड़ा वन्द कर्के चार घग्टे तक्
भिगा कर बान चेवँ॥

सारित्। श्रंगेजी।
इत्प्यूस सैमारूवी। इत्प्यूश्न श्राव् सेमारूवा।
सैमारूवा कुन्नी कुन्न .... श्राम्
टिप्काया कश्रा खीला पानी ..... १ पेस्ट इत् देनिंग को वर्तन् म वन्द कर्के दो घराटे तक् भेगा कर सान सेवा। साटिन्।

अंग्रेजी।

इत्रक्षृंसम्बेलिरिश्वानी । इत्रक्ष्यम् श्वाव् बेलिरिश्वन्।

वैचिरिश्चन् .....

टण्काया ऋश्वा खाला पानी ..... १ पैएट

इन् दोना को वर्तन् में वन्द कर्के आधा घरहे तक भिगा कर छान लेवें. ॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

बिनिमेग्टा।

चित्रीमेग्छ।

मुतं जिम् का वयान्।

जो दवायें कि मखें के लिये वन्ती हैं उन् की अंग्रेज़ो जवान् में (चिनीमेग्ट) कहते हैं।

लाटिन।

श्रंयेजि।

नितमे एटम् इ क् जिनिष् । निनीमे एट श्राव् वर्दि योस्।

जङ्गार वुक्री किया ऋशा ..... ९ श्रीन्स

सिकी नापा उज्ज्ञा ..... 🤏 श्रीना

साण किया क्रशा शहर ..... १४ श्रीन्स सिके में अक्रार की घोल कर कएडे. से खाँन के इस म थोड़ा घोड़ा शहर डाल कर मिलावे. श्रीर इन तीनो चीजाँ को श्रीच कर्क जैसा कि चाहिये वैसा गाढ़ा कर्क जतार लेवें.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

लिनिमेख्म अमोनिई। लिनीमेख् आव् अमोनिया।
सेख्यन् आव् अमोनिया नापा क्रआ १ श्रोन्म
जलपाई का तेल नापा क्रआ १ श्रोन्म
इन् दोनाँ को मिला कर असी तरह हिलावे.
ताकि ए दोनाँ खूव मिल जावें.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

चितिमेर्ग्छम् अस्मोतिई- चितिमेर्ग्छ आव् सेखाइ-सेखाइ कार्वाताटिस्। कार्वाते इश्वाव अस्मोतिया।

सोल्यान् आव् सेस्कृड् कावीनेह?

९ श्रीन्स

जनपाई का तेल ..... इ च्रीन्स इन् दोना को मिला कर च्रकी तरह हिलावे. जब तक् खूब न मिल जावे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
चितिमेग्टम् काम्फोरी। काम्फर चितिमेग्ट।
कापूर्..... १ श्रीन्स
जन्पाई का तेन नापा उत्रश्रा ..... ४ श्रीन्स
तेन में काफूर की गनाय कर रख होडे.॥

लाटिन्। अंग्रेजी।
लिनिमेराटम् काम्फोरी- कम्पीसंड काम्फरकाम्पासिटम्। लेनिमेराट।
काफ्रू प्राप् आव् अम्प्रोनिया) अ। जीन्स
नापा उत्त आव् अम्प्रोनिया) अ। जीन्स
नापा उत्त आव् लेनिसंडर प्राप् परिष्ट
काच ने देग (में सी लूशन् आव् अम्प्रोनिया) श्रीर

### । ११२ ।

स्थिरिह को मिना कर धीमी बाँच से टएकाने. श्रीर इस में काफूर को गना कर रख छोडे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।

चितिमेग्टम् हेट्रार्जिरे- कम्पोग्ड मर्का रीकाम्पासिटम्। एचितिनेमेग्ट।

गाणा पारे का मरहम् ४ श्रीन्स्
साप् की उन्हें चर्वी ... ४ श्रीन्स्
कापर् ... १ श्रीन्स्
रिक्टिफेड स्थिरिट् श्राव् वेन् ... १ श्रीन्स्
सोच्यानस्य श्रम्भोनियानापा १ श्रीनस्

पहले काफूर पर (स्पिरिट आव वैन्) डाल कर खरल में रगडे. और इस के बाद पाग के मर हम में इस् रगडे. अध्ये काफूर को घाँट के चर्वी में मिलाबे. और इस् मिलाई अर्ड चीज में (सोलूशन् आव अम्मोनिया) थोड़ा थोड़ा डाल कर मिलावे. ॥

## । १९३ ।

अंग्रेजी। चाटिन। लिनिमेराटम् ब्रोपिकाई। लिनिमेराट बाव् ब्रोपिक्रम्। सोप नितीमेग्हं नापा ऋश्वा .... ६ श्रीन्स टिन्कर्ग् अव श्रीपश्रम् याने र श्रीन्स चाडेनम् 🗠 इन् दोना का मिलाव.॥ इंग्रेजी। चाटिन्। • चिनिमेग्टम् सापानिस्। सोप् चिनिमेग्ट। ..... ३ ड्रीत्स मावन … •••• १ द्वाना \*\*\*\* काफूर … स्पिर्ट में काफूर को घोल कर सावुन को इस् में डाच कर जब तक की सतुन न गच जावे. तव तक वालू के जनार में रख कर द्वांच करें र्हेंग। श्रंगेंजी। चाटिन्। लिनिमेर्यम् टेरीविश्विनी। लिनिमेर्यः श्वाव् टेर्परहेन्। नर्म सावुन .....

# । १९४ ।

का पूर र र के बीन्स श्राह्ल श्रात् टेपेंग्टैन् नापा क्रश्रा ९५ श्रीन्स इन् तं.नां को एक साथ मिलावे. श्रीर हिलाते रह तांक खूव मिल जावे.॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

मेद्धिटा।

प्रोपारेसन्स ञ्चाव हती।

हिन्दी।

वे. चीजे. को शहर से वनाई जातीहै।

चाटिन्।

अंग्रेजी।

मेन डिस्पुमेटम्।

क्रारिफेंड् इनी।

हिन्दी।

राफ किया उड्डा शहर्।

पानी के जन्तर की आँच से शहद को पकावे. और जो फ़ोन कि ईस् पर आवे. उस् को उतार कर फैँक दे हैं॥

## ं। १९५ ।

चाठिन्। मेच .वे। ग्रसिस्। अंग्रेज़ी।

इनी ञ्चाव् वे। गक्स।

• हिन्दी।

सोहागा श्वीर शहर मिलाया क्रश्रा। सोहागा बुक्री किया क्रश्रा ..... १ श्रीम् साफ किया क्रश्रा शहर ...... १ श्रीन्स इन् टोना की मिलावँ॥

चाटिन्। मेल रोज़ी। इंग्रेज़ी। ह्नी खाव्रीज़ी

#### हिन्दी।

पकाया उत्रञ्चा गुलाव का पूरल पानी श्रीर शहर में।
सुखलाई उत्रई गुलाव का प्रविद्धिंग ४ श्रीन्स्
खी ता उत्रञ्चा पानी ..... २॥ पैराट
शहर साफ किया उत्रञ्चा ..... ५ पैगाड

खेल किये पानी में गुलाव का पखड़ियाँ की कः हगर तक भिगा कर धाने श्रीर इस बाने क्रिये पानी में शहद की मिला कर पानी के जन्तर की श्रीब से जब तक कि गाला न हो जावे तव तक श्रीहसीं शहसों पकावें।

## । ११६ ।

श्रंयेजी। साटिन्। श्चाक्रिमेन्। ञ्जाक्सिमेल्। अवी। सिङ्कजवीत्। शहर साफ़ किया क्रञ्जा श्वसिटिक् श्वसिड् … शहद के। गर्भ कर्ज अधिड् में मिलावें.। चाठिन् । अंग्रेजी। ञ्चाक्सीमन् सिद्धी। ञ्चाक्सीमेल ञ्चाव् स्कृइल्। हिन्दो। पकाटा ऊष्टा कन्दरा श्रीर शहर। साफ् किया ऋञा शहर ... 😁 ঽ पै। एड विनीगर श्राव स्कुड्ल खाने भिगा } १॥० पैगर काच के वर्तन्म इन् टोनाँ को डाल अव तक गाए। न हो जावे, तव वक् धीमी अँच से पकावं ॥ इंग्रेजी। चः टिन्। मिटास्निक् प्रिपारेसन्स। मिटा चिका।

हिन्दी।

वे चो जें कि धात से हासिन होती हैं॥

.

चाटिन्। अंग्रेजी।

प्रीपेगटा एक्स अनुमिनिञ्चा। प्रीपारेसम्स प्राम्
श्रेषेगटा एक्स अनुमिनिञ्चा। अनुमिनिएम्।

चाटिन्। इंग्रेजी।

अनुमिन एकाद्रेक्टम्। उँदुड अनम्।

हिन्दी।

जलाई ऊई फिट्किरी।

मिट्टांके वर्तन् में फिल्किरी को रख कर आग् पर ज्वलावे. श्रीर सेवाय श्राच देवे. जव कि वृख्तुला उठना मैं कूफ् होजावे. तव उतार लेवें.॥

लाटिन्। श्रंयेज्ञी। लैकार श्रनुमितिस काम्पासिटम्। कम्पीगड सेल्शन् श्राव् श्रलम्।

फिह्किरी ..... १ श्रीन्स सुरुफेट श्राव जिङ्क थ्याने वैट- १ श्रीन्स विद्रिश्रन् ..... १ श्रीन्स खिला क्रश्रा पानी ..... ३ पैग्र फिह्किरो श्रीर (सन्फेट् आव जिङ्क) को पानी में गला कर कागज् में झान ले हैं॥

#### । ११८ ।

चाटिन्। अंग्रेजी। प्रीपेराटा एक्स अशिष्टमोनिको। प्रीपेरेसन्स जाव अग्रिमानी। हिन्दी। वे चीज कि सुमी से हासिल होती हैं। चारिन्। श्रारिमानिश्राद श्राविस- श्रवसे सल्पारेट श्राव-श्रिग्रमानी। सल्फारेटम्। सेम्बद सन्प्रयूरेट आव अग्रि) मानी व्याने सुम्भा वृक्ती का ऊई सीलूशन् अव पीटान् ····· **२ ग्या**लन् पानी टप्काया ऊश डैन्टिड सल्क्यूरिक् असिड जिन्ना टकीर होते। (सेस्कड सन्ध्यारेट आव अधिरमोनी) और (सोनू शन् श्राव पोटास) श्रीर प नी इन् तीना को मिला कर दो घरहे तक धीमी श्रांच से पका कर श्रीर वार वार चलाय कर थे। डा थाडा टप्काया पानी डाचे कि जिला पानी पहले दिया गया उतनही

वर्गवर रहे तव कपडे. में छात लेवें. चीर इसी

कानी कह ची है में वून्द वून्द (डेन्टिड् सल्क्यारिक्

#### । ४०% ।

श्रीतः । डालते रहे जव तक् कि पानी से कोई चीज नलक्ष्ट को तरह जुटा होकर वैठ न जावे. इस के वाट इसी तलक्ष्ट को पानी से धोवे. ताकें जो (सन्फेंट् श्राव् पोटास) इस चीज़ में रह गश्रा है सो पानो में गल जावे. यह पानी फेंक कर तलक्ष्ट को धीमो श्रांच से सुखावे. ॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

अंग्रिमानी आई पाटासिये - पाटासिये टाई इश्वाव टाई।स्। अग्रिमोनी।

सेखुइ मल्फार्ट् आव् श्रीएमोती । २ पे। गड

मेश ... २ पंगड बैटाइेंट् शान गोटास ..... १४ श्रेन्स हैहाक्रोरिक श्रेस्ड नापा क्रश्रा ... ४ श्रेन्स पीती टएकाया क्रश्रा ... १ ग्यालन्

(सेलुइ सल्पूरे इश्वाव श्रारमोनी) को सारा के साथ खूव मिलाय कर (हैंद्रोक्कोरिक श्रिसंड) डाल कर मिलाया ऊश्वा बुक्रों की लोहे के पन पर विद्या कर फूक देते. ज्वलाने के वाद को चीज़ रह जावे. उस को वारीक वुक्रों करें और जव ठगढ़ा होजावे तव खेला पानी से खूब धोबे कि मजा कुछ न रहें यह वुक्रों को (वैटाई इ श्वाव् पोटास) के साथ मिलाय कर एक ग्यालन टपकाया जिश्रा पानों में श्वाधे धगरे तक पक वे श्वार जव गर्म रहें तब छान लेवें, श्वार एक किनारे में रख देवे. कि कल्में बन्धे इन कल्मीया को उतार लेवें श्वार सुखा लेवें, फिर जो पानी से कल्मिया वन्धे उस को ज्वलावे. कि श्वार कल्में वन्धे॥

लाटिन्। श्रंये ती। वैनम् श्राग्टमोनीश्राई- वैन् श्राव् पोटास्तिश्रो-पोटासिश्रो टाईटिस्। टाईट् श्राव् श्राग्टमोनी। पोटासिश्रो टाईट् श्राव् श्राग्टमोनी ४० ग्रेन्। शेरी वैन् .... १ पैग्ट वैन में (पोटासिश्रो टाईट् श्राव् श्राग्टमोनी) को गलावे॥ चाटिन्।

इंग्रेसी।

पिल्लम् अग्रिमोनी आई- कम्पे।गड पाडर् आव्-

सेस्कुड् सल्फ्यूरेड् ञ्चाव् ञ्चाग्रिमोनी १ पै।गड़ हिर्न के सीङ्घ को छीलन् ..... २ पै।गड

इन् दोना को मिलावे. श्रीर एक घरिया को श्राग पर रखे जब वह सुफ़ख् होजावे. तब इस् में इस् मिलाइ ऊंड चीज को डाल कर बार वार चलाते रहे जब धूशा मीकूफ़ होजावे. तब घरिया की श्रीच से उतार लेवें. श्रीर जो चीज कि घरिया में रह जावे. उस् को वृक्ती कर्के श्रीर एक घरिया में भर कर श्रीच धीरे धीरे वढ़ाते रहे ताकि दो घराठे नक् घरिया सुक्ख रहे इस् के वार जो चीज् रह जावे. उस्की वारीक वृक्ती कर लेवें.॥

> | चाटिन् ।

ञ्जंगेजी।

प्रोपेसटा सक्त अर्जिस्हा। प्रीपारेसन्स आव् सिल्वर। हिन्दी।

वे. चीजें कि चान्दी से हासिल होती हैं।

## । ९३२ ।

साटित्। ज्ञार्जेग्रै नैद्रास्। श्रंय जी।

नैद्रेट ञ्चाव् सिख्बर। जूनर काष्टिक्

चान्हो ..... १॥० श्रीन्स नैद्रिक् श्रिक्द नापा ऊश्रा ... १ श्रीन्स टप्काया ऊश्रा पानी ..... २ श्रीन्स

पानी में नैदिन श्रिसड् को मिलाने श्रीर इस् में चान्दी डाल कर वालूके जन्तर पर रखे धीरे धीरे श्रांच वढाने रहें ताकि (नैट्रेट श्राव् सिलार) जो इस्से वन जाता है गीला न रहे इस् चीज् वे। एक घरिया में रखे श्रीर धीमी श्रांच करते रहे नाकि यह गल जाने. श्रीर इस् का पानी निकल जाने, जब वुल्लुला वन्द होजाने, तब तुरना साँचे में डाल कर विज्ञां वनावें.॥

चाटिन्। श्रंथेज़ी। चैकार श्रांजिंग्हें नैद्रेटिस्। सोन्शन् श्राव् नैहें इ श्राव् सिच्चर।

नैदेह आव् सिख्तर ... १ जाम् पानी टप्काया ऊआ ..... १ औन्स पानी में (नैदेह आव सिख्तर) को गला कर छान

## । ९२इ ।

. लेवँ श्रीर एक श्रच्छी ठेपीटार शीशे मेँ वन्द करें श्रन्धियारा मेँ रखे॥

बाटिन्। अंग्रेज़ी। प्रीपेगटा एक्स आर्हेनिको। प्रीपारेसन्स आव् आर्सेनिक् वे. चीजें कि संखिया से हासिन होती हैं।

काटिन्। अये शी। बैकार पाटासा आर्चिनिटिस्। बाल्शन् आव अर्सेने इ आव् पाटास्।

असिंनिश्वस्यसिड्घ्याने संख्या । ८० येन पोशी कई ... ..... ५० येन कार्वेनिस् श्वाव् पोटास् ... ८० येन कम्पीगड टिन्कट्यूर आव लेवे गडर नापा ऊआ ..... भ आम् पानी टप्काया ऊआ ..... १ पैगट

काँच को वर्तन् में (श्राक्षीनिश्चस श्रासड्) श्रीर पोटास् को डांच कर श्राधे पैग्ट पानी में पकावे कि जब दोनो गच जावे. श्रीर जब कि यह मिलाई उन्हें की उग्ही होजावे. नव इस् में (कम्पीग्ड टिन्कट्यूर श्राव् जेवेग्डर) को मिला कर इला टिग्कट्यूर श्राव्

चाटित्। श्रंथित्। श्रंथित्। प्रीपारेसन्स श्राव् वेरिश्रम्।

चाटिन्। श्रंथेजी।
वारिश्वाई क्वारिडम्। क्वारेड श्राव् विरिश्वम्।
काविनिट् श्राव् वारेट जापोकी क्वर् १० श्रीन्म्
हैद्रोक्को रिक् श्रसिड् ..... ॥० पैग्रंट
टप्काश्वा क्वश्र पानी ..... २ पैग्रंट
पानी में श्रसिड को मिलावे. श्रीर इसी म

#### । १२५ ।

(कार्वे नेट् श्राव् वारेटीज्) को घोड़ा घेड़ा कर्के डाने श्रीए खाँच देवे कि जव खवान वन्द होत. तव छान कर मिलावे. कि कल्मे वन्धे॥

चाटिन्। अंग्रेजी। चैकार वरिश्वाई क्रोरिडे। सोलूसन् श्वाव्क्रोरेड् श्वाव्वेरिश्वम्।

क्रोरैड श्वाव वेरिश्वम् ..... १ द्वाम् ट.प्काया उहाश्वा पानी ..... १ श्वीन्स पानी में (क्रोरैड श्वाव वेरिश्वम्) के। गला कर हान लेवें ॥

चाटिन्। श्रेयोजी। प्रीपेगटम् इविसाधी। प्रीपारेसन्स् श्रुव्विसाध्।

। लाटिन। श्रंगेज़ी। विस्मय दिस्नैद्राम्। दिस्नैद्रेट् श्राव् विस्मय। विस्मय ..... १ श्रीन्म नैदिक श्रसिड् नापा क्रश्रा ..... १॥० श्रीन्स

## । १२६ ।

टण्काया ऋश्वा पानी " इसे पैग्ट (नैड्रिक् श्विस्ड्) को एक श्वीन्स् पानी में मिला कर ईसमें (विस्मध्) डाल कर गलावे. श्वीर (सेल्यान्) को निधा लेने श्वीर जो पानी वानों रहा है उस को इस चीज में मिला कर रख् छोडे, जव का तल्छह वैठ जावे. तव पानी को एल्ला कर इस् तल्छह को जिस् को (द्रिस्नैट्रेट् श्वाव् विस्मध्) कहलाना है टण्काये. ऊये. पानी से धो कर हल्ली गर्मी से सुखा लेवें.॥

बाटिन्। श्रंगेजी।
प्रीपेगटा इ क्यांकसिश्चा। प्रीपारं सन्स आव् क्यांकसियम्।
जाटिन्। श्रंगेजी।
क्यांबवस्। स्त्री।
इता।
खड़ीमिट्टीः
चूना।

इस् कोटे छोटे ट्कडे. कर्ने एक घर्रे तक् तेज्

#### । १२७ ।

लाटिन्। लैकोर क्याल्सिस्। अंग्रेजी।

नैम् वःटर।

हिन्दी ॥

पानी में गलाया ऋषा चूना।

चूना .....

..... ॥० चै।गड

टण्काया ज्ञञ्जा पानी

••••• १२ पैस्ट

पहले चूने पर थोड़ा पानी डाल कर वुजा लेवे.

तव की पानी डाल कर दोना की हिलावे. श्रीर
वर्तन को छाक कर तीन घर्छ तक रख छोडे.

फिर इस के बाद एक शीशे में उँड़ेल लेवे.

श्रीर शीशे की काँच की छेपी से वन्द कके रख
छोडें. जब कि ए दबा दकीर होंगे. तब निधा

कश्रा पानी इससे ले लेवें.॥

चाटिन्।

अयेजी।

क्यान्सिञ्चाई क्वोरिडम्। क्वोरैड ञ्चाव् क्यान्सियम्। खड़ीमिट्टी ... ५ ञ्चोन्स

## । १२८ ।

स्ट्रेश क्रोरिक असिड्··· ॥० पैग्र टण्काया ऋश्रा पानी ···· ॥० पैग्र

पानी में (हैंद्रों क्रोरिक् असिड) के मिनावे. और इस्ती में थे ड़ा थो ड़ा खड़ी मिट्टी डान ते रहें जब उवान मैं किए होजावे. तब छान ले वें. फिर पानी की उचनावे. यहाँ तक कि वह स्तरत जाते. वाद इस् की कुठानी में रख कर आग पर पिञ्चावे. फिर उतार कर साफ सिन पर फैलावे, जब ठखा हो जावे. तब टुकडे. टुकडे. ककी वर्तन् में भरको रख छोडे.॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

लेकार काल्सिञ्चाई - सोलूशन् ञ्चाव् क्रोरेड क्रोरिडे। ञ्चाव् क्याल्सियम्।

क्रोरेड श्राव् क्याब्सियम् ..... ४ श्रीन्स् टएकाया ऋश्रा पानी ..... १२ श्रीन्स्

(क्रोरेड श्राव् क्यान्स्यम्) का पानी में गलावे. श्रीर् कान लेवें.॥

## । ४५% ।

चाटिन्।

अंग्रेजी।

न्यान्बर क्लोरिनाटा।

क्वोरिनेटेड् बैम्।

हैंद्रेट् श्राव कीम् ..... १ पै। ग्रांड

क्रोरैन् जिला जरूर होवे.।

चूने को अच्छे वर्तन् में फैला कर (क्लोरैन्) को ईस्री पर कि जिता ईस्रो मिल सके उता चलावे। जव (वैनाविग्ड आव् माङ्गेनीज्) को (हैंद्रोक्कोरिक् असिड्) के साथ धीमी आँच से पकावे. तव (क्लोरेन्) वक्रत् श्राहानो से निकला है॥

चाटिन्। कीटा प्रीपेशटा। अंग्रेजी।

प्रोपेरेड् चाक्।

हिन्दी।

साफ् की उन्नइ खिड़िमही।

खड़ोमिट्टी .....

पानी जिला जरूर होते.।

थोड़ा सा पानी खड़ी मिट्टी पर डाल कर वारीक कर लेवे. श्रीर एक बडे. वर्तन् में पानी भर कर इस्को डाले वार वार चलाते रहे थोड़ा असी में पानी ठल्काय लेवें. श्रीर निराला में रखे नाकि खड़ी मिट्टी की वृक्ती नीचे हैठ जावे. इस के वाद पानी के ठल्का कर वृक्ती को सुखाय लेवें.॥

**बाटिन्।** 

अंग्रेज़ी।

प्रीपेशटा इ कापूरो। प्रीपारेसन्स आव् काष्पर। हिन्दी।

वे चीजें कि नाम्बे से हासिल् होती हैं।

चाटिन्।

ञ्चंयेजी ।

कुप्रै अम्मोनिश्चे सल्पास्। अम्मोनिश्चे सल्पेट् आव् काप्पर्।

सरफेट आव काणर काने त्तिया १ आन्स सेखाई कार्वाने ह आव अम्मीनिआ १२ अम् इन दोना को मिलावे. जब तक कि (कार्वानिक असिड्) का उवाल आवे. तब तक खरल करें रहे और अवल मीकूफ् होने के वाद इस चीज को कि जिस्को (अम्मोनिश्रो सल्फेट् आव काणर) कहते

## । १इ९ ।

है जाजिव कागज में लपेट कर हवा म सुखा कर रख ले वें.॥ ञ्जंयेजी। चाटिन्। वैकार कुप्रै अमोनियो- सोनूशन् याव् अमोनियो-सल्फाटिस । सल्पोइ डाव काप्पर। अमोनिया सन्फेट् आव काप्पर ... १ जाम् पानी टप्काया ऋञ्चा ... १ पैग्र पानी में (अमीनिया सन्फेट याव काप्पर) को गना कर धान के रख चेवें.॥ अंग्रेजी। चाटिन्। प्रीपेराटा इ फोरी। प्रीपारेसन्स आव् सर्रन्। हिन्टी । वे. चीजें कि लोहे से हासिल होती हैं। अंग्रेजी। चाटिन्। फेंदि सल्फास्। सहफोट श्राव सरैरन्। हिन्दी।

कासीस। लोहचूर ..... ५ श्रीन्स सल्फ्यूरिक् श्रसिड् बोला ऋश्रा ९४ श्रीन्स पानी ••• •••• ४ पैग्ट

काँच के वर्तन में पहले (सल्प्युरिक असिड्) और पानी की मिला कर लोहे को डाले और आँच देवे. जव वुल्बुला उठ्ना में कूफ हो जावे. नव काँन लेवें. और इस काँनी उन्हें चीज को निरुले में रखें कि कल्मे वन्धे फिर पानी को उल्ला कर कलेंमा को निकाल लेवें. और इस उल्लाया उन्ना पानी को उचलावे. कि और कल्मे वन्धे इन सव कलेंमा को सुखा लेवें.॥

काटिन्। श्रंथेज़ी।

परें सेल्ड् श्रव्यान सेल्ड् श्रव्येड श्राव्येदन।

सक्पेट् श्राव्येदन्याने कासीस अपीगड

कावानेट् श्राव्येडां अपीगड र श्रान्म
खीला क्रश्रा पानी अपान स्मान्न
(सक्पेट् श्राव्येदन्) श्रीर (कावेदनेट् श्राव्येडा)

हर एक की श्रव्या श्रव्या तीन कीन ग्यावन् पानी

मँगवा कर मिलाके रख होडे. जव तलहर इस्

मँ वैठ जावे. तब पानी छल्का कर तलहर को कि

जिस को (सेस्कुइ आक्रेंड आव़ सें। न्) कहने हैं पानी से धेकर सुखा लेवें.॥

लाहिन। अंग्रेजी।

हिन्तरधूर परे सेस्लुइ- हिन्तरधूर आव सेस्लुइक्रोरिडे। क्रोरेड आव सेर्न्।

सेस्लुइ आक्रीड आव सेर्न् ः ६ क्रोन्स
हेद्रोक्कोरिक असिड ः ः १ धैरह
हित्रक्रोरिक असिड ः १ धैरह
हित्रक्रोरिक आसिड ः १ धैरह
कांच के शीशे में (हेद्राक्रोरिक असिड) को (सेस्लुइ
आक्रीड आव सेर्न्) पर डाले क्रीर तीन दिन
तक रख क्रोडे. क्रीर दिन भर में कई सक वार
शीशे के। हिलाया करे फिर इस में (रिक्टिफैड
स्पिरिइ आव वैन्) डाल कर कांन लेवें.॥

चाटिन्। श्रंग्रेजी।

पोरे पोटासिश्रे टार्ट्स् आव्

स्रेन्।

सेस्कड् श्राक्तेड श्राव् स्रेन्न ः इ श्रेष्स हेद्राक्रोरिक् श्रस्ड ः ॥॰ पैरह सोल्शन् श्वाव पोटास् ..... ४॥० पैगर य्या जित्वा दकीर होते वैटाई इश्वाव पोटास् ..... ११॥० श्वीन्स सोल्शन् श्वाव संस्कुद्द कार्वीनेह । पैगर श्वाव श्वम्योनिश्वा ..... पेगर य्या जित्वा दकीर होते.

पानी टप्काया जिश्रा असिड में (सेन्सुइ आक्सैड आव् सेरन्) की मिला कर वालूके जन्तर पर दो घरे तक रखे और इसी म दो ग्यालन् पानी डाल कर एक घरछे तक निग्नों में रखे और एक घरारे के वाट पानी ठल्कावे. फिर (से लूशन् श्राव् पे टास ) डाले श्रीर जो चीज् तलक्ट होवे उस् को पानी में वार वार धोवे. श्रीर जद गीना रहे नद (वैटार्डेट् श्राव पोटास्) पेस्तर एक ग्याचन् पानी में मिलाय कर पकावे. अगर यह चीज् ( जितमस कागज् ) के पर्कृते से कुछ मालूम होवे. तो (सोलूशन् श्राव् संस्कुइ कविनिष्ट जाव जम्मोनिजा) डाली रहे जव तक् उवाल न चावे. फिर छान लेवें. चौर धीमी बाँच से उचला लेवें. कि यह चीज सूखा रहें॥

अंग्रेज़ी। चाटिन्। फेरे अम्मोनिको क्रोरिडम्। अम्मोनिको क्रोरेड् ञ्चाव् स्रेरन्। सेस्कुइ आक्रीड आव सेरन ... ३ आना हैद्रोक्नोरिक् श्रसिड् ..... ॥० पैग्ट हैहोक्कोरैंट ञ्चाव अम्मोनिञ्चा । भा॰ पैग्रह एक अच्छा वर्तन् में (हैद्रोक्कोरिक् असिड्) श्रीर (संस्कुड् श्वाक्रीड श्वाव् स्रेरन्) की मिलाय कर दो घराटे तक वानू के जन्तर पर रखे फिर टप्काया ऋशा पानी में नैसादर को गलाय कर इस्सी में मिलावे. और छान कर सुखा लेवें, और जो स्ता चीज्रह जावे. उस्रो को वृक्ती करे॥ लाटिन। अंग्रेजि ।

टिन्कट्यूर फोरे अम्यो- टिन्कट्यूर आव् अम्योनियो नियो क्रोरिडे। क्रोरेड् आव् सेरन्। अम्योनियो क्रोरेड् आव् सेरन् ... ४ ब्रान्स पुफ्सिरिइ ...

• १ पैसट

पुफ् स्विरिट में (श्रम्भोनिश्रो क्रोरेड श्राव् सेरन्) को गला कर छान लेवें.॥

चाटिन्।

ञ्जंयेजी।

णिर सेवाडेडम्। सेवाडेड् श्राव् सरेन्। सेवाडेन् ..... ६ श्रीन्स सेर न्फेलीस व्याने लोहाचूर .... २ श्रीन्स पानी टपकाया ज्ञश्रा ..... ४॥० पैराट

चार पैग्रह पानी में (सैवोडेन) को मिलावे. श्रीर इसी में लोहा चूर डाल कर वालू के जन्तर पर श्रीच देवें. श्रीर जाव हरा रङ्गत हो जावे. तव उस्का लेवें श्रीर जो चीज नीचे रह गया है वाकी श्राधा पैग्रह पानी में ख़ीला कर धो लेवें. फिर ईन दोना पानिया को कि उस्काया अश्रा है श्रीर जो धाया अश्रा है इने श्रीच में कि अस की गमी दो सी वारह दर्ज से स्वाय नही

## । १३७ ।

लोहे के वर्तन् में सुखलावे, श्रीर एक ठेपीटार शीशे में वन्द कर्के श्रन्धियारे में रखे॥

लाटिन्। ञ्चंयेज़ी। प्रीपेगटा एक्स हैद्राजिरो। प्रीपारेसन्स ञ्चाव् मक्यूरी। हिन्दी।

वे. चीज कि पारे से हासिन् होती हैं।

लाटिन्। अंग्रेजी।
हैद्राजिरम् कम् कीटा। मक्यूरो विध चाक्।
हिन्दी।

खड़ी मिट्टी और पारा मिलाया उहा ।

पारा तोला उहाआ ... ... ३ औन्स

साफ्की उहाई खड़ी मिट्टी .... ५ औन्स

इन् दोना को मिलाकर जब तक कि पारे के

रवे देखाई देवे तब तक खरल की रहै॥

चाठिन्। इंग्रेज़ी। हैंद्राजिरे वैक्कोरिडम । वैक्कोरेड आव् मर्क्री। पार ने। जिल्ला कि आ .... २ पे। गड

चल्क्यूरिक् असिड् ने ला ऋशा ... इ पै। गड सुखलाया ज्ञञ्जा नमक ···· १॥• पै।ग्ड (सल्प्यूरिक् अधिड्) श्रीर पारे की काँच के वर्तन् में पकावे. श्रीर जव कि इस् के पकाने से एक गाढ़ी चीज हासिन होती है कि उस् को (वैपर सन्फेंट् श्वाव् मक्री) कहते हैं सूख जावे. तव् उस चीज् को ठगढ़े होने के वाद पत्थर के खरल में नमक के साथ खूव पीस के काँच के वर्तन् में डाच कर द्रीर ट्रस्स काँच का वर्तन द्रीधा कर वन्द कर्वे पहले धीमी अँ।च देवे. फिर आहिस्ते आहिस्ते उसी धीमी शाच को कुछ् कुछ् जियादः करे ताकि उपर के वर्तन् में एक चोज् उड़ कर चिमट् जाय यह चीज् (वैक्वारैंड आव् मक्रूरी) है श्रीर यह चीज रसकपूर कोसी है लेकिन रसकपूर से बक्तत तेज है।

साटिन्। इंग्रेज़ी। लेकार सेहार्जिरे- सोलूशन् आव वेक्कोरेड्-वेक्कोरिडे। आव् मर्कारी। वेक्कोरेड् आव् मर्कारी ... .... १० ग्रेन

## । ९३७ ।

है हो को रेट आव अम्मोनिया ... १० ग्रेन् पानो टप्काया उहा ..... १ पैग्र इन् दोना को पानो में गलावे.।

लाटिन्। श्रंथेज़ी। हैद्रार्अरे क्रोरिडम्। क्रोरेड श्राव् मर्कूरी। क्यालोमेन्।

पारा तो ला ऊश्रा .... ४ गी गड सन्पर्श्तक् श्रसिड् तो ला ऊश्रा ... ३ पै। गड़ क्रोरेड् श्राव् से डिश्रम् य्याने नमक् १॥० पै। गड़ पानी टएकाया ऊश्रा जिल्ला दकीर होते.।

दो शैगड पारा (सल्फ्यूरिक श्रीसड़) में इतो देर तक पकावे कि जित्ने में (वैपर सल्फेट्ट श्राव मक्यूरी) वन कर खुरल जावे ठएढा होने के बाद बाकी दो धैगड पारे के साथ मिट्टी के खरल में डाल कर श्रच्छी तरह मीस कर मिलावे. श्रीर इस् में नमक डाल कर फिर इन सब की खरल में डाल कर जव तक कि पारे के रवे दिखाई देवे, तव तक् पोसते रहे इस् के बाद खड़ावे. श्री जो चीज खड़ाया ऊश्रा मिले खस्को बारोक वृक्ती कर्के खीला ऊश्रा टण्काया पानी में श्रच्छी नरह से धोवे. श्रीर सुखनाय कर रख होडे.॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

हैहार्जिरे अम्मोनिको- अम्मोनिको क्रोरेड् कार्-

क्रोरिडम्।

मक्री।

वैक्रोरैड आव् मक्यूरी ..... ६ श्रेन्स पानी टएकाया ऊड्या ..... ६ पैराह सोलूशन आव् अम्मोनिश्चा ..... ८ श्रेन्स

पानी में (क्नोरेंड आव मक्री) के। आँ से में गलावे. और इस् में जव ठराढ़ा होजावे. तब (सोल्शन आव अमोनिया) डाल कर वार वार वार चलाते रहे और जो चीज तलकह की तरह बैठ जावे. उस्को पानी में धोवे. कि जब तक मज़ा न रहे फिर सुखा लेंबें.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

हेंद्राजिरे श्वांक्राडम्। श्वांकरेंड श्वांव मक्यूरी।
ब्राहेड् श्वांव मक्यूरी य्याने क्यांकोमेल् १ श्वांन्स
कीम् वाटर् य्याने चूने का पानी ... १ ग्यांकन्
इन् दोनाँ मिलाय कर वार दार हिलावे श्वार
निराले में रख देवे श्वार जव (श्वांकरेड श्वांव मक्यूरी)
नक्ष्ट् होवे नव पानी में धोवे. कि कृष्ट खारी
वाकी न रहे श्वार जाजिव कागज् में सुखा
लेवें॥

नाटिन् ।

श्रंगेज़ी।

हैहार्जिर वैनाविर्दम्। वैनाविर्दे इाव् मक्री।
वैक्लोरेड आव् मक्री .... ४ अन्म
सोल्गन् आव् पोटास .... २८ अन्म
पानी टप्काया क्रआ .... ६ पैराट
पानी में (वैक्लोरेड आव् मक्री) के गला कर
सान लेव. और इसी में (सोल्गन् आव् पोटास)
मिलावे. फिर पानी ठल्का कर तलहह का अच्छी

## । १४२ ।

तरह से टप्काया उड़ा आ पानी में धोवे. कि खारी न रहे तब धीमी श्रांच से सुखा लेवें.॥

चाटिन्। श्रंगेजो।

हैद्रार्जिरे नेद्रोको- नेद्रिक् श्राक्येड श्राव्श्राक्यडम्। मक्यूरी।

पारा तोला क्रश्रा ..... ३ पाग्ड

नेद्रिक् श्रासड् तोला क्रश्रा ..... १॥० पाग्ड

टएकाया क्रश्रा पानी ..... २ पेग्ट

काँच को वर्तन में इन् तीना को मिला कर इता पकावे. कि पास गल जावे. श्रीर पानी ज्वल जावे. श्रीर जो सफोट चीज़ कि वर्तन रह जावे उस को वृक्षी कर्के दूसरे काँच के वर्तन में कि वह पहिले वर्तन में वक्तत उधला होवे. डाल कर पहले धीमी श्रांच करे श्रीर श्राहिस्ते श्राहिस्ते श्रांच को कुछ कुछ जियादः करते जावे. जव कि लाल रक्न का धुश्रा कि इस् चोज् से श्रांच करें

## । ९४३ ।

के वक्त निकला है रह जावे. तव आँच टैना मोकूफ करे॥

स्ट्रार्जिरे वैसेश्वनिडम्। वैसेश्वानेड् श्वाह्-मर्क्यो।

परसेश्वानेड श्वाव सेरन् ..... ८ श्वीन्स वैनाक्सेड श्वाव मर्कारी ..... १० श्वीन्स पानी टप्काया क्रश्वा ..... ४ पेस्ट

पानी में इन तीना की अध घराटे तक पका कर छान लेवें. और इस की सुखा लेवें. कि कस्मे वन्धे और जो वाकी रह गया है खीला उठआ टएकाया पानी में धार वार धे वे. और इस मिलाई उन्हों चीज की सुखा लेवें. कि फिर कस्मे वन्धे॥

द्रुग तकीव यह है।

कि जाव (फिरो सैशानैड श्राव् णेटाश्स्यम्) डैन्टिड् सल्फार्क् श्रसिड में मिलाय कर टएकावे.

### 1 888 1

तव (हैं हो से आतिक असिड्) वन जाने और जव (हैं हो से अतिक् असिड्) में इती (वैनाक्सेंड आव् मर्क्यो) मिलावे कि जिला गल जाने और न खड़ा न खार होय तभी (वैसे आनेंड आव् मर्क्यो) हासिल होता है॥

चाटिन्। अंग्रेज़ी।
हैहार्जिरे एवेडिडम्। एवेडिड आव् मर्कारी।
पारा ..... १ श्रीन्स
ऐवेडिन् ..... ५ त्राम्
अच्लोहल जिना दर्कार होते।

पारा श्रीर (स्वेडिन्) इन् दोनाँ के। सक साथ खर ज कर्के थे। इन थोड़ा (अल्को हल) डा के रहे कि जब तक रवा वे.मालूम होते श्रीर अधि कत यह चीज को धीमी श्रांच से से से मकान में सुखावे. कि जहा रोसनी न रहे श्रीर सक श्रूचकी ठेपीदार शीशे में वन्द कर्के रखे॥

## । १४५ ।

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

हैद्रार्जिरे वैन स्वाडेडम्। वैन स्वाडेड आव् मक्रूरी

पारा ... १ श्रीन्स

स्वाडेन् .....

•••• पु॰ ज्ञाम्

ञ्चल्लाह्ल जिला दकीर होते.।

पार श्रीर स्वाडिन इन दोना की सक साथ खरच कर्ने थोड़ा थोड़ा (ब्रक्नोहच) डाले रहे ं कि जव तक् रवे. वे. मालूम होवे. श्रीर उसी वक यह चीज् को धीमी श्रांच से सुखलाय कर् अच्छी ठेपीटार शीशे में रखे॥

चाटिन।

श्रंग्रेजी।

हेंद्रार्जरे वे सल्फार्रेटम्। वे सल्फार्ट् आव् मकारो।

हिन्दी ||

शङ्गर्फ्।

..... २ पैगाड

### । १४६ ।

.... ५ त्रीन्स गभ्यक गन्धक की बाँच कर्के गलावे. बीर इस में पारा मिलावे. जव कि इस् मिलाई ऋई चीज् में उवाल आवे. तव वर्तन् की आँच से उतार कर उस् का मुह वज्जत मजवुत वन्द करे नानि वर्तन के अन्दर से श्वअलान उठे ठए होने के वञ्चद इस् चीज् की वृक्षी कर्के एक वर्तन् में रख् कर् टूस्स वर्तन् श्रीन्धा कर वन्द कर्ने श्राच करें जो चीज़ की उपर के वर्तन में उड़ कर चिमट जावगी वहीं (वैसल्फ्यूरेट् श्राव मक्यूरी) है।

श्रंग्रेजी। चाटिन्। हैद्रार्जिरे स लगूरोटम्- सल्लगूरेट् आव मर्कारो-विथ सच्फर्। कम सल्फ्यूरि। ..... १ पैराड पारा ..... १ पै। गड

इन् दोना की मिला कर जाव तक कि पारे को रवे. देखाई देवे. नव तक पीसते रहे॥

गन्धक ...

# । ५४७ ।

लाटिन्। श्रंगेज़ी। प्रीपेशटा एका म्याग्निसिश्चो। प्रीपारेसन्स श्राव् म्याग्निस्यम्।

नाटिन्। अंग्रेज़ी।

म्याग्निसिआ। म्याग्निसिया।

कावैनिह् आव् म्याग्निसिया ..... ४ श्रीन्स्

म्याग्निसिया को घरिया में डान कर दो घर्ग्टे

तक् तेज़ आँच में ज्वनावे.॥

सारित्। अंग्रेज़ी।

स्वागिसई कार्वातास्। कार्वाते ह आव् स्यागितिआ।

सक्षे ह आव् स्यागिसिया य्याते १ ४ पीग्ड

स्वान्सावट ...

कार्वाते ह आव् सोड़ा ... ४ पीग्ड ८ थोन्स

पानी टण्काया क्रआ ... ४ ग्यावत्

स्पस्मसाव्ट और कार्वाते ह आव् सोड़ा को
दो दो स्वान्त् टण्काया क्रआ पानी में अलग अलग

### । ९४८ ।

गला कर छाँन लेव. श्रीर दोना की मिलाय कर पाव घराटे तक पकावे. श्रीर चलाने रहें इंस् के वाद पानी उल्ला कर नलक्ष्ट की खीला क्रश्रा टप्काया पानी में धी कर सुखा लेवें.॥

बाटिन्। श्रेगेज़ी। प्रीपेशठा इ सम्बा। प्रीपारेसन्स श्राव् सेड्।

खाटिन्। ख्रंगेजी। सुमी असीटास्। ख्रसीटेट् ख्राव् लेड्। सुगर् ख्राव् लेड्।

श्वाक्री इ श्राव् चेड् वृक्षी की ऊर्ड् ४ पैग्रंड र श्रीन्स असिटिक् श्रसिड् "" ४ पैग्रं पानी टप्काया उत्रश्वा "" ४ पैग्रंट

(श्रसिटिक् श्रसिड्) श्रीर पानी की मिला कर इस् में (श्राक्सैड श्राव् लेड) डाल कर धीमी श्रांच से गलावे. श्रीर झान लेवें फिर इस् चीज का सुखलावे. कि कस्मे क्य जावे.॥ चाटिन् ।

अंग्रेजी।

लेकारं सम्बेडे असि-। सोल्यान् आव् डे असिटेट् टाटिस्। आव् लेड्। गलाई।

श्वितिटेट आव् लेड ..... २ प्राहि ३ श्रीन्स आक्रीड श्वाव् लेड वुक्री की उन्हर्द १ प्राहि ४ श्रीन्स पानी ... ... ६ प्रेगट

इन् सर्वा को श्वाधे घरारे तक पका बे श्वीर चला ते रहे जब ठराढा हो बे. तब इना टप्काया पानी मिला बे. कि जिन्ने में ठीक हुः पैराट भर पृर हो बे. फिर उस्को हैं। त लेव.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

नेकार समीडे अविटाटिस्- डेन्टिड् सेान्शन् आव् डेन्टस्। डे असीटेट् आव् लेड्।

सीलूशन आव डै असीटेह आव े १॥० जाम् सेड् .... १ पैगट

#### । ९५० ।

पुष् स्थिरिङ् ..... २ जाम इन् तीना की मिलाकर रखे।

लाटिन्। इंग्रेजी।

प्रमे क्रोरिडम्। क्रोरैड श्राव् लेड्।

श्रमे क्रोरिडम्। क्रोरैड श्राव् लेड्।

श्रमे टेट् श्राव् लेड् ..... १० श्रीन्स

टपकाया पानी खीला क्रश्रा... ३ पैगट

क्रोरैड श्राव् सोडियम् ..... ६ श्रीनम्

दो पैगर पानी (में श्विस्टिह आव लेंड्) को श्वीर एक पैगर पानी में (क्वोरेड श्वाव सोडियम्) की श्वनग श्वनग गला कर मिलावे. श्वीर तलक्ष्ट्र के। ठगढ़। होने के बाद टपकाया ज्वश्वा पानी से धे। कर सुखा लेंबें.॥

चाटिन्। अंग्रेज़ी। झमी ऐवेडिडम्। ऐवेडिड् आव् लेड्। असीटेट् आव् लेड स्वे।डेड अव्योटासियम ··· ७ श्रीन्स पानी टप्काया ऋश्रा ···· १ ग्यानन्

कः पैग्ट प्रानी में असीटेड आव लेड को गलाय कर कान लेवें. और इसी में (ऐवेडिड आव पोटास्सियम्) को दो पैग्ट पानी में गलाय कर मिलावे. और तलकह होवे. उस को धो कर सुखा लेवें.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

स्मि श्राविसडम् हैहाटम् । हैहाटिड् श्रावसैड श्राव् लेड्।

सीलूशन् आव् डे असीटेंट् आव् सेड् ६ पैग्ट पानी टप्काया क्रआ ..... ३ ग्यासन् सीलूशन् आव पाटास् य्याने १ ६ पैग्ट जिला जरूर होवे .....

इन् तीना का मिलावे. श्रीर जी तशब्द होवे.

#### । १५२ ।

अच्छी तरह पानी से धें। खेवे. कि कुछ खारी न रहे॥

लाटिन्। श्रेंगेजी। प्रीपेशटा द्पोटासिश्चा। प्रीपारेसन्स श्राव पोटा-सिस्यम्।

चाटिन्। श्रंग्रेजी। पोटास्मी कावानास्। कावान इश्राव्पोटास्। हिन्दी।

साफ् किया ऊच्चा क्षार।

इम्छार कार्वानेह पोटास् य्याने र पैग्रंड मेला क्षार ..... १॥० पैग्रंड पानी टएकाया ज्ञञ्जा ..... १॥० पैग्रंड

मैं के श्वार को गरम पानी में घोल कर हान लेवे और एक अच्छा साफ वर्तन में डाल कर आँच से पानी का सुखावे जाव को अर्क गाज़ हो जावे तव लोहे के दस्ते से इती देर तक घोटे कि इस की कल्मे वर जावे.॥

# । ९५३ ।

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

लेकार पोटास्मे-। सेाल्शन् श्राव् कावीनेष्ट्कावीनाटिस्। श्राव् पोटास्।
कावीनेट् श्राव्पोटास् .... २० श्रीन्स
पानी टप्काया उज्ञा .... २ पैग्रट
कावीनेट् श्राव् पोटास् की पानी में गलाकर
सान लेवां।।

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

पानी में (कार्वानेट आव पाटास) की गलावे. और इसी में (कार्वानिक असिड) टेने. जब तक परखने में न खड़ा न खार मालूम होवे. इस को बाद धीमो आँच पर ग्खे कि कल्मे वन्धे थे सी फिर गलजावे. और इस की निगले में रखे कि फिर कल्मे वने और पानी दक्का कर सुखा लेवें. जब खड़ी मिट्टी की वृक्की

### । १५४ ।

इन्ने पानी में मिलावे. कि जिन्ने में सीग के मुवाफिक् होय श्रीर इस् मिली ऊर्इ चीज्. में (सल्फ्यूरिक् असिड्) वजन वशवर पानी मिलाय कर डाले तव (कावानिक् अधिड्) पैदा होता है॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

बैकार पोटास्ती-रफावसेना।

स्फार्विसिंग सोनूश्न्-श्राव् पाटाच्।

पानी टप्काया ऋशा

••••• १ पैराङ

पानी में (कार्वानेह आव पाटास्) का गलावे. श्रीर इसी में इता (कार्वानिक श्रीसड्) जोर से दवाया ऋशा देवे. कि जिला में यह सिवाई रहे श्रीर एक श्रची ठेपीटार शोशे में वन्द कर्ने रखे॥

चाटिन्।

अंग्रेजि ।

नैकार पाटास्तो। कावानेह आव पाटास्

सोसूशन् ञ्चाव् पाटास्। ••••• १५ ञ्रीन्स चूनेकी कली ..... प्रश्निम् टएकाया उड़िश्चा खीला पानी ..... प्रिंग्ट (कावीनेट् श्वाव पोटास्) की चार पैग्ट पानी में गलावे. श्वीर चूने को थोड़ा पानी में वृजाकर शकी पानी में मिलावे. तव दोना को उसी वक एक वर्तन में छाँक देवे. श्वीर वार वार हिलाने रहे जब तक ठगड़ा होवे. फिर निग्र वे में रखे कि

कार्वी नेट आव् लैम) तलकट् होवे. श्रीर निधा

इस्या पानी को उल्का कर एक अच्छी ठेपीदार हरा शीशे में रख छोड़े॥

बाटिन्।

अंग्रेज़ी।

पाटासी सेहास्।

हैंद्रट् आव् पाटास्।

सीलृशन श्वाव पोटास ..... १ ग्यालन् (सीलृशन श्वाव पोटास) को लोहे के साफ वर्तन् में डाल कर श्वाच कर जाव तक वृद्धला मीकूफ् होजावे. श्वार (हैदेह श्वाव पोटास) गलजावे. तव बोहे के साम्बे में डाले॥

# । १५६ ।

### .चाटिन्।

इंग्रेजी।

पोटास्ता कम् क्याब्सी। पोटास् विट लैम्।
हैदे इ आव् पाटास् '''' १ श्रीन्स्
चूना की कली ''' १ श्रीन्स्
इन् दोना की एक साथ खरल कर्के एक अच्छे
वर्तन् में रखे॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

णेटास्रो अधीटास्। अधीटेह आव् पोटास्।
कार्वानह आव् पोटास् ..... १ पीगड
अधेटिक् अधिड् नापा क्रआ ..... १६ अन्स्
ट प्काया क्रआ पानी ..... १२ अन्स्
पानो में पहले (इसेटिक् अधिड्) को मिनावे.
और इसी में (कार्वानेह आव् पोटास्) डाजे रहे जव
तक् उवाल आवे. और उवाल होने के बाद कान्स्
लेवे. इस् कानी क्रइ चीज् को बालू के जन्तर
पर्रव कर क्रस्थारी से आँच देवे. जाव तक्
(असिटेह आव् पोटास्) सुखावे॥

चाटिन्।

इंग्रेज़ी।

पोटास्ती सन्फास्। सन्फेट् ञ्चाव् पोटास्।

तैष्ट्रिक श्रासिड् के टएकाने के विश्व विश्व के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ रहता है उस् क्षार

खीला उहा पानी ..... र ग्यानन्

यह क्षार की घडिया में रख कर फूक देवे. कि इस्का खट्टापन जाता रहे श्रीर इस् को दो म्यानन् पानो में आग पर पकाने. जन कि इस पर छाली आजावे. तव इस पानी को कान कर रख छोडे. ताकि कस्त्रे बन्धे जावे. पानी को बन्न से फैंक् कर इन कस्यो का सुखा लेवें॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

पे दासी वे सन्फास्। वे सन्फोट् आव् पाटास्। नैद्रिक् असिड् के टएकाने से जो | क्षार कि भवके में लग रहता है |

उस् क्षार

खोला उत्तवा पानी ""

#### । १५८ ।

सल्फ्यूरिक् श्वसिड् नो ला क्वश्वा ... १ पीग्ड गरम पानी में इस् क्षार को घोलकर श्वीर (सल्फ्यूरिक् श्वसिड्) मिलावे. श्वीर श्वाग पर पका कर निगले में रखे कि कल्मे वन्धे॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

पोटासी टार्ड्रास्। टार्ड्रेट् आव् पोटास्। कावीनेट् आव् पोटास् ..... १६ श्रीम्स . स्थाने जिला दकीर होवे.

(वैटाईट आव पोटास्) वुक्री । स् पाराड की इहर ... ..... र पाराड ग्वाला का आपानी ... स् पैराट

कार्वीनेस् आव पोटास् को खीला पानी में गला कर (वैटार्ट्र इआव पोटास्) को इसी मिलाये क्रिये पानी में डाले और पका के फिर झाँन कर आग पर पकावे. और जब कि इस् पानी पर छाली पड़ जावे. तब उतार कर रख छोडे. नाकि इस् को कस्मे वन्धं जावे. पानी को फैक कर इन् कल्मो को सुखा लेवे. श्रीर छल्काया उड्डश्रा पानी को ज्वलावे, कि कल्मे वन्धे॥

#### चाटिन्।

श्रंयेजी।

पाटासियाई ब्रोमिडम्। ब्रेमेंड् याव् पोटासियम्। ····· २ श्रीना ब्रोमैन् … कावानेह आव पोटास् र श्रीन्स ... १ जाम् लोहाचूर ..... १ श्रीन्स णती टण्काया ज्ञञ्जा ..... ३ पैस्ट डेढ़ पैगट पानी में पहले लोहा चूर की श्रीर इस् के वाद (ब्रोमैन्) डाल कर आधे घराहे तक् रख कोडे, और एक लोहे के दस्ते से वार वार चलाते रहे इस मिली ऊर चोज में धीमी ज्याच देवे. ज्यार जाव हरा रङ्ग हो वे. तव (कावाने इ आवु पोटास्) की वाकी पानी में गलाय कर इसी में मिलावे. फिर कान लेवे. श्रीर जी चीज रह गणा है दो पैग्ट खीला अत्या टप्काया पानी में धाकर फिर कान लेवे. और इन् मिला उत्रश्रा पानी कें। उनसावे कि कल्मे वन्धे॥

बाहिन्। श्रंयेज़ी। पोटासिश्चाई ऐवाडेडम्। ऐवाडेड श्वाव्-पोटासिश्चम्। ऐवाडेन् ..... ६ श्रेन्स

सेवोडेन् ..... ६ श्रेन्स क वैनिह श्रान् पोटास् ..... ४ श्रेन्स लोहाचूर् ..... २ श्रेन्स पानी टएकाया इत्र्था ..... ६ पैगढ

चार पैग्र पानी में (सेवोडेन) को मिलावे. श्रीर के ही में लोहाचूर डाल कर श्राधे धगरे तक लोहे के दक्ते से बार बार चलावे. इस मिली उन्हें चोज़ को धीमा श्राच पर रखे जब हरा रङ्गत होंगे. तम (कोवीनेह श्राव पोटाम्) दे। पैग्र पानी में गलाय कर इसी में मिलावे. श्रीर हान लेवे. जो चीज़ इसी में रह गया है दो पैग्र टालाया उज्ञा खीलाः पानी से धाकर फिर हान लेवे. श्रीर ईन मिलाया उज्ञा पानी को उचलावे. कि कहमे वन्धे॥

# । १६९ ।

अंग्रेज़ी। चाटिन्। नैकार पोटा सिमञ्जाई - कम्पेगाड सोन् शन् ञाव्-एवाडे काम्पासिटम्। एवाडेड् श्राव् पेटा-सिश्रम्। र्ग्वाडेंड श्राव पोटासिश्यम " १० येन् स्वेडिन् .... ..... १ पैराट पानी टप्काया ऋश्रा इन् सुवा की मिलावे कि गलजार्ने। अंगेज़ी। चाटिन्। पाटासिम्बार् सन्फारीटम्। सन्फार्रेड् बान् पेटा-म्सिश्रम्। गन्धंम कार्वीनेट आव पोटास् याने } कार साफ की उन्हें ..... इन् दोना को एक साथ खर्च कर्ने एक छडिया म रखे और आग पर वैठावे. कि दोना एक सङ्ग मिलजावे.॥

# । १६२ ।

लाटिन्। श्रंथेज़ी। प्रीपेग्टा इ सोडिश्रो। प्रीपारं सन्म श्राव सोडिश्रम्।

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सोड़ी कार्वानास्। कार्वाने इश्वाव्सेड़ा।
सोड़ा व्याने सजीको वृक्ती .... २ पौगड
पानी टण्काया उज्ञञ्चा .... ४, पैगट
(सोडा) को डाल कर पानी में पकावे. श्वीर जव र गर्म रहे नव झान कर निगले में रख झोडे. नाकि
इस कल्मे वन्ध जावे.॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

सोड़ी कावानास् स्क्सिकाटा। जाइड्कावाने इ-

कावीनेह आव्सोड़ा ..... १ पारंड

लोहे के एक साफ वर्तन् में कार्वानेट श्वाव सोड़ा को डाल कर श्रांच कर्ते रहे जव तलक् न स्त्राव जावे. तव तलक श्रांच करे श्रीर इस् के

### । ९६३ ।

वश्रद इता श्रीच करे कि जिते में यह चीज सुर्व होकावे. फिर वुक्रो करे॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

से इंगे से स्तुइ को वीनास्। से स्तुइ को वीने इ अपन् से इंग् !

काबीनेट् श्राव्सीड़ा .... ७ पै। गड

पानी में (कार्वानेट् आव सोड़ा) को गलावे. और क्षान कर इस में इता (कार्वानिक् अधिड्) देवे कि जावे में (सम्बद्ध कार्वानेट्ड आव सोड़ा) नीचे वैठ जावे और इस चीज को कपड़े. में लपेट् कर और दवा कर धीमो आँच से सुखा लेवे॥

लाटिन्। अंग्रेज़ी। से डी सन्फास्। सन्फोट्ट आव् से डा। ज्लोवर्स सास्ट।

हैद्रोक्कोरिक असिड् के टएकाने से जो निमक कि भव के में लग् र पीएड रहता है उस् निमक ...

### । ४६४ ।

खेल अश्वा पानो " र पैग्रं खार को पानी में घोल कर इस् में इता (कार्वा नेष्ट आव् से ज़ा) मिलावे, कि इस् पानी का खडापन जाता रहे तव इस् पानी का ज्वलावे. श्वीर जव कि इस् काली पड़ जावे तव इस् को छान कर रंख छोडे. ताकि इस् की कल्मे दन्ध जावे श्वीर वर्तन से पानी को फेंक कर इन् कल्मां की सुखा लेवे॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

में हो पोटास्ती श्रो टाई ह श्राव् सोड़ा।

देश देह आव पेटास याने ) १६ श्रीना कीम आव टार्टर की वृक्ती ) १६ श्रीना कविनेह आव सेहा ..... १२ श्रीरा खोला उहा पानी .... ४ पैस्ट

पानी म (कार्वानेंट श्वाव्सोड़ा) को गलाकर इस् म (वैटार्डेंड् श्वाव् पोटास्) घोड़ां घोड़ा डाल कर

# । १६५ ।

मिलावे. और छान लेवें. कि इस् पानी को बाँच देकर : ज्वलावे. जव् कि इस् पानी पर छाली बाजावे. तव् इस् को उनार कर रख छोडे. ताकि इस् की कल्मे वन्ध जावे. पानी को फँक कर इन् कल्मा को बीर जो पानी छल्काया गया है उस् की ज्वलावे. कि फिर कल्मे वन्धे॥

लाटिन्।

अंग्रेजी।

नेकार सोडी एफ- एफ्फेंक्सिङ्ग से जूशन् वस्तेना। श्राव् सोडा।

संस्तुइ कावानेट् प्राव् से डा .... १ द्वाम् पानी टप्काया इत्था ..... १ पैगर

बाती में (सेस्कुइ कार्वाने ह आव सोड़ा) को गलावे आहे इस्ती में इता (कार्वानिक असिड्) जोर से दबाया उत्त्र देवे कि जिले म यह सिवाय रहे और एक अच्छी ठेपीटार शोशे में वन्द कर्के रखे।

### चाठिन्।

### श्रंयेज़ी।

नैकार सोडी क्रोरिनाटी। सोनूशन् आव् क्रोरिन नेटेड् सोड़ा।

कावीनेट् श्राव से हा ..... १ पी गड़ पानी टएकाया क्रश्रा ..... ४८ श्रीन्स क्रोरेड श्राव से डिश्रम् व्याने निमक् ४ श्रीन्स वै नाक्सेड श्राव स्थाङ्गेनीज् ..... ३ श्रीन्स सन्प्यूरिक् श्रीसङ् .... ४ श्रीन्स

दो पैग्र पानी में (कावीने ह आव सोडा) को गलाय कर रख छोडे. (क्वोरेड आव सोडिअम) और (वैनाक्सेड आव स्याङ्गेनीज) को वृद्धी कर्के एक शीशे के जन्मर में रख कर इस्सी में (सल्प्यूरिक असिड) को पेस्तर नीन औन्स पानी में मिलाय कर और ठग्ढा कर्के डाले और आव करों रहे जब (क्वोरेन ग्यास) निक्को नव पहले इस् को पंच आन्स पानी में चलावे. और पोछे (सोल्क्शन आव कावीन ह आव सोडा) में दें वें.॥

# । १६७ ।

साटिन्।

श्रंयेजी।

प्रीपेगंटा ई जिन्को। प्रीपारेसन्स श्राव जिङ्का

चाटिन्।

श्रंयूजी।

जिन्ही संस्फाम्।

यचफेट् आव जिङ्का।

जिङ्क का दुकडाँ

••••• ५ 🖫 न्स

· डैल्ट्रिं सल्फाृरिक् असिड् ···· २ पैग्र

जिङ्क के टुकडाँ पर (डैंस्टिड्सस्फारिक असिड्) को धोड़ा घोड़ा कर्ने डाले श्रीर जव उदवाल मैक्फ् है।जावे तव इस् की छान कर धीमी श्चाच करे श्रीर जव कि इस पर छाली दिखलाई देवे, तव उतार कर रख छोडे. ताकि इस् की करमे वन्ध जावे.॥

चाटिन् ।

श्रंगेजी।

जिन्मे श्राविस्डम्। श्रावसेड श्राव जिङ्का। सन्पोद्ग श्राव जिङ्का ..... १ पै। गृह स्रकेट्ट आव् जिङ्क

## । १६८ ।

सेखुई कार्वेनिह आव् अम्रोतिस ६॥० औत्म पानी टएकाया ऋश्रा ..... ३ वार ह पैएट पानी में (सन्फोट आव जिङ्क) और (सेस्तुई कार्वानेट् श्वाव् श्रम्मोनिया) की श्रवग अलग गलाय कर छान लेवं. श्रीर इन् दोना पानिया को मिलावे. जो कुछ नलक्ट होवे. उस् को बार वार पानी से धा कर दो घगढे नक् तेज् श्राच में ज्वलावें ॥

चाटिन्।

अयेजी।

कलामिना प्रापेशटा। भीपरेड्कलामिन्।

कलामिन् को ज्वला कर पीस के महीन वुक्री कके जिस तरह कि खड़ो मिट्टो साफ् कि जाती है उसी तरह (कलामिन्) को भी साफ करे।

नाटिन्।

अंग्रेजी।

मिस्ट्यरी।

मिक्सट्यस् ।

मुतिक्रिम का वयान्। जो चीज् की पानी में मिनाइ जावे. उस कीज को अंग्रेज़ी में (मिक्सट्यूर्) कहते हैं।

### 1 340 1

मिस्ट्युर एकासिई। मिक्स्ट्यूर आव् एकेसिआ।

हिन्दी॥

पानी में घोली ऊर्इ गोन्द।

एकेसिया की गोन्द को वृक्षी ..... १० श्रीन्स
खीखा ऊश्चा पानी ..... १ पेग्रट
वृक्षी में घोड़ा घोड़ा पानी डाल कर खरल
करे ताकि गोन्द श्रच्छी तरह पानी में घुल आवे.॥

चाटिन्। श्रंथेज़ी। मिस्ट्यूर श्रम्भोनेश्वरे। मिक्स्ट्युर श्राव्श्वम्भोने-स्कम्।

. हिन्दी।

उसक पानी में मिलाया क्रिशा। उसक ····· ५ प्राम पानी ···· १ प्रेगट

अधक पर धोड़ा घोड़ा पती डांस कर खूब खर्स करे ताकि अच्छी कर स पानी में मिस जाये. ∦ लाटिन्।

श्रंग्रेज़ी।

मिस्ट्युग श्रमिग्डालो। मिक्स्ट्युर श्राव् श्रामन। हिन्दी।

वादाम पानी में मिलाया ऋशा।

कान्फोक्सन् श्वाव श्वामन य्याने हे हैं। श्वीन्स हादाम का इल्वा ... १ पैराष्ट्र वादाम के इल्वा पर थे। डा थे। डा पानी डाले श्वीर खरल करे जब इल्वा पानी के साथ खूव मिल जावे. तब इस की कपडे. से कान के रख लेवें. ॥

साटिन्। श्रंगेजी। मिस्ट्युर श्रस्ताफेटिडी। मिस्ट्यूर श्राव्श्रासा-फेटेडा।

> हिन्दी। हीङ्ग पानी में मिलाई ऊई।

हीक्र ..... थ् द्वाम्

श्रीक पर थे। डा थोड़ा पानी डाने श्रीर खरल

#### । १७१ ।

करे जाव कि पानी के साथ होङ्ग खृव मिल जावे. तव रख छोडे.॥

लाटिन्।

इंग्रेज़ी।

मिरट्युग काम्फोरी। काम्फोर मिकाट्युर। हिन्दी।

पानो में मिलाया काफूर।

काफूर :.... ॥ जाम रिक्टिफेड स्पिरिट श्राव वैन् ..... १० वृन्द पानी ..... १ पैग्ट

(रिक्टिफैड स्पिरिट आव वैन्) के साथ पहले काफ्र् को खरल कर लेवें. फिर इसें थे। इन थोड़ा यानी डाल कर खूब खरल कके कें। न लेवें. ॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

मिरुगुर क्यास्तरे स्त्री- कम्पीगड मिक्स खार आव् काम्पासिटा। क्यास्तरिस्त्रा।

इंग्रम्श्नत् श्राव् कास्केरिह्मा ··· १७ श्रीत्स विकार श्राव् स्ट्रेंस ···· १. श्रीत्स

#### 1 900

कम्पे। गड टिन्कट्युर श्वाव क्याम्फर २ श्रीन्स इन् तीना को एक साथ मिलाँव.॥

चाटिन्।

श्रंयज्ञी।

मिस्कूरा कीटी।

मिक्सट्युर श्राव् चाक्।

#### हिन्दी।

खड़ो मिट्टी श्रीर दवावाँ के साथ मिलाई ऊर्ड।
साफ् की ऊर्ड खड़ी मिट्टी ..... ॥०० श्रीन्स
मिस्ती ..... ३ जाम
मिस्ट्युर श्राव एकेसिश्रा ..... १॥० श्रीन्स
सिनेम्न वाटर १८० श्रीन्स
स्थाने टारचीनी का पानी
इन सवा को मिला कर रख छोड़े.॥

चाटिन्।

अंग्रेजी।

मिरट्यु फरे काम्यासिटा। कम्पीएड मिक्स्ट्रिर-श्राव सेरन्।

हिन्दी।

कासीस और द्वांवा के साथ मिलाया उत्त आ।
मर की वुक्री ... र फाम

कावानेह आव पाटास याने } साम् किया ज्ञा आ शार ... } गलाव सन्पोद्ध आव् ऐरन् व्याने कासीस } स्पिर्ट् आव नटमेग् याने टारू रे में भिगाया ऋआ जायफल ... रे मिस्री . भर् श्रार (स्पिरिङ् श्राव् नटमेग्) श्रीर (कार्वीनेङ् ञ्चाव् पाठास्) इन् दवावाँ को एक साथ खरल करे श्रीर खरल करें के वृक्त पहले गुलाव श्रीर मिसी इस में मिलावें, बार पीछे (सल्फोट आव सेरन्) की इस् में मिलावें. श्रीर इस् मिलाई ऊई चीत के। तुर्ना काँच को शीश में वन्द ककी रखे॥

श्वाटित्। इंग्रेजी।

[मिस्ट्युग जिन्सिक्षानी- कम्पीगड मिक्स्ट्युरकाम्पासिटा। श्राव जेन्सन्।

कम्पीगड इन्म्यूशन् श्राव जेन्सन् १२ श्रीन्स

# 1 867

कम्पीगड इन्फ्यूशन् ञ्चाव् सेन्ना ... ६ ज्ञीन्स कम्पीगड टिन्कट्युर ञ्चाव् कार्टेमम् २ ज्ञीन्स इन् तीना को एक साध् मिलाव, ज्ञीर रख छोडे.।

लाटन्। श्रंगेज़ी।

मिस्ट्यूग ग्वाएश्रमे। मिक्सट्युर श्राव् ग्वेरकम्।

ग्वेरकम् रेजिन् .... ३ डाम्

मिस्वी ..... ४ डाम्

मिस्ट्यूग रकेसिश्रा .... ४ डाम्

पर्स्तीनी का पानी ..... १७ श्रान्स

पहले (ग्वेरकम्) श्रीर मिस्रो को एक साथ खर ल
कर्ते उस में (मिक्सट्युर श्राव् रकेसिश्रा) को मिला

कर टार्चीनी का पानी थोड़ा थोड़ा डाल कर मिलावें।।

लाटिन्। श्रंगेज़ी। मिस्ट्युर मास्तै। मिक्सट्युर श्राव् मस्तें। हिन्दी।

कस्तुरी और दववाँ के साथ मिलाई ऋई। मस्त याने कस्तुरी " " इ जाम

#### । ९७५ ।

सके सिश्वा वृक्ती की उन्हें ..... इ जाम् मिस्तिः ... इ जाम् गुनाव .... १ पैराट

मस्त को पहिले मिस्री के साथ खरल कर लेवें. श्रीर इस्के बाद गोन्द के साथ फिर खरल करे श्रीर खरल करने के वक्त थोड़ा थोड़ा गुलाव इस् में. मिलाते जावें.॥

नाटिन्। अंग्रेज़ी।

मिग्ट्र्स स्पिर्टिस् वैनै मिक्स्ट्य्र आन् स्पिहिट्

ग्यास्त्रिसे। आव प्रोञ्च वैन्।

बार्खी .... ४ आन्स

दार्चीनी को पानी .... ४ आन्स

दार्चीनी को जर्दी ..... ४ आन्स

दार्चीनी का नेल् .... ४ आन्स

## । १७६।

नाटिन्।

अंग्रेज़ी।

म्रोलिमा डिष्टिल्लाटा। डिष्टिल्लिड् आइन्त्ज्ञ। हिन्दी।

टप्काया उत्रश्चा तेल्।

श्रोलिश्रम् श्रानसे। श्राइल् श्राव् स्तिस।

ंश्रोलिश्रम् श्राम्योमिडिस्। श्राद्व श्राव् क्यामामैन्। हिन्दी।

वावूने का तेल्।

म्रोलिम्रम् कारुबाइ। म्राइल म्राव् केरावै। हिन्दी। विलायती जीरे का तेल्।

श्रीलिश्वम् जुनिपरे। श्राह्ल श्राव् ज्यूनेपर।
श्रीलिश्वम् लेवेगडुली। श्राइल श्राव् लाविरेधर।
श्रीलिश्वम् मेन्सी पिपिरिटी। श्राइल श्राव् पिपरमेगर।
श्रीलिश्वम् मुखीजिश्वाह । श्राहल श्राव् पेनीग्यव।

श्रोलिश्रम् मेन्धी विरिडिस्। श्राइन श्राव् सिमेंग्छ।

श्रीलिश्रम् श्रीरिगानै। श्राद्दल श्राव् मार्जीरम्।

श्रीलिश्रम् पिमेरही। श्राइन श्राव् पैमेरहा।

श्रोलियम् रोज्मारीतै। श्राइल श्राव्रोजमेरी।

' श्रोनियम् साम्युसै। श्राइन श्राव् एन्डर झ्रोश्।

साफ और विलायनी जीग और वावूना और (लविग्डर) का फूल और दाना (अपूनेपर) यश्चने हाशा का और (पैमिग्टा) का और कोपल (रोज्मेरी) की और नाजी पित्रया और टहानिया भी इन्हीं ची जाँ। के वयान किया गया है और इन् ची जाँ। से नेल टएकाना चाहिये और जन कि इन् भी जाँ। से जिस जिस का नेल टकीर होने. तन उस ची ज् को देग में रख कर इना पानी डाले कि पानी इस ची ज पर थोड़ा उपर रहे तन आँच करे और वड़े. भवके से मेल को टएकाने. ॥

# । १७८ ।

चाटिन्।

अंग्रेजी।

श्रोलिश्रम् सिक्ते। श्राइल श्राव् श्राम्बर ।

श्राम्बर को देग में डाल कर वालू के जनार में रख कर श्रांच करे जब कि खटाई श्रीर खार और तेल कि इस चीज में होता है टप्क जावे. तव इस् तेल् को दुवारा टप्का कर रखे।

चाटिन्।

अंग्रेजी।

श्रो निश्रम् टरिविन्धिनी एप्रोफैंड श्राइन श्राव् घ्रीफैकेटम्।

टापेंगहैन्।

हिन्दी।

गन्धेविरोजे का निखालिस् नेल्।

गन्धेविरोजे का तेल् … ..... १ पैरा⊌ णती ""

इत् दाँना को मिला कर उत्तरयारी से श्रांच करे ताकि निरासा से तेस् टप्के॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

पिच्युनी।

पिस्स ।

मुनर्जिम् का वयान। जिस् दवा की कि लुद्दी वनाइ जावे नाकि उस् से गोलियाँ वैध सकेँ उस्को उसी दवा को (पिल्स) कहने हैं॥

बाटिन्।

अंग्रेजी।

पिच्पुली अले।इज्ञ-काम्पासिटी। कम्पेगाड पिच्स आव्-

एंबोज़्।

#### हिन्दी।

मुसबर श्रीर दवाँवा कं साथ लुद्दों किया ऋशा।

मुसबर की वृक्षों की ऋई ..... १ श्रीन्स

एक्सद्राक्ट श्राव जेन्सिएन ..... ॥॰ श्रीन्स

श्राद्दल श्राव केरावे. य्याने विला ।

थ॰ मिन्नम्

यती जीरे का तेल ...

असी का पाग जिला कि इंन् चीजाँ के मिलाने के लिये दकीर होते.।

इत चीजाँ को पीस कर मिलाके लुद्दी वताके रख छोडे. ताकि इस में गोलिया वन् सके॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

पिच्एली अनोइज्-कम मिरा।

पिल्स ञ्चाव श्वलाज्-विट् मर्।

#### हिन्दी।

मुसबर श्रीर दवाँवा के साथ जुद्दी किश्रा क्रशा।

मुसबर व्याने राजुवा ... २ श्रीन्स

मर ... २ श्रीन्स

मर ... २ श्रीन्स

मिस्ती का पाग जिला कि इन चिजा के मिनाने के लिये दकीर होते मुसबर और मर की जुटा जुटा वुक्री कर्के इस में जञ्जफरान् और पाग डाल कर ऐसा मिनावे. कि इस जुद्दों से गोलिया वंध संका॥

चारिन्।

श्रंगेज्ञी। 💡

जिल्पुली काम्बेजिइ - कम्पीगड पिल्स आव् काम्पासिटी। काम्बेजि।

काम्बोज् वृक्री किश्वा ऋश्वा ..... १ द्वाम्

### । १८९ ।

मुसबर की वृक्ता ..... १॥० जाम्
सावृत ..... ॥० जाम्
सावृत ..... २ जाम्
इन् नीना वृक्षीया को मिला कर इस में सावृत
डाल कर एक साथ खुव खरल करे नाकि खूव
मिल जावे.॥

बाटिन्। श्रंथेजी।

पिच्छुं को नी श्राइ - कम्पीगड पिच्स श्राव्काम्पासिटी। हेम् लाक्।

एक्स्ट्राक्ट श्राव् हमें साल ' प द्राम्
इपोका कुश्रन्हा वृद्धी की उन्हें ' र द्राम्
मिक्स ट्यूर श्राव् एके सिया जिला टकीर होते।
इन् नी नो को एक साथ खरन करे नाकि खूव
मिन जावे.॥

बाटिन्। अंग्रेजी। पिल्छुली फेरे काम्पासिटी! कम्पोगड पिरुस आव रोरन्। सर की वुक्री ..... २ जाम

## । ९५२।

कावीनेइ श्राव् सीडा ••••• २ ज्ञाम् सन्फेंट श्राव् सरेरन् य्याने कसीस · १ जाम् ग्व

मर् श्रीर् (कार्वाने इ श्राव् सोडा) को एक साथ पीस् के (सल्फेड् आव् सेरन्) य्याने कसीस इस् में डाल के फिर पीसे और इस् के वाद गव मिलाय कर इन् सवा का एक सीर गरम वर्तन् में खूव मिलावे. ताकि गोली लायक होय॥

चाटिन्।

श्रंय जी।

काम्पासिटी।

पिच्युनी ग्यानवानी- कम्पीगड पिन्स आन् ग्यालवानम् ।

हिन्दी।

किन्ना व्याने बेजा और दवाँवा के साध लुही किया ऋशा।

ग्यालवानम् य्याने ब्रेजा .... १ श्रीन्स ..... १॥० भ्रोना मर् ...ं ९∥० क्रेन्स सागापीनम् ....

## । १८३ ।

अ। ६। फटेडा याने होंग .... ॥ अन्स पागं जिला कि इन् चीजाँ। के मिनाने के निये दकीर होते.।

मिस्रीके पाग में इन् सव चीजा की मिसा कर सुद्दी वनाके रख् छोडे.॥

पारा पारा चेंद्र जिरे। विषय आव मक्री खुपिल।

पारा पारा पारा पारा पारा पारा जान का राजिज याने हे जाम गुलकन्द ... पारा चेंद्र की वृक्षी .... र जाम पारा चेंद्र गुलकन्द के। एक साथ पीसे जाव कि पारे के रवे दिखाई न देवें तब मुलहरी की वृक्षी को खूव मिला कर लुद्दो वनाके रख कोडे.॥

बाटिन्। अंगेज़ी। पिच्युनी हैद्राजिरे कम्पीगड पिन्स आव कारेड् काम्पासिटो। आव मर्चूरी। कोरेड मर्क्यूरी व्याने चानोमेन ... २ डाम्

क्रोरेड आव् मक्यूरी का (आक्से सल्फ्यूरिट आव अग्छीमोनी) के साथ पीस कर और इस् में ग्वेस्कम् की बुक्री और राव डाल के लुद्दी वनाके रख क्रोडे.॥

नाटिन्। श्रंग्रजो। पिच्युनी हैद्रार्जिर स्वे।डेडे। पिन्स श्राव् स्वे।डेड श्राव् मक्यूरी।

स्वाडिड श्राव मर्कारी ..... १ जाम् कान्फेक्शन् श्राव डाग्रोज् ..... ३ जाम् साठ वृक्ती की उन्हर्दे .... १ जाम् इन् तीना को स्क साथ खर स करे ताकि खूव मिस जावे श्रीर सुद्दी सायक होवे॥

बाटिन्। श्रंगेज़ी।
पिल्युली इपिकाल्युश्चान्ही- कम्पोर्ग्ड पिल्स श्वावकाम्पासिटी। इपीकाकुश्चन्हा।
कम्पोग्ड पेंडिर श्वाव इपीकाकुश्चन्हा ३ श्वाम

### । १८५ ।

स्लुइन ताजा सुखनाई ऊर्ड ... १ प्राम् श्राम्गोनेश्वाकम् ... १ प्राम् मिकाट्यर श्राव् एके शिश्वा जिता दकीर होते.। इन् सेवा को एक साथ पीस कर खूव मिनावे. नाकि नुष्टी नायक होते.॥

चादिन्।

श्रंयेजी।

-पिच्युनी रिश्वाई काम्पासिटी। कम्पेशाड पिन्स श्राव्-रुवाव।

स्वार्व वृक्षी की उन्हें ..... १ श्रीन्स मुस्बर वृक्षी की उन्हें ..... ६ प्राम् मर वृक्षी की उन्हें ..... ॥० श्रीन्स सावृन ..... १ प्राम् श्राह्ल श्राव कगरवे ..... १ प्राम् मिक्षी के पाग जिला दकीर होवे।

वृक्कीयां को पहिले एक साथ मिलावे. श्रीर इस्के वश्रद सव को एक साथ खरन करे नाकि लुही कायक होवे.॥

## । १८६ ।

काटिन्।

अयेजी।

पिच्युची सापानिस- कम्धीगड पिच्स आव् काम्पासिटी। सीप्।

हिन्दी।

सावृत चेर चप्यून की जुदी वनाई उहाई।
स्व चप्यून की वृक्षी ..... ॥० चेन्स
सावृत ..... २ चेन्स
इन् दोना को मिला कर जुदी तैयार कर्क रख्

#### । १८७ ।

चाढिन।

अंग्रेजी।

पिच्युकी सिद्धी काम्पा- कम्पासङ पिन्स आव् सिटी।

स्कुइ्स ।

#### हिन्दी।

कन्रा और देवां के साथ नुही किया ऋशा!

क्तु ल ताजा वुक्रो किया ऊचा ... १ इाम् साठ बुन्नी की उन्नई ... ..... २ द्राम् .... इ जाम् सावन ''''

असानैअकम् याने उसक वृक्षी र जाम् किया ऋशा ...

मिस्री का पाग जिला कि इन् चीजों को मिलाने के लिये दर्कार होत्रे इन् वृक्कोंया को एक साथ मिला कर इस् में सावुन डाल कर मिलावे. श्रीर इता पाग इस् में डाने कि जुदी वँध जाते.॥

🍍 खाटिन् ।

श्रंयेज़ी।

पिखाली छैरासिस्-कम्पे। गड पिस्स आव् कःम्यासिटी। ष्ट्रीस्क्र!

ष्टोत्का काता ऋषा .... १ प्राम्

#### 1 845

स्व अपयून वृक्ती की उन्हें ..... १ जाम्

इन् तोना का एक साथ पीस कर मिलावे. नाकि जुद्दी जायक होवे.॥

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

पत्वरीज्।

्णेडस् ।

हिन्दी।

दवायाँ की वुक्री।

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

पिंत्र अलोइ ज् काम्या- कम्पीगड पेडिर आव-

हिन्दो।

मुसबर को बुक्रो दूसरी दबायाँ कि बुक्रो के साथ मिलाई ऊर्ड ।

मुसबुर प्पाप्त पार श्रीव श्रीन्स

## । १५७ ।

मेने रेजिन् पेडर आव सिनामन् ॥० आन्म भुसबर आर (मेनेकम रेजिन्) को जुटा जुटा वृक्षी कर्के (कम्पीगड पीडर आव सिनामन्) के साथ मिला कर रख कोडे.॥

चाटिन्। श्रंग्रेजी।
'पिल्वस् सिन्नामोमे काम्पा- कम्पीगड पैग्डर श्राव-सिटस्। सिनामन्।

#### हिन्दी।

दार्चीनी की वृक्षी टूसरी टवादें। के वृक्षी के साथ मिलाई ऊर्ड ।

दारची नो बेक्की ..... २ श्रीन्स इ लायची ..... १॥० श्रीन्स सिठ ... १ श्रीन्स पीपन ... ॥० श्रीन्स

इन्द्रवाँ को इकड़ा कूट कर वारीक वृक्ती कर्के रुख् सेवे.॥

#### 1 2000 1

बाटिन्। अंग्रेजी। पिल्विस् कोटी काम्पासिटस्। कम्पीगड पीडर आव चाक्।

#### हिन्दी।

खड़ो मिट्टी है। दवाँवा को साथ मिलाई इन्हें।
साफ की उन्हें खड़ी मिट्टी ..... ॥० पाँगड
दार्चीनी .... ४ ब्रैन्स
टामिग्टिल् ... ३ ब्रैन्स
गम् सकसीया .... ३ ब्रैन्स
पीपल ..... ॥० ब्रैन्स

इन् दवाँवा को अलग् अलग् वारीक वृक्को कर्के मिला कर रख्छोडे.॥

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

पिल्लस् कोटो काम्पासि- कम्पोगड पाडर आव-टस् कम ओपिओ। चाक् विद् ओपिअम्। सिन्दी।

खड़ीमिटी की वुक्री और दवाँग के साथ कि इस् में थोड़ी सी अफिम मिलाई ऊर्ड्स है। कम्पेशिड पीडर आव् चाक ··· ६॥० औन्स

### 1 868 1

स्य अपरीम् की वृक्री .... ४ स्तुपल् इन्द्रोना की अच्छी तर स्मिला कर रख् छोडे.॥

लाटिन्। श्रंगेज़ा।

पिल्लस् जालापी काम्पा- कम्पीगड पाडर श्रावसिटस्। जालप्।

जालप् ..... ३ श्रीन्स
वैटाट्रेट् श्राव् पोटास् .... ६ श्रीन्स
- साठ ..... २ श्राम्

इन् नोनाँ को अलग् अलग् वृक्ती करे और एक साथ मिला कर रख़ कोडे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।

पिल्लस् इपीकाका- कम्पीगड पीडर आवअन्दी काम्पासिटस्। स्पोकाका अन्दा।

स्पीकाका अन्दा की वृक्षी .... १ जाम्
स्पा अपीम् की वृक्षी .... १ जाम्
स्पाद आव पोटास् वृक्षी की उन्द १ अन्दा
इन् लोना चीना का अच्छी तरह मिला कर

### । ९७२।

चाटिन्।

श्रंयेजी।

पिल्लम् कीने। काम्यासिटस्। कम्योग्ड पाँडर्-श्राव्कीने।

कोनो ..... १५ जाम् टारचीनो ... ॥० जे।न्स् सह जफीम् ... १ जाम्

इन् तंनि को जुटा जुटा वारीक वुक्री कर्के मिला कर रख् छोडे.॥

साटिन्।

अंग्रेज़ी।

णिलस् स्काम्मोनिश्चाई- कम्पोगड पाडर श्वाव कामासिटस्। स्काम्मोनी।

स्काम्भोनी व्याने महमुदा ..... २ श्रीन्स सत्त स्काहान्ट श्राव जानप्..... २ श्रीन्स साठ ..... ॥० श्रीन्स

इन् तीना को जुटा जुटा वारीक वुक्री कर्के मिका कर रख् छोडे.॥

## 1 263 1

लाटिन्। अंग्रेज़ी।

पब्लिस् द्रागाकाम्बी- कम्पोराङ पीडर आव्
काम्पासिटस्। द्रागाकाम्बाः।

हिन्दी।

कतीरे की वुक्री और दवाँवा का वुक्री के साथ मिचाई ऊदि।

द्रागाकाम्य य्याने कतीरे को वृक्षी १॥० श्रीन्स् स्केषीया य्याने वावु क की गोन्द्रे की वृक्षी ..... १॥० श्रीन्स् स्टार्च य्याने कच्य ... १॥० श्रीन्स् मिस्ती ... १॥० श्रीन्स्

कर श्रीर मिस्री को एक साथ पीस कर इस्से द्रागाक्यात्म श्रीर गोन्द को वुक्री की मिला कर रख् छोडे.॥

दशैँग के बनाने के लिये तीन किस्त का (स्पिर्ट् बाव्यन) ज्याने दाह है निखालिस दाह की (ब्रस्कादोल) कहते है जिस्तो थोड़ा पानी मिलाया उस्ते (रिक्टोफेंड स्पिर्ट्ट) कहते हैं बीर (पुफ् स्पिर्ट्ट) कहते हैं उस्तो जिस्ते वक्षत् पानी

#### मिलाया होवे.॥

ভাঠিন্।

श्रंयेजी।

स्पिएटस्।

स्पिरिट्।

फार्सी।

हिन्दी।

श्र्व।

दारू।

मुनर्जिम् का वयान्। जो टारू को आपकारी में टएकाई जाती है से अंग्रेजी जवान् में (स्पिरिट्) कहलाती है।

चाटिन्।

श्रंयेजी।

अल्लाहील्।

ञ्रस्काहील्।

हिन्दी।

चोखी दारू।

रिक्टिफेड स्पिरिह आव् हेन् · प्रेस्ट क्रोरिड आव् क्याल्सिअम् · · १ प्रेस्ड

क्षिरिष्ट आव् वेन् में (क्रोरेंड आव् क्यास्तिकम्) को डाख कर गलावे. और इस् में से सात् पैकट गांच आन्स अल्काहोच टप्का लेवे.॥

## चाटिन्।

अंगेज़ी।

स्थिरिटस् अम्मोनिङ् । स्थिरिङ् आव् एम्मोनिआ।

रिक्टिफेड स्थिरिङ् ..... ३ पैराट

सेहोक्कोरेङ आव् अम्मोनिया १ अन्म

याने नीशादर ..... १६ आन्म

पानी ... ३ पैराट

इन् सर्वा को एक साथ मिला कर भवके में

इन् सवा को सक साथ मिला कर भवके में रखे चौर तोन पैराट (स्पिरिट आव् अम्मोनिया) टएका खेवे.॥

साटिन्।

श्रंगेजी।

स्पिर्टिस् अम्रोनिङ्- अरोमाटिक् स्पिर्ह-श्रीमाटिकस्। आत् अम्रोनिया। स्रामीनी कुन्नी अर्ड् .... २ प्रम् नेम्नुका स्थिता .... ४ जीन्य

## । ९७६ ।

कार्या ने आव पोटास् व्याने साफ किया क्रश्ना क्षार ... श्रीन्स क्षार ... श्रीन्स व्याने ने शादर .... श्री पेग्ट पानी .... श्री पेग्ट पानी .... श्री पेग्ट स्परि इन सव चीजा को मिला कर कः पेग्ट स्पिर इट एका लेवे.॥

लाटिन्।

श्रंयेजी।

स्पिरिटस् अम्मोनिद्द - फेटिड स्पिरिट् आवपोटिडस्। अम्मोनिया।
हेहाक्कोरेट् आव् अम्मोनिया ... १० श्वीन्स
कार्टीनेट् आव् पोटास् ... १६ श्वीन्स
रिकटिफेड स्पिरिट्ट .... ३ पैराट
होड़ें .... ५ श्वीनेस
पानी ... १ श्वीनेस
पानी ... ३ पैराट

चे तीन पैराट स्पिरिइ टप्का खेवे.॥

## । १०७ ।

चाठिन्।

भंगेजी।

सिरिंटस अनिसे।

स्पिरिह जाव जानीम्।

हिन्दी।

टारू में टप्काइ कह साफ्।

मुझी ऊर्द साँफ् ... १० श्रीम्स पुफ् स्पिर्ट ... प्राप्ट पानी .... २ प्राप्ट

**जाटिन्।** 

पानी ...

अंग्रेजी।

स्पिरिटस् श्रामोरासिट्ट- कम्पोगड स्पिरिट् श्राव-काम्पासिटस्। श्रासरेडिस्।

हासरेडिस कि एक किसिम् ? २० द्वीन्स सहजने कला की ऋदें ... } सहजने कला की ऋदें ... } सुविसाया ऋश्वा नारङ्गी का किल्का २० श्वीन्स जायकल कुज्ञा ऋश्वा ..... ५ श्वाम् पुक्त स्पिरिट ... परिष्ठ

### 1 200

अंग्रेजी। नाटिन्। स्पिरिटस् केरू आड् । स्पिरिट् आव् करेकि। हिन्दी। टारू में टप्काया जिल्ला विलायती जीगा। विलायती जीरा कुन्ना ऋषा ..... २२ श्रीन्स .... ८ पैस्ट पुष् स्पिरिह ... ••••• ई पैग्छ . पानी ... सारित। अयेजी। स्पिरिटस् सिद्धामोमे । सिरिट् श्राव सिनामन्। हिन्दी || दारु में टप्काई ऊर्इ दार चीनी। शाहं च शाव शितमन् व्याने दार ) चीती का अतर ..... ) पुण् स्विर्हः " " म पैस्ट पानी ... १ मेस्ट

## 1 800 1

## चादिन्।

## श्रंये जी।

सिरिक्त अतिपरे काम्या- कम्योग्ड सिरिक्ट सिटस्। आव् ज्युनिपर्।

#### हिन्दी।

## मिलाया जिल्ला अरल्ल राह मैं।

अध्ितपर के पाल कज्ञा क्रञ्जा ... १५ श्रीन्स केरावे य्याने विचायती जीरा १ श्रीन्स कुज्ञा क्रञ्जा ... १५ श्रीन्स फेनिल य्याने सोवे. के वीज १ कुछ्जे क्रये ... ५ पैराट पानी ... २ पैराट

सादिन्। संगेती। स्विद्धिस् सावेगडली। स्पिर्ट्याव् लाविगडर्। साविग्धर् ताजा... २॥० पैग्छ स्विद्धिसेड् स्विस्ट्ट .... पेग्छ सानी .... ए देश्ड

# चादित्। अंग्रेजी। सिमिष्टस् मेन्ह्यो पिषिरिठी। स्थिरिष्ट आव् पिपामिसिहा भाइस भाव पिप्पमिग्ट .... ३ जाम् पुण् स्विरिङ् ... १ ग्यासन् पानी ... ु चाटिन्। श्रंगेजी। स्मिरिटस् मेन्धो विरिडिस्। स्पिरि इ चाव् स्पि अभिग्छ। इिन्दो। पुदेने का श्वतर दारू में टप्काया इस्था। आइं ख्राव् स्पिश्वमिग्छ } व्याने पादीने का अतर ... प्रक् सिर्इ … अंग्रेजी । बाटिन् । स्पिरिटस्मेक्यो प्युचीज्ञिश्वाई। स्पिरि हश्चाव् पेनीस्यस।

बाइ व बाव्येनीस्थल .... इ बाम्

## । २०९ ।

यु <b>फ् स्पिरि</b> इ ·····	८ पैग्ट
पानी	१ पैराट
चाटिन्। —	ञ्चंयेजी।
स्पिरिटस् मैरिष्टिसी।	स्पिरिट ञ्चाव् नद्मेग्।
	न्दी।
जायफंच दारू	में टएकाया ज्ञञ्जा।
जायफल कुन्ना क्रश्रा	····· २॥० श्रेन्स
पुफ् स्पिरिङ	८ पैगढ
पानी …	९ पैस्ट
—- ভাহিন্ ।	इंग्रेज़ी।
स्पिर्टस् पैमिएटी।	स्पिरिह् आव् पैमिग्टा।
पैमिग्रा कुज्ञा ऋश्रा	२॥० श्रीन्स
पुष् स्पिरिङ्	••••• ८ पैग्र
पानी	१ पैगट
_	<del></del>
<b>लाटिन् ।</b>	अंग्रेजी।
स्पिर्टस् रोजमारीनै	। सिरिह ञ्चाव् रोजमेरी।
	<b>,</b>
बाइल बाव्राज़मेरी	२ जःम्

पानी ... १ पैग्र

इन् वारह दवाँवा को टएकान के लिये एही तरकीव है हर एक को धीमी बाँच पर वैठा के एक एक ग्यालन् स्पिरिष्ट टएका लेवे.॥

बाटिन्। सैर्पे। ्ञंयेज़ी। सिरप्।

हिन्दी।

पाग्याने पानी में मिसी या चीनी पकाई इहरें।
पाग् को ऐसी जगह में रखे कि उस की गर्मी
का अन्दाजः (धर्मामेटर) से पचपन दर्जीः से जियादः
न विहे.॥

चाटिन्। सैरपस्। अंग्रेज़ी |

विरए।

हिन्दी।

मिस्ती का निश्चा पाग।

मिस्री ... १० पै

पानी ... इ पैराह

पानी में मिस्रो को धीमी आँच से गलावे. और पाग नैयार करे॥ चाटिन्।

श्रंयेजी।

सेर्पंस् अन्धोई। सिर्प् आव् मार्धमास्त्रो। खन्मी की जड् कुन्नी क्वई ..... प्रशिक्षी स्त्री .... प्रशिक्षी हैं। पानी ... ४ पैग्छ

खन्मी को जड़ को पानी में पकाव. जब कि
आधा पानी ज्वल जावे. तव आँच से उतार कर
रख़ कोडे. जब कि यह ठगड़ा होजावे. नव इस
को काँन के अरक को चीवीस घगटे तक रख़
कोडे. ताकि गाद वैठ जावे और इस निष्या उड़आ
अरक को उड़ेल कर मिसी डाल कर पाग के
माफिक कर लेवें.॥

चाटित।

श्रंगेजी।

सैर्पस् आग्निसआई। सिर्प आव् आरझ (पीन)

हिन्दी।

नारङ्गी के किल्के का पाग्। नारङ्गी का नाज़ां किल्का ..... शा॰ श्रीन्स

## । २०४।

खोता जिश्वा पानी ..... १ पैराट मिस्रो .... ३ पैराड

खै। खा उड़ आ पानी में नार की के कि को को एक घोड़ा वन्द किया उड़ आ वर्तन् में वार ह घर एे तक् भिगा कर निघा उड़ आ अकी को उड़ेल के इस में मिस्ती मिलावे. ॥

लाटिन्। सैरपस कासै। श्रंयज्ञी।

सिर्प् ञाव् सञ्जफर्न्।

#### हिन्दी।

## केशर का पाग।

केशर ... १० जाम् खैला क्रजा पानी ... १ पैगट मिम्हो ... ३ पैगह

खीला ऊषा पानी में केशर की एक थे। डा वन्द किया ऊषा वर्तन् में वारह घराटे तक भिगा के पानी की निष्यां श्रीर इस् निष्या ऊषा पानी म मिसी मिसावे।। चाटिन्। संर पंच चैमोनम्। ञ्जंगेज़ी।

सिरप आव् नैमन्स।

हिन्दी।

नेम्बू के रसका पाग्।

नेम्बूकारसङ्गा उङ्गा ..... १ पैग्र मिसी ... २॥० पैग्रड

नेम्बू के रस में पानी को धीमो आच से गना के वारह घरारे तक निराने में रखे इस् के वाट फेन को निकान कर साफ पाग् को रख् छोडे.॥

चाटिन्।

अयेजि ।

सैरपस् मारै।

सिरप् आव् मल्वेरी।

हिन्दी।

सत्त के रस का पाग।
सत्त का रस छाना ऋश्वा ..... १ पैग्ट
सिस्ती ... ... २० दै।गड़
मिस्तो को सन्त के रस में धीसी भाष से

#### । २०६ ।

गला कर वारह घराठे तक निराले में रखे इस् के वाद फोन को निकाल कर साफ पाग को रख् छोडे.॥

चाटिन।

अंग्रेज़ी।

सैरपस् पेपाविरिम्।

सिर्प् अव पाणी।

हिन्दी।

## पास्त का पाग्।

पोस्त को ढेढ़ी ... '.... ३ पै। गृड मिस्ती ..... ५ पै। गृड खै। द्वा जुड़ा पानी ..... ५ ग्यां बन्

गोस्त को पानी में पकावे. जब दो ग्यानन् पानी रह जावे, तब इस की श्रांच पर से उतार कर कपड़े. में रस को श्रांग पोस्त को डान कर जार से निचाड़ कर इस्रस को दूसरी वार उसी नरह पकावे. जब की चार पैगट पानी रह जावे. तब श्रांच से उतार के उसी वक्त गर्मा गरम छान

नेव. श्रीर वारह घरहे तक रख् होडे. जव कि गाद वैठ जावे. तव निश्रा क्रश्रा रस को उडेल कर तीसरी वार फिर पकावे. जव श्राधा पानी ज्वल जावे. तव इसी मिसी डाल कर पाग नैयार करें॥

लाटिन्।

अंगेजी।

. सेर पस् राम्ने।

सिरप् ञ्चाव् वक्षार्ते।

वक्ष्याने का ताज़ एस ..... ४ पैराट साँठ कत्ना किया उत्त आ ..... ६ जाम् पैषिराटा वृक्की किया उत्त आ ..... ६ जाम् भिन्नी ... ४ पौराड

हस् को तीन रोज तक् रख् छोडे, ताकि गाट वैठ जावे. तिस् पोछे रस छान लेवें होए एक पैश्ट रस में साठ द्वीर (पैमिग्टा) को चार घगटे तक् धीमी द्वाच के पास मिगा कर छान लेवें. वाकी रस की द्वाच पर पकावे. जब कि डेट पैग्ट रह जावे. तब इस्को द्वाच पर से उतार

#### । २०५ ।

कर पहले के साथ मिलावे. श्रीर इस में मिस्री डा ब कर पाग तैयार करे॥

चाटिन्।

ञ्जंग्रेज़ी।

सैरपस् रीश्वाडास्। सिरप् श्वाव्रेड्पाधी।

### हिन्दी।

पोस्त के बाच फूल् को पख्ड़िया का पाग। पास्त के जान फान की पर्खाइयाँ " १ पै। एड खै।त्रा ऋश्रा पानी · · · · · १ पैग्ट मिस्री … ... र∥० पे।गड

खैं ने पानी को पानी के जनार की श्रांच से खैला क्रञा रखे श्रीर इस्रे थोड़ी थोड़ी पखड़ियाँ डाल कर वार वार चलाते रहे वाद इस्के श्वांच पर से उतार कर वारह घरहे तक रहते देवे. ताकि परवृद्धिया पानी में भिगती रहे और इस् के वाद पानी श्रीर पखड़ियाँ को का एक कपड़े. में डास कर खूव निचोडे. ताकि पख्डिया से रस्

## 1 200

स्व निकास कावे. श्रीर इस की रख होडे. जव गारू वैक जावे. तब निशा ऊश्रा रस की उड़ेब के इस में मिसी डाल कर पाग तैयार करें॥

साटिन्।

ं अंग्रेज़ी।

सैरपस रोजी।

सिरण् श्राव् रोज्।

हिन्दी।

गुलाव् की पख्डियाँ का पाग्।

गुनाव की पर्वाइयाँ सुखाई उन्हें ७ श्रीन्स मिसी ... ६ पैग्रिड खोला उन्हां पानी .... ६ पैग्रिट

यानी स प्रवृद्धिंग की वारस घराटे तक मिगा कर कांत्र सेवे. बीर पानी को जन्तर की बाच से प्रकार जन कि दो गैसट उनल जावे, तब इस्हें शिक्षी डाक के पांग तैयार करें ॥

#### 1 220 1

चाटिन्।

चंबेजी।

सेरपस् सार्जी। सिरप् आव् सार्धापारिस्ती। हिन्दी।

उशव याने सास्से का पाग्।

सास्सा कत्ना किंया उड़ आ ..... १५ श्रीन्स रहे। त्ना उड़ आ पानी ... .... ८ पेराट मिस्ती ... १५ श्रीन्स

पानी में साल्से की चौवीस घर्ग्टे तक भिगा कर पकावे. जाव कि आधा पानी ज्वल जावे. तव आँच से उतार कर गर्मागरम धान लेवे. और इस्में मिसी डाल कर पाग् तैयार कर ले॥

्बाटिन। बैरपस् सेन्नो। श्रंयेज़ी। सिरप् आव् सेन्ना।

· हिन्दी ।

े सना का पाग्।

सता ... रा भारतीय

## 1 299 1

फेनिक काने से आ ..... १० आम् म्याद्वा व्याने शोर खिसा ..... ३ श्रीन्स मिसी ... १५ श्रीन्स पानी .... १ पैशह

सना और से आ को पानी में धीमो आँच से एक घराटे तक पका कर छान लेंब, और शिरिक्स और मिसी इस्में डाल कर पाग् नैयार करें।

चाटिन्। श्रंथेज़ी।
सैरपस् टोजुटानस्। सिरप् श्राव् टोलू।
वाससम् श्राव् टोलू ..... १० प्राम्
खैला अश्रा पानी ..... १ पैग्रह
भिसी ... २॥० पैग्रह

पानो और (बान्सम् टोलू) का एक वासन में डाल कर जाए के आधे घरटे तक पकावे. और वार बार दसों से हिलावे. तिस पीछे आँच पर से उतार कर रख छोडे. जब कि ठरडा होजावे. तब छान के इस रख में मिसी डाल के पाग नेकार करें।

## । २९२ ।

लाटिन्। अंग्रेजी। रैरपस् जिझिविरिस्। सिर्प् आव् जिझर। हिन्दो।

अदरख् का पाग्।

अदरख् काला की ऊर्ड ..... २॥० श्रोन्स खोला ऊश्रापानी ..... १ पैग्रह मिस्री ... २॥० पैग्रह पानी में श्रदरख् को चार घग्रहे तक् भिगा कर

धान खवे. श्रीर मिस्री डाख कर पाग तैयार करें॥

साटिन्। टिन्कखुरी। श्वंग्रेज़ी । टिन्कट्युर्ज ।

मुनर्जिम् का वयान्। जो दवा कि दारू में भिगाइ इह होवे से। अंग्रेज़ी जवान में उसी दवा का (टिन्क ट्यूर) कह्लाता है॥

टिन्कट्यरा अलोइज्। टिन्कट्यर आव् एलोज्। हिन्ही।

मुसबर दाक् में भिगाया ऋशा। मुसबर को वुक्रों ... १ श्रीन्य

# । २९३ ।

मुसहटो का सत्	****	३	श्रीन्स
पानी	• • • • • •	٦١١	पेग्ट
रिक्टिफेड सिरिङ् …	••••	-	० पैराट
,		••	
<b>लाटिन्।</b>	3	ष्येज़'	[]
टिम्बट्युरा श्रुबोई ज्र्-	कम्पेग्राड	टिन	कट्युर-
काम्पासिटा।	ञ्चाव्	एर	ोज़् ।
हिन्दी	ì	•	•
• •			~
मुसंबर दूतरी दवाँवा		दारू	म
भिगाया ङ	ह <b>ञ्चा</b> ।		
मुसब्बर की वुक्री	*****	Я	श्रान्स
केसर	*****	र	श्रान्स
टिन्बट्युर् आव् मर् …	• 4 • • •	₹	पैग्ट
		_	
चाटिन्।		अंगेर	ी ।
टिन्क खुरा श्वासाफोटडी।	टिन्व	ट्युर	স্থাব-
		•	टिडा ।
हिन्ही।			
हिङ्ग दाक में भिगाई ऊई।			
<b>医</b> 茅 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		ેય	श्रान्स
रिक्टिफेड स्पिरंड	••••	æ.	पैसर

### । २९४।

लाटिन्। अंग्रेज़ी । टिन्कट्युर ओग्निस्याई। टिन्कट्युर आध्यारस्य (पील)।

#### हिन्दी।

चाठिन्। श्रंगे जी।

टिन्क ट्यार वाबसे में टोज़- टिन्क ट्यार श्राव् वाबस मटाने। श्राव् टोजु।

वाजसम् श्राव् टोजु ..... श्रेशोन्स

रिक्टिफीड स्थिरिट् ..... १ पैश्ट

बाटिन्। श्रंयेज़ी। टिन्क ट्युग् वेड्रोइ नै- कम्प्रेग्ड टिन्क ट्युर-काम्पासिटा। श्राव् विङ्गोइन (

हिन्दी ॥
दारु में भिगाया अश्वा नोबान् श्वीर दवाँवा
के साथ ।
विद्वोद्दन व्याने नोबान ....ं ॥ श्रीमा

# । २९४ ।

~w	<b>-</b>		
स्टोसक्स झॅना उत्रश्चा	२॥० ब्रीन्स		
बास्सम् आव् टोलू	••••• १० ज्ञाम्		
मुसबर चाने राजुवा	५ जाम्		
रिक्टिफेंड् स्पिर्ट	····· २ पैग्ट		
<b>बाटिन्</b> ।	अंगेज़ी।		
टिन्कट्यूग के लम्बी।	टिन्कट्यूर आव्केलमा।		
के लम्बा कला की उन्हर	•••• इ द्वीना		
युक् स्विरिङ् …	•••• र पैराट		
<b>लाटिन्।</b>	श्रंगेजी।		
टिन्कखुर काम्फोरि।	टिन्क छार् श्राव् काम्फर्।		
काफूर	५ ब्रीन्स		
रिक्टिफैंड् स्थिरिड	२ पैराट		
लाटिन्।	श्रंयेज़ी।		
टिन्कड्या क्याम्प्रीरी-	कम्यो <b>गड</b> टिन्कट्यूर-		
<b>बाम्पासिटा।</b>	ञ्चाव् काम्पर्।		
<b>स्टि</b> ।			
मिलायां ऋषां काफूर दारू म बीर			
,दवाँवा के साथ।			
का पहुर	२॥० स्मापिल्		

## । २१६ ।

····· ७२ घेन् ञ्चपत्न की वुक्री ... •••• ७२ येम् विच्चोइक श्रसिड् … **ष्ट्राव् श्राव् श्रातस्** पुफ् स्पिरिइ … अंग्रेज़ी। साटिन्। टिन्क खूर् कान्धारिडिस्। टिन्क खूर् ञ्चाव काम्यारे डिज़्। हिन्दी। तेखो मखी टारू म भिगाई ऊई। तेस्ती मली कुच्ची उड्ड ..... ४ जाम पुफ् स्पिरि " अयेजी! चाटिन्। टिन्कट्यूरा काप्सिसे। टिन्कट्यूर श्राव् काप्सिकम्। हिन्दी। लाल मिर्च दारू में भिगाई अई। बास मिर्च कुन्नी ऋईं "" पुण स्पिरिह ... र

### । २१७।

अंग्रेजी। बाटिन्। टिन्क ट्यूग कार्डिमामे। टिन्क ट्यूर आव कार्डिमम्। हिन्दी। , इनायची दारू में भिगाई ऊई। अंग्रेजी। • टिन्कट्यम् कार्डिमोमे- कम्पीगड टिन्कट्यूर-ञ्चाव् कार्डेमम्। काम्पासिटा। हिन्दी । इ लायची और दवाँवा के साथ दारू में भिगाई ऋई। इसायची कुन्नी उन्हें ..... र ॥० जाम् केरावे. य्याने विलायती जीरा } २॥० जाम् क्वा ऋषा ... कार्जनोच याने किम् दाना वक्री } १ जाम् दारचीनी बुझी ऊर्ड "" ५ डाम् वीज निकाचा ऋश्रा मुनका व्याने रे प्रश्रीन्स किश्मिस् …

D 2

#### । २९८ ।

पुफ् स्विरिष्ट ... र पैग्ट श्रंग्रेजी। चाटिन्। टिन्कट्यूर कास्त्रेरिस्त्री। टिन्कट्यूर श्राव्-क्यास्केरिस्ता। पुष् स्पिर्ह ... २ पैस्ट श्रंयेज़ी। चाटिन्। टिन्क ट्यूरा काष्टोरी बार्। टिन्क ट्यूर बाव काष्टर। काष्टर वृक्ती किया ऋश्वा ..... २॥० श्रीन्स चाटिन्। टिन्कट्यूग केटिका। टिन्कट्यूर आव् केटिका। हिन्दो। कथ दारू में भिगाया क्रञा। .... हा जाना

## । इंट्र

यारचीनी कुल्ली उन्हर् ..... २॥ श्रीन्स् पुष्-स्पिरिह ... २ पैस्र

चाटिन्।

अंयेज़ी।

टिन्क ट्यूग सिन्को नी। टिन्क ट्यूर ञ्चान् सिन्को ना। सिन्को ना व्याने वार्क कुड़ी किया उहा का क्रिको ना पुफ् स्थिरिट .... २ पैग्र

साटिन्।

अयेजी।

टिन्क खारा सिन्के नी- कम्पीगड टिन्क ट्यार इत-काम्पाविद्य। सिन्के ना।

## । र्रं

श्रंग्रेज़ी। **जाटिन्।** टिन्क ट्यूर सिनामोमे। टिन्क खूर आव् सिनामन्। हिन्दी। दार्चीनी दारू में भिगाई ऊई। टार चीनी कुन्नी ऊर्ड ..... ३॥० जीना पुफ् स्पिर्ट्ट … श्रुंग्रेज़ी। चाटिन्। टिन्कट्यूस सिद्धामामे- कम्पीगड टिन्कट्यूर-काम्पासिटा । ञ्चाव् सिन्नामन्। हिन्दी। दार्चीनी श्रीर दवाँवा के साथ दाक्त में मिलाई ऊई।

दारचीनी नुज्ञी ऊर्ड ..... १ ज्ञान्स इ लायची नुज्ञी ऊर्ड ..... ॥० ज्ञान्स पीपल ..... २॥० ज्ञाम् साठ काला किया ऊजा ..... २॥० ज्ञाम् पुष् स्पिरिङ ..... २ ज्ञाम्

#### 1 779 1

## चादिन्।

#### अग्रेज़ी।

टिन्कंट्या काविचसे। टिन्कट्यर श्वाव मेडोसाफरन मेडोसाफ्रन् को वो ज् कुङ्को की उन्हें ५ श्रीन्स पुफ् स्थिरिट ... २ पैग्र

चाटिन्।

अंग्रेजी।

टिन्ट्यूरं काल्किसे काम्पा- कम्पीगड टिन्ट्यूर श्वाः सिटा। मेडोसाफ्रन्।

मेडोसाफ्रन् को वीज् कुन्नी ऊर्ड ५ श्रीम श्रारामाटिक् स्पिरिट् श्राव् श्रम्मोनिया २ पैग्ट

चाढिन्।

श्रंयेज़ी।

द्विन ट्यूग कोने। टिन्कट्यूग द्वाव हेमलाक् ह्वेमलाक् की पत्तियाः सुखलाई ऊर्ड ५ द्वीन इलायको कुद्वी ऊर्ड ... १ द्वीन पुष् सिरिट ... २ पेग्र

#### । रहरा

अंग्रेज़ी। चाटिन् । टिन्क ट्यूग क्ववेवी। टिन्क ट्यूर श्राम् क्ववेव। कावाव्चिनो कु ज्लो उन्हर् ..... ५ ज्ले निस् रिक्टिफीड् स्पिरिट् .... २ पैस्ट अंयेज़ी। चाटिन्। टिन्कट्युग डिजिटालिस्। टिन्कट्यूर ञ्चाव् फाक्राखव। फाक्सम्बव का सुखलाया ऊचा । ४ च्रान्स प्तिया ... पुफ् स्पिरिङ् ... र पैग्ट इंग्रेज़ी। (, चाटिन्। टिन्क ट्यूग गास्त्री। टिन्क ट्यूर श्वाव् गान्स। माजूपाल नुज्ञी ऋद ... ५ श्रीन्स

पुष्रिह ...

•••ं•• र पैस्ट

## । २२३ ।

#### वाहिन्।

#### अंग्रेजी।

टिन्बंट्यूस जेन्सियाने- कंम्पोगड टिन्कट्यूर-ञ्चाव् जिन्ही एन्। काम्पासिटा। जिन्सी एन् की जड़ कला की ऊर्ड २॥० श्रीन्स नारङ्गी का किल्का सुखनाया जिश्रा १० इलायची कुझी ऊद पुफ् स्पिरिङ् …

## बाटिन्।

#### इंग्रेज़ी।

टिन्कट्यूरा खायसै। टिन्कट्यूर ञ्चाव् खेम्कम्। ग्वेग्कम् कुन्नी उन्हें .... ७ श्रीन्स रिकटिफैंड स्पिरिट

काम्पासिटा।

अंग्रेज़ी।

टिन्क ट्यूरा खासे- कम्पीराड टिन्कट्यूर श्राव-ग्वेस्कम्।

म्बेर्कम् कुड्डी ऋई .... ७ द्वीन्स श्रारीमाहिक् स्पिरिह श्राव् श्रम्मोनिया. २ पेख

#### । ययभ्रा

#### चाटिन्।

अंग्रेज़ी ।

टिन्कट्यूग हेस्तिवारे। टिन्कट्यूर आव् हेस्तिवार।

हेस्लेवोर् कुन्नी को ऊर्इ ..... ५ त्रीन्स पुर्फ्स्पिरिङ् ... २ पैराट

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

टिन्कट्यूग हैवे से अमे। टिन्कट्यूर श्राव् हेन्वेन्।

चाटिन्।

श्रंगेज़ी।

टिन्क ट्यूग ज्ञानापी। टिन्क ट्यूर आव जानप।
जानप् मुझी उन्हर्

पुष स्थिरिह " र पैस्ट

# । २२५ ।

बाटिन्।	श्रंयेज़ी।		
टिन्केट्यूग किना।	टिन्क ट्यूर	ञ्चाव	किना।
किना कुन्नी ऋद् …	•••••	₹    °	
रिक्टिफेंड् स्पिर्ट	•••••	र	पैगट
<u></u>			
चाटिन्।		ञ्जंयजी	
टिन्कट्यूरा चेवेगड्युची का	म्पा- कमी	गाड टि	त्कट्यूर-
. सिटा।	习	व सेवेर	हर्।
स्पिरिङ् श्वाव नेवेगडर	*****	عرااه	पैग्ट
स्पिरिङ् श्वाव् रोज्मेरी	•••••	110	पैग्ट
मुद्री ऋद् दार्चीनी	•••••	२॥०	ब्राम्
जायफल कुंजा ऊश्रा	*****	2110	जाम्
रेड्साग्डर्स य्याने रक्त <del>यन्द</del> किया ऋश्वा · · ·	(न कत्बा ) }	ય	द्राम्
_	- <del></del>	_	
ভাহিন্।		<b>अंग्रे</b> ड	វិ៖
टिन्क रायू नुपुनि ।	टिन्क ट्यू	•	-
हाप्स · · ·	*****		श्रीन्स्
पुण् स्पिरिङ्	•••••	र	पैराट
]	E 2		

# । २२६ ।

चाटिन्।	श्रंयेज़ी।	
टिन्कट्यूग मिरी।	टिन्कट्यूर ञ्चाव् मर ।	
हि	न्दी।	
बोल दारू में	भिगाया ऋषा।	
मर् मुज्ञा उहञ्चा	३ द्वीत्स	
रिक्टिफेंड् स्पिर्इ	२ पैग्र	
चाटिन्।	अंग्रेज़ी।	
टिन्कट्यूरा स्रोपिस्राई।	टिन्क ट्यूर श्वाव् श्वापिश्वम्	
हि	न्दी ।	
अफ्यून् टारू में सपा अफ्यून् की वृक्री	मिगाई ऊई।	
सपा इपयून् की वृक्री	···· ३ श्रीन्स	
पुष् स्पिरिष्ट · · ·	••••• . र् पैगढ	
<b>चाटिन्।</b>	श्रंयेजि ।	
टिन्क दृश्ग रिश्वाई काम्प	ा- कम्पोग्ड टिन्करुपू	
िसिटा ।	ञ्चाव रह्याव 🗸	
स्टि।		
रेवन्द्रचीनी <b>ची</b> र द	वाँवां के साथ दारू में इन्हें।	
रेवन्द चोमी कला की उ	इदं २॥० श्रीम	

## । २२७ ।

मुलहटी नुझी की उन्ह 💮 💛 🗧 प्राम् साठ कला की ऋइ ... .... इ जाम् ··· ३ जाम् केशर … 

चाटिन्।

अंगेजी।

टिन्कट्यूग सिद्धी। टिन्कट्यूर आव् स्कुइल। ताज़ा सुख्नाया ऋत्रा स्नुद्न … ५ त्रीना पुफ् स्पिरिष्ट ''' ---- र पैग्छ

साटिन्।

अयेजी।

टिन्कट्यस सेन्नी काम्पा- कम्पीगड टिन्कट्यूर सिटा।

अव सेना।

हिन्दो।

बना दारू में भिगाई ऋई। .... ३॥० श्रीन्स सना

करावे य्याने विचायती जीरा कुचा )	३॥०	ड़ाम्
इलायची कुन्नी ऊर्ड	٩	द्राम्
वीज् निकाला क्रञ्जा मुनका याने ?	ય	श्रीन्स
युफ् स्पिरिङ्	ঽ	पैग्ट

चाटिन्।

अंग्रेजी।

टिन्कट्यूग संपेग्छरी। टिन्कट्यूर आव् संपेग्छरी। संपेग्डरी कुन्नी क्रई ..... ३॥० आन्स पुष् स्पिर्ट .... २ रैग्छ

नाटिन्।

श्रंयज्ञी।

चाटिन्।

श्रंगेजी।

टिन्कट्यू रा वेनोरिश्वानी- कम्पीगड टिन्कट्यर श्वाव्-काम्पासिटा। वेनीरिएन्।

वेलीरिसन् कुन्नी उन्हर् ..... ५ ज्ञान्स श्रारोमाटिक स्पिरिट श्राव्श्वम्मो १ पैग्ट निया ....

चाटिन्।

श्रंयेज़ी।

ं टिन्कट्यूर जिझिविरिस्। टिन्कट्यूर श्राव् जिझर।

हिन्दो।

साँठ दारू में भिगाइ जिड़ी

साँठ कन्त्री की उन्हर् ..... २॥० श्रीन्स रिक्टिफीड् स्पिरिट्ट ..... २ पैस्ट

वन तेना विस् टिन्क ट्यूगको बनान के लिये एक ही नकीं व है कि हर एक की चैदिह रोज टारू में भिगाय रखें श्रीर कह एकवार हिलाने रहे इस्के बाद छान ले में लेकीन (टिन्क ट्यूर श्राव बालसम् श्राव टोलू) बनाने की नकीं व यह है कि

# । २इ॰ ।

स्पिरि इ में वालसा को भिगावे. श्रीर जब गल जावे. तवं कान लेवें. श्रीर (टिन्क ट्यूर श्राव क्याम्फरं) जव वनावे तव काफूर को स्पिरिट में मिलावे नाकि काफूर गल जावे. यह दो दवाँवा एक रोज में वन्सका है॥

चाटिन्।

श्रंयेजी।

टिन्कट्यूरा अम्मोनिइ - कम्णे गड टिन्कट्यर आव्-

काम्पासिटा। श्रम्मोनिया (इडुनुस्)।

माष्टिक य्याने रूमी मस्तगी ..... २ जाम् रिक्टिफेंड् स्पिर्ह ... १ अम् श्वाइल श्राव् लाविगडर ..... १४ वृन्द कृग सेल्भन् भाव अमोनिया ... १ परेट

स्पिरि इ में माश्विक की भिगारखे जव् कि यह घुन जावे तव निष्मा लेवें श्रीर इसि में श्रीर दवाँवा को डाच कर दिलावे और रख छोडे।

## 1 256 1

बाटिन्। अंग्रेज़ी।

टिन्कट्य्स ऐवाडिनिश्चाई - कम्पीसड टिन्कट्यूर - काम्पासिटा। श्वाव ऐवाडिन्।

ग्रेवाडिन् .... १ श्वान्स

ऐवाडिड श्वाव पोटास्सियम् .... २ श्वान्स

रिकटिफेड स्पिरिट् .... २ पेसट

इन् नीना को मिलाबे श्वार जब गल जावे

तव अंन लेवें।

जड़ी वृदियाँ के जमश्र करें का तोर।
नवातात् यश्रने जड़ी वृदियाँ जिन् जगहाँ में कि
श्राव से उत्ती हैं उन् जड़ी वृदियाँ को जव्
कि श्रावात् साफ होवे. श्रीर में ह श्रीर कुहासा
श्रीर पानी से भोगी नहों ते. तव् उन्हीं जगहाँ से जड़ी वृदियाँ को लेना चाहिये श्रीर ये जड़ी वृदियाँ वश्रद एक वरस के निकम्मा होजाती हैं द्वीलिवे इन का फेंक्रा जहर हैं॥

जड़ को टहनी और पताँ के निकले के आगेही लेना चाहिये.।

(वार्क) यञ्जूने छाल को जिन् दिना में कि ऐड़

## । २३२।

से जासानी से निकल् सके उन्ही दिना में छील् कर रखेंवा।

पितियाँ की फूर्ला के खिलने के वञ्चार श्रीर बोज् के पक्ने के श्रागे जमश्र करें।

पूर्वां को खिखे के वक्त जमश्र करें।

वीज को फल के पक्ते के पोक्टे दरएत से ले लेवें. श्रीर फलियाँ श्रीर धैलियाँ श्रीर क्लिं। हो में रहते दें॥

जड़ो वूटियाँ के रख़ने का तीर।

वे. जड़ी वृटियाँ कि जमञ्ज की जाती हैं उन्की इती धीमी ञाँच से सुखाँव. कि रंगत् उन् की तहील न होजावे. श्रीर इन् जड़ी दृटियाँ की सन्दक् में वन्द करें ताकि हवा श्रीर रीशनी से वची रहें।

किन् जोडाँ. को कि नाज़ा रख्वा चाहेँ छन्को सूखे वानू में गाड़ कर रखेंबँ. श्रीर नाज़ी कन्द्री का स्तपर का किस्का निकास कर कला करें सुखोंबँ.।

## । २३३ ।

गूदेवाले फॉलाँ की अगर कचे होवँ. या पक्कर सूख गए होवँ तो भीगी जगह में रखेँ, ताकि मुलायम होने के वज्रद वारोक केंद्र की क्ली से कर के धीमी आँच पर पकार्वें. और चलाते रहें इम के वज्रद जो पानी कि गूदे में रह जावे. उस को पानी के जनार से ज्वलावे. नाकि गूदा गाढ़ा होजावे.।

अमलास की फिलियाँ को कुचल कर इन् में खेला पानी डांनें ताकि गदा इस का पानी में मिल्जावे और इस घुने ऊहर गूदे की पहले मोटी छंली से और पीके महीन केद की छली से कान के पानी के जन्तर के वसीने से इस मिले उक्कर पानी की ज्वलांवें ताकि गूदा गाहा हो जावे. !

पको और ताने फोना के गूटे को विटून पकाने क इस्त्री से झान कर रखें।

(२ गम् ॰ रेजिन।)

मुतर्जिम् का वयान्।

जो चीज कि उस में गोन्द और (कराइन) अस्ली मिला हैं। वे, उस को अंग्रेज़ी जवान में श्रीर दवासाजी की इस्तिलाह में (गम् रेजिन्) कहते ह जैसा कि हीड्र श्रीर (गाएकम्) श्रीर श्रफीम् वगैरः है।

जो नाकिस् चोजें कि अफीम् में मिलाई जाती ह उन् की निकाल् डालें नाकि निराली अफीम् रहजावे. अफीम् को दो तरह से रख्वा चाहिये एक तो मुलायम कि उस् से गोलिया वंध सकें और दूसरा स्व कि उस् को पानी के. जन्तर की गर्मी के अन्दाजे से सुखाया होवें. ताकि इस् की वुक्रो वन् सके।

जो (गम् रेजिन्) कि ऐसा साफ् होने कि उस् की श्रीर साफ् कर्ना दर्कार होते. उस की चन् कर ले लेंब. श्रीर जो (गम् रेजिन्) कि साफ् मयस्मर न होते. तो चाहिये कि पानी में उस को पकात. जब कि यह मुलायम् होजाते. तव उस को कपड़े. में रख कर निचोड़ इस के वश्रद जो चीज कि इस में रख को सी है सो पानो में वैठ जावेगी तिस पोष्टे पानी को दूसरे वर्तन् में डाल कर धीमी श्रांच से ज्वलाते. जब कि गोन्ह

## । २३५।

कि पानी में घुला उड़ाओं है गाढ़ा हो जावे. तव उस्को टूसरी चीज में कि राल् की से खूव मिला कर रख़ लें वें।

श्रीर जो (गम् रेजिन्) कि श्रांच के करें से श्रासानी से गुसा है उस् की फ्रक्रे में डाज कर खैं। को पानी में रख्वें. जव कि यह चीज़ नरम् होजावे. तव उस् की मोटे कपडे. में रख् कर बिचीडें, नाकि यह चीज़ मैल् से साफ् होजावे.।

(ष्टूरिक्स वान्सम्) को कि (रिकटिफेड स्पिर्ट् श्वाव वैन) में घोल कर हाँन ले श्वार इस को धीमी श्वाच से इला पकावें, कि (ष्टूरिक्स बाल्सम्) गाएं। होजावें॥

) वैना। इंयेज़ी। वैन्।

यह दवाओं जिस को वैन् कहते हैं ठेपीटार शौशे में जरूर वनाने चाहिये और नैयारी के बस बार वार हिंसामा चाहिते.॥

## । २५६ ।

अंगेजी। चाटिन्। वैत् भ्राव् श्रालीज्। वैनम् अलोई ज्। मुसबर वुक्री की ऊई ..... २ श्रीन्स क्यानेह्ना वृक्ती की उन्हर्न .... ४ जाम् ..... २ पैराट शेरीवैन् … अंग्रेज़ी। चाटिन्। वैतम् काल्चिसे। वैन् श्वाव् मेडोसाफरन्। मेडोसाफरन् की गाठ सुखलाई } ८ श्रीन्स शेरीवैन् ... श्रंयेज़ी। चाटिन् । वैन् ञ्चाव् इं ी-वैतम् इपोकाक्युञ्चान्ही। काक्यू अन्हा । इपीकाक्यू बन्हा कुझी क्वाई र॥० श्रीन्स ...., '२ पैग्र शेरीवैन् "

श्रंयेजी। चाटिन्। वैन् ञ्चाव् ञ्चापिश्चम्। वैनम् ञ्रापीञ्चाइ । णुरी फैड् सकादाक्ट आव् श्रीपश्रम् र् ॥० श्रीत्म दार्चीनी कुन्नी ऊर्दे ..... २॥० दाम् बोङ्ग बुझी ऊई ... ..... २॥० जाम् ... .... २ पैत्र श्रीवैन् ... अंग्रेजी। नाटिन्। वैनम् विगद्रे। वैन् ञ्वाव् वैहट् हेलेवे।र्। वैहट् हें लेवार काला की ऊर्द ... ८ ज्रीन्स शरीवैन् ... ••••• २ पैग्छ इन् पाँच (वैनाँ) को वनाने के निये एकही तकीं व हैं कि हर एक के। चौदह रोज तक वैन् में भिगा कर रखे इस के बाद छान से वें.॥ चाटिन। श्रुयेजी। श्राइ ग्रमेग्र। श्रुत्युद् रहि। हिन्दो।

#### । २३८ ।

खाटिन्।

अंग्रेज़ी।

अगुर्स्टम् अस्टिमेनि- आइस्टिमेस्ट आव् पेटा आई पोटास्मिश्री- स्मिश्री टाईह आव्-टाईटिस्। अस्टिमोनी।

पोटासिश्चा टार्ट्स श्वाव श्वशिट- } १ श्रीन्स मोनी वृक्री की ऊर्ड् ... ४ श्रीन्स चर्वी ... ४ श्रीन्स इन् दोना को मिनावाँ.॥

चारिन्।

इंग्रेजी।

श्रुगुर्ग्रम् काम्यारेडिस्। श्रार्ग्रमग्र श्रोव-काम्यारेडीज्।

#### हिन्दी।

तेखा मली का मरहम्।

तेखा मली वारीक वृक्ती की ऊर्इ ... १ श्रीन्स

टएकाया ऊश्चा पानी .... ४ श्रीन्स

विरोद श्राव रेजिन .... ४ श्रीन्स

पानी में तेखी मली की वृक्ती की पकावे. जव

## । २३७ ।

कि श्राधा पानी ज्वल जावे. तव छान लेवे. श्रीर श्रीर इस छाने ऋवे. श्रक में सिरेड की पिद्धा कर जव तक कि पानी सूख न जावे. श्रीर मरहम् गाएं। न होजावे. तव तक श्रीच करें रहै॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
अन्गुद्रश्टम् सिटासिश्चाई। स्पर्मासिटी आट्रश्टमेग्छ।
स्पर्मासिटी ... ६ जाम्
स्पेर मोम ... २ जाम्
आविव जाइ च व्याने जन्पाई ) अज्ञानम्
का नेन नापा क्रञा ... ३ ज्ञानम्

इन् तीनाँ को धीमी खाँच पर पिद्धा कर खाँच पर से उतार के जब तक कि ठगढ़ा न होजावे. नव तक इस की दस्ते से घाँटताँ रहे॥

लाटिन्। श्रंथेजी।
श्राह्मार्म् नीश्रामेटि। श्राह्मार्म् श्रावनिश्रामेट् ।
निश्रामेट् नापा क्रश्रा .... ॥॰ जाम्
चर्वी ... १ श्रीन्म
इन्दोना को एक साथ खर्च कर्क मिलावँ॥

बाटिन्। श्रंगेज़ी।
श्रनगुद्ग्रम् एविमे। श्राद्ग्रम्ग्र श्राव्एविमे।
एविमे ... १ पीग्रह
टापेग्रेन् व्याने गन्धाविरोजा .... १० श्रीन्म
सल चर्वी ... २ पीग्रह
जक्पाई का नेल नापा इत्या ... २ श्रीन्म

चर्नी के साथ ए लिमें को आँच कर्के पिछा कर आग पर से उतार लेवें. और इस्में टिपिग्हेन् और जल्पाई के तेल की तुरन्त डाल कर मिला के कपड़े. से कान लेवें.॥

लाटिन्। श्रंग्रेज़ी।

श्रंगुइराहम् ग्यास्ती- कम्पाराड श्राइराहमेराहकाम्पासिटम्। श्राव् गावसः।

माजूफल वारीक वृक्ती की ऊर्ड् २ ब्राम्

सन्ध अफीम् वृक्ती की ऊर्ड् १ श्रोम्

सन्ध अफीम् वृक्ती की ऊर्ड् १ श्रोम्

इन तीना को स्क साथ मिलावे।॥

## । २४९ ।

अंग्रेजी। साटिन्। बन्गुइस्टम् हैद्रीतिरै- छाङ्गर मकूरीस्ब-श्राइ ग्टमेग्ढ। फार्धिएस्। द्भिन्दी। पारे का तेज मरहम् याने वह मरहम् कि उस्मे पारा जियादः डाला गया होते। ····· २ . पै<sub>]ग्ड</sub> सुइत् चर्वी श्रीर थोड़ी सी चर्वी के साथ पारे को मिला कर खरल को रहें जब कि पारे के रवे. टिखाई न देवें तव इस में नाकी चर्वी को डाल कर मिलांब्रे॥ चारिन्। श्वनगृह्राहम् हैद्रार्जिरे- मैन्डर मक्रीम् न-]मिसिएस। आइ ग्रमेग्र । हिन्दी। पारे का कमतेज मरहम् य्याने वह मरहम कि उस्ते थे। ड़ासा पारा डाला गया होते. । ष्टाङ्गर मर्बारी एन आइ गटमेग्ट ? पाँगड

#### 1 282 1

चर्वा ... २ पै। गड़ इन् दोना के। खरच करके मिलावे.॥

लाटिन। अंग्रजी।
अन्गृहरारम् हैद्राजिरे- आहरारमेर आव नेदेद
नेद्राटिस्। आव मक्यूरी।
पारा ... १ आन्स
नेद्रिक् अविड् व्याने सीरे का १ १९ जाम
नेजाव नापा क्रिआ ... ६ आन्स
चर्ची ... ६ आन्स
सरे का नेल नापा क्रिआ ... ४ आन्स
सरे का नेजाव में पारे की आँच कर्क गलावे. आर
हसी गमा गर्म चीज में चर्ची और नेल एक साथ
पिद्रा कर मिलावें.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
अग्रेजी।
अग्रेजी।
अग्रेजी।
अग्रेजी।
अग्रेजी।
आवसेड् आव् मर्न्सी।
अग्रेजी।

# । २४इ ।

चर्वी ... ..... ६ श्रीना मोम और चर्वी को एक साथ पिञ्ला कर इस्मे (नैद्रिक् आक्रीड आंव् मक्री) की वारीक वुक्री करें कर मिलावे.॥ अंग्रेजी। बाटिन्। अन्गुइग्रम् हैद्राजिरें- आइग्रमेग्र आव सेवेडिंड-रमें वाडेंडे। ञ्चाव मर्क्यूरी। स्वाडेंड आव मक्री ... ९ श्रीना सफोट माम ... र बोन्स मोम और चर्वी को एक साथ पिछा कर श्रीर इसी में ( ऐवाडेंड् ञ्चाव् मक्यूरी) डाल कर मिलावे. ॥

बादिन्। अंग्रेज़ी।
अन्गद्रगटम् हेहार्जिरे आद्रगटमेगट आव्वेनेबाडेड्
वैनेबाडेड् । आव् मर्कारी।
वैनेबाडेड् आव् मर्कारी .... १ श्रीन्स
सफोद मोम .... १ श्रीन्स

## 1 288 1

चवां ... स् श्रीन्स् मीम श्रीर चर्वी को एक साथ पिञ्चावे. श्रीर इसी में (वैनेवोडेड श्राव मक्यूरी) डाल कर सिलावे.॥

चाटित्। श्रंग्रेजी।
श्रान्य हिराजिरे- श्राइ एटमे एट श्राव् श्रम्मोनिश्रो
श्रम्मोनिश्रो क्रोरिडे। क्रोरेड श्राव् मक्यूरी।
श्रम्मोनिश्रो क्रोरिड श्राव् मक्यूरी ... १ श्राम् ।
चर्वी को धीमी श्राच कर्क पिद्धावे. श्रीर इस्मे (श्रम्मोनिश्रो क्रोरिड श्राव् मक्यूरी) को डाल कर्र मिलावें.॥

चाटिन्। श्रंगेज़ी। श्रम्पुर्ग्छम् सेवोडैनिश्चाई- कम्पोग्ड श्राइग्टमग्ट श्राव् काम्पास्टिम्। सेवोडैन्। सेवोडैन् ""॥० जाम् सैवोडैड् श्राव् पोटास्सियम् "" १ श्राम्

## । इष्ट्रम् ।

रिक्टिफेड् स्पिरिट् नापा ऋश्राः १ श्राम् ... .... २ श्रीना ਚਰੀ<sup>\*</sup>••• रेवे। डैन् श्रीर (रेवेडिंड् श्राव पे। टास्सियम्) पर स्पिरिट डाल कर एक साथ खरल करें इस्को इस् चर्वी के साथ मिलावें.॥ अंग्रेजी। चाटिन्। . श्वनाइरारंम् पैसिस- श्राइरारमेरार श्वाव् सिकाड-विक् (टार्)। चिक्डी। पिक (टार्) ••• ••• १ पै। गड ••• •••• १ पै।गड सल चर्वी इन् दोनां को अन्य पर पिद्धा कर कपडे. से कान लेंबें,॥ । चाटिन्। श्रंयेजी।

भ्रन्गुर्ग्रम् पैसिकनैयी। भ्राइग्डमेग्र भ्राव्झाक् (पिछ)।

ब्राक पिछ '' ् ः क् श्रीका

## । २४६ ।

मोम ... ... १६ श्रीन्स रिकिन् ... १६ श्रीन्स जन्पाई का नेल नापा उड़श्रा ... १६ श्रीन्स इन् सव चीजाँ की श्रांच पर पिञ्चा कर कण्डे. से क्राँन लेकें॥

चाटिन्।

अंग्रेज़ी।

श्रुत्गृह् ग्रुम् झम्बे काम्पा- कम्पागु ड्राइग्रुमेग्रु . सिटम्। श्रान् खेड्।

खड़ी मिट्टी साफ् को ऊर्ड ... ८ दीन्स टप्काया ऊश्रा सिका नापा ऊश्रा ६ श्रोत्स स्नाष्टर श्राव लेड्... १ पैग्ड जन्पाई का तेलं... १ पैग्ड

लेड् झाष्टर को जल्पाई के तेल में धीमी बाँच से पिद्वावे. श्रीर खड़ी मिट्टी की अलग सिके में डाले श्रीर जब उवाल हो चुके तब इस्को थोड़ा थोड़ा कके मरहम् में मिलावे. श्रीर जब तक टराडा न होजावे. जब तक चलाने रहें।

#### । र४७।

अंग्रेज़ी। साटिन्। वनगुइंग्टम् इसे ऐवेडिडे। बाइग्टमेग्र बाव् ऐवें।-डेड आव लेड्। स्वोडेड् आव् लेड् ... .... १ श्रीत्स चवि … इत् दोना को एक साथ खर्च कर्के मिलावें ॥ चःटिन्। अयेजो। ं इन्द्रग्रम् साम्युमै। बाइ ग्रमेग्र बाव् एन्डर्। एनडर झरीर्ज य्याने एनडर का फूल २ जैगाइ ••••• २ पै।गड चर्नी … चर्वी में फूल को डाल कर पकावे जव कि यह फून चुरा होते. तव इस् की कपडे. से छान् लेवें.॥ श्रृंग्री। | साटिन्। श्रुताह राष्ट्रम् सल्कारिस्। सनकार श्राइ राष्ट्रमेगर। सिन्दी। गन्धक का मरहम्। .... हे ब्रीन्स गन्धेक ः ः

# 1 582 1

चर्न भाव वर्गमात् ..... २० वृंद् इन् तीना की मिला कर रख् छोडे.॥

चाटिन्।

श्रंग्रेज़ी।

ञ्चत्गुइ एटम् सल्फ्यूरिस्- कम्पे। एड सल्फर ऋह एट-काम्पासिटम्। भेग्छ।

#### हिन्दी।

गन्धक का मरहम् और दवाँवा के साथ मिलाया ऊच्चा।

सल्पार व्याने उड़ाई द्वाई गन्धक ॥० पैगाड़ वैहट हेलेथार वृद्धी की द्वाई प्रान्थक ॥० पैगाड़ सीश प्राप्त पावृत प्राप्त ॥० पैगाड़ प्राह्म सावृत प्राप्त विशेषात ॥

## । २४७ ।

# चाटिन्। श्रंगेज़ी। श्रमगुद्रग्रम् विराद्रै। वैहट् हेनेवोर श्राद्रग्रमग्र। हिन्दो। सफोट्कटको का मरहम्।

सफाट्कटको का मरहम्।
वैहर् हेनेवोर वुक्रो की उन्हरं ... र श्रीन्स
चर्वी ... ... प्रश्रीन्स
श्राहन श्राव जिमन् ध्याने नेम्बु र वृन्द
के किल्क का श्रावर ... र वृन्द
इन् दवाँवा को मिना कर रख् छोडे.॥

चाटिन्। अंग्रेजी।
अगुद्रग्रम् जिन्हे। जिङ्क आद्रग्रमेग्र।
आत्रीड् आव जिङ्क ... १ श्रेन्स
चर्वी ... ६ श्रेन्स
चर्वी रोना को मिला कर रख कोडे.॥



•	स्फ्रहः
ञ्चकानिटैना∙•••••	20
भुनगृह्राहम् अग्रिमोनि आह् टाईटिस् …	২ হ ও
— कान्धारेडिस् ••• ••••••••	<b>२३</b> ८
— सिटासिडाई	२३७
विश्वासीटैं ••• ••••••••	235
— एविमे ••• ····	२४०
—— ग्यास्त्रीकाम्पासिटम्	र् ४०
हैहार्जिरै फासिएस्	285
हैद्राजिरे मिसि अस	२४१
हेंद्राजिर नेद्राटिस्	२४२
— हेंद्राजिर नैदिकाश्वावसडे	> ४२
— हैद्रार्जि सेब्रोडेंडे	२ ४३
हेंद्रार्किर वेनेबेडिडे	र ४३
हैद्रार्कि अस्मानियो क्रोरिडे	२,४४
—— र्वोडेनिञ्चा इकाम्पासिटम्	<b>5</b> /88
— पैसिस् निकाडी	र ४ ५
— पैसिस्नेद्री	र ४५

' 
सफहः
२४६
२४७
২৪৩
२ ४७
र्४८
२४%
<b>२४%</b>
<b>२३</b>
<i>૧૧</i> ૧
११८
१इ२
02.2
रक्ष
<i>९९</i> ७
5
5

# फिहरिस। । इ ।

ं खोगक्।	सफहः
श्वसोटम् कान्यारिडिस	Q
काल्चिसे "॥ । जाम्से ९ जाम	Q
सिद्धी "॥॰ द्वाम् से र द्वाम्	90
अधिडम् वेङ्गोइ कम् १० ग्रेन् से ॥० ज्ञाम्	22
— सिद्रिकम् १ येन् से॥० द्वाम्	63
— हैद्रोक्नोरिकम्  ५ वृन्द से २ ॰ वृन्द	१३
हैं हो क्षेत्रिकम् } २ ॰ वुन्द से ९ द्राम	28
टम् १० वृन्द से ४० वृन्द	<b>18</b>
जास्कारिकम् । १० वृन्द सं १ जाम्	9,५
न सल्पद्धरिकम् । १० वन्द्र से ४० वन्द	१६
— टार्टार्कम् … ९० ग्रेन्से॥० डाम्	१६
। आ।	
श्रीका डिप्टिझाटा · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<b>34</b>

	1
खोराक्	म्फहः
ञ्चाका ञ्चनिष्य	३६
—— केरू श्राइ	3€
—— फिनिक्युं ने ••• ••••••••••	इ ७
—— क्लोरम् श्रीगन्सिइ	इ ७
— सिनामामे	इ८
मेन्हीपिपारेटी	इंद
— पुंचिजिञ्चाद्	<b>ą</b> Ć
— मेन्थिविरिडिस्	<b>Z</b> O
— पैमेराही	<b>3</b> 0
— रोजी """	Ro .
साम्बुसे	80
ञ्चाक्सिमेल १ ज्ञाम् से॥ १ ज्ञान्स	११६ं
विल्ली ॥ जाम्से २ जाम्	९१.५
।इ।	٧.
इधरसन्फारिकस् २०वन्द से १ द्वाम्	૧્૭
=-ालामग जिल्लाम-) १ ० ६	
इत्कासम श्रीकाम- र श्रीन्स से र श्रीन्स	a = a

ं खोराक्।	मुफहः
इन्प्युसम् अमे। रासिइ १ १ श्रीन्स से १॥ श्रीन्स	Ø 5
— श्रेगिनिश्वाड ) १ श्रेन्स से २ श्रेन्स काम्पासिटम्	Q Q
कालम्बी ॥० श्रीन्स से र श्रीन्स	હહ
कारिकाफिल १ क्षीना से २ बीना	500 QQ
— न्यासकारिह्नी ॥० श्रोन्स से र श्रोन्स	900
'कािक्यू कम्पा- } १ ब्रान्स से ३ ब्रान्स सिट्म •••••	<b>२०</b> २
— सिकानी १ ब्रीन्स से इ ब्रीन्स	१०१
—— कस्पारिट	१०२
	१ ० र
डेब्सी॥० द्वीना से रेब्रीना	१०३
जिन्स्यानि   ॥० थ्रोन्स् से २ थ्रे।न्स् काम्यासिटम्	१०३
कामिरिइ े ।। । श्रीन्स से इश्रीन्स	१०इ
जैने कम्पासि-}	9.8
खुपुरे १ याना मेशा श्रीना	808
पारेरी ९ श्रीन्स से ९ । श्रीन्स	
	, , ,

खोगवा ।	स्फहः
इन्फ्रासम् काशिइ १॥ श्रीन्स से इश्रीन्स	9.08
रिश्वाइ	९०€
रोजी काम्पा- } १ श्रोन्स से १॥ श्रीनस	
— स्रोपरिश्राद १ श्रीन्स से २ श्रीन्स	१० ७
सेन्नी काम्पासि- ) ३ श्रीन्स से ४ श्रीन्स	1
- सर्पेग्टारिङ् ९ श्रीन्स से इ श्रीन्स	९०५
सैमारूवी २ श्रीन्स	905
- वेल्बेरिश्वानि । श्रीन्स्से रश्रीन्स्	200
इनिमा खेलोइङ	৩৯
— काले।सिन्धिडिस्	ગ્ર
— ञ्रोपिश्राद् … '	૭૪
—— तबासे	91
— दिविन्धिनी •• ••••••	93
। स्।	
स्वाद्यक्टम् असो । प्रेन् से १५ येन् इ ज्युरिफिकेटम्	50

खं, राक्।	सफहः
स्बद्धाक्टम् वेद्धाडाद्धी	द्ध
— सिन्कोनी १० ग्रेन्से॥ • प्राम्	53
— काश्विसाइ } ९ मेन् से २ ग्रेन् अधिटिकम् }	23
कार्षिचसाइ } १ ग्रेन	<b>८</b> ३
कांनीसिन्धिडिस् ५ ग्रेन् से १० ग्रेन्	<u>८</u> ४
कालोधिनियडिस) प्येन से १० ग्रेन् कम्पासिटम्	<b>₹</b> 8
डिजिटालिस्	56
इनाटिरिश्वाइ है हिस्सा येन्	=Ę
जिन्सिश्चानी १० येन् से॥० ड्राम्	50
जिनश्रीरैंजी	55
— ने।निञ्चाइ ५ ग्रेन्	= ५
इमाटाक्ये नै १० येन् से ॥० इ। म्	दद
हैमोसैश्रमे ५ ग्रेन् से ९० ग्रेन्	50
जालापी · · · ९ येन् से २० येन्	60

खोराक्।	सफहः
सक्दाक्टम् जाक्ट्यूसी ५ येन् से १० ग्रेन्	160
- लुणुलै ५ ग्रेन् से २० ग्रेन्	હર
श्रोपीश्राइ १ ग्रेन् से ५ ग्रेन्	62
पैपाविरिस् २ येन् से २० येन्	હક્
पारैरी १० येन् से इ० येन्	હ રૂ
रीश्वाइ १० येन् से ३० येन्	Q.B.
सांसी २० येन् से ९ ज म्	* ५५
प्राम्भोतिङ्गाइ ।० ग्रेन् से २ ग्रेन्	હય
- हेराक् समें १० ग्रेन् से १ जाम	હ€
— युवि अर्थ ६ ग्रेन् से । • जाम्	્ષ્ ૭
— विराद्वे	ĘŒ
। सम्हाष्ट्रा।	
रम्झाष्ट्रम् अमोनैसै	do
- अमोनैसेकम् हैद्राजिही	, A.
वेह्नाडाझी	, ৩१
— कान्चारि डिस्	৩২
— शिरी :	<b>্র</b> ই
•	

•	<b>स</b> फहः
रम्बाष्ट्रम् ग्यालानै	७३
हैहा जिंर	. ७३
ब्रोपी ब्राइ	૭૪
— पैचिम्	૭૫
— झबें	૭Ę
— र्जिनी …	99
सापोनिस्	9.9
। श्री। खीराक्।	
ञ्चालिञ्चम् द्रधीरीसम्	15
খ্রানিখ্রা ডিছিল্লাতা	१७६
श्रोलिश्रम् श्रानिसे १ वृन्द से ५ वृन्द	१७६
— जान्धीमडिस् १ वृन्द मे ५ वृन्द	१७६
— कारू इाइ १ वृन्द से ५ वृन्द	१७ह
जितिपर ९ वृन्द से ५ वृन्द	१७६
- नेतेगडुनी १ वृन्द से ५ वृन्द	૧૭૬
— मैन्धीपिप्पिरिटी १ दुन्द से इ दुन्द	૧૭૬
मेम्बिएनोजिश्राइ १ वृन्द से ५ वृन्द	•

खोराक्। •	सफहु
ञ्जोनिश्रम् मेन्धिविरिडिस् १ वुन्द से ५ वृन्द	·९ <b>७</b> ६
श्रोरिगानै ९ वुन्द से ३ वुन्द	୧ ଓ ୧
— पिमेर्छी १ वुन्द से इ वुन्द	१७७
— रोजमारिनै … २ वृन्दं से ५ वृन्द	१७७
— साम्यासे	१७७
—— साविस्तै	१७८
देरिविन्धिनीप्ये १ वन्द से ॥० ज्ञाम्	१७८
) का <b>)</b>	
काटा ज्ञाज्माटा	ß.
काटाम्लाज्मा कोनिश्राद्	. ૪૧
फमें एडे	४९
—— चैने	४९
—— सैनेपिस	०५२
-	
कान्प्रेक्सिओ अभि- )	. ४८
— श्रामाटिका २० येन् से १ जाम्	86

1
सफहः
Q.
૫૰
५९
प्र
५३
48
પુષ્ઠ
५ ५
4६
38
38
१६५
१२६
१२७
९२७

खोराक्। क्युप्रेश्वम्मानिश्चासन्पास् ..... क्तीटाप्रिरेटा ..... १० ग्रेन् से ४० ग्रेन् । ग। गमी रेजिनी '''' । ज। जिन्साइ जानिसडम् १ ग्रेन् से ६ ग्रेन् १६७ सन्कास ..... १ ग्रेन् से ५ ग्रेन् १६७ उ। टिन्कट्यूग अलोइज्॥०अँ।न्स से १॥ श्रेन्स २९३ ञ्चलोइ ज्का- ) १ जाम से २ जाम । २९३ -श्रम्मोनिर्इ का- । ५ वृन्द से १० वृन्द २३० अस्ताफीटडी ॥• जुम्से १॥ जाम् २१५ - श्रीरानिस्त्राइ २ ड्राम् से इ ज्ञाम् । २९४ वान्सामेटोनु- } ९ ड्राम् से र ड्राम् र ९ ४

ं खोराक्।	सफहः
विज्ञाहानी ।। जाम्से र जाम्	<b>२</b> १४
केलम्बी "" १ ज्ञाम् से इ ज्ञाम्	२ ९५
—क्याम्पोर्गः	<b>२९</b> ५
न्यासिटा र जाम से अ ड्रांम्	<b>२</b> १.५
क्यान्य रिडिस् १० वृन्द से ९ ड्राम्	<b>२९</b> इ
काष्मिसे १० वुन्द से १ ड्राम्	<b>३</b> १६
काष्त्रिसे ···· १० वृन्द से १ ड्राम् कार्डिमोमें ···· १ ड्राम् से २ ड्राम्	<b>२</b> ९७
म्यासिटा र द्वाम से र द्वाम	२ १७
— कास्करिझि " १ ड्राम्से २ ड्राम्	२१८
काष्टाराबाइ २० वन्द स ५ ड्राम्	२१५
किटिका १ ड्राम् से इ ड्राम्	२१८
किंटिका " १ ड्राम् से इ ड्राम्	<b>२९</b> ४
म्यास्टा र इम्से इ इम्	<b>79.6</b>
रिज्ञामोमैं १ ज्ञाम् से इ ज्ञाम्	<b>२२</b> ०

खेराक्। सफहः टिन्कट्यू सिन्नामोमे । श्राम से अङ्गाम - का व्यिसे ..... रे वृन्द से भ्र वृन्द --- का विचमें का- } २० वुन्द से ३० वुन्द -कोनिर्द ः।।० ज्ञाम् मे ९ ज्ञाम् २२९ - क्वेवेवी ..... ॥० ड्राम् से १ ड्राम् । २ २ २ - डिजिटालिस् · · ९० वृन्दसे ४० वृन्द | २२२ -ग्याद्धि ..... २० वृन्द से॥० ड्राम । २२२ जिन्सीश्वानी } १ ड्राम् से २ ड्राम् २ २ इ - खायसे ..... १ ड्राम्से इड्राम् । २२३ ----ग्वायसे काम्पा-} सिटा ..... - हो स्त्रिवोरें … ॥० ज्ञाम से ९ ज्ञाम । २ २४ --- हेब्रासेश्वमें ...॥॰ द्वाम् सेश्रुद्वाम् २२४ — ऐवोडेनिबाई ) :.... काम्बासिटा••• }

खोराक्। सफहः टिन्कट्युरा जालापी ... १ द्वाम् से २ द्वाम् ..... ९ ड्राम् से २ ड्राम् - लेवेगङ की का- १ प्राम् से इ जाम् - नुष्युंनै .... ॥० द्वाम् से र द्वाम् --- मिरी .... ॥० जाम् से ९ जाम् । २२६ रिश्वाइकाम्पा । २ जाम से॥० श्रीन्स ••••• १ वृन्द से॥० ड्राम २ २ ७ **चिद्ध**ी सेन्नीकाम्यासिटा २ ङ्गाम् से १ श्रेन्स संपेशहारिई ... ९ ड्राम् से ३ ड्राम् वेलिरिश्वानी ... ९ ड्राम् से इ ड्राम् रर्द वेचिर्यानी । । । जाम्से इड़ाम् जिञ्जिविरिस् । १ ड्राम् से २ ड्राम् । २२ छ

	1
खोराक्।	सफहः
दिन्त ट्यरा फर संस्कुइ । युन्द से ॥ ॰ ज्ञाम	233
फरें अमोनिको । । जाम्से २ जाम कोरिडे ····· ।	૧ રૂપ
टेष्टीप्रीपारेटी	३५
डिकाक्टा	. પ્૭
विमान्टम् अलोइज । श्रीन्स से १ श्रीन्स	. ५८
अभिने ४ अ  न्स से ६ अ  न्स	4 ए
— सिद्रारिई १ ब्रीन्स से ४ ब्रीन्स	4 ए
चिमाफिली १ श्रीन्स से १॥ श्रीन्स	Ę٥
	eg.
सेंड्रोनिइ	ह्१
— डल्कामारी … ४ डाम् से ९ ड्रीन्स	६१
यानाट  ंगाना है १ श्रोना	६२
•	

	1.0
. खीग्रक्।	सफहः
डिकाक्टम् इ।डिञ्चाई	EB
——हार्डिञ्चाई का- ) म्यासिटम् ··· )	EZ
षापाविर्स् ••• ••••••	ξŖ
माल्बी काम्या- }	€,R
चिटम्)	Ę¥
सार्जी ४ श्रीन्स से ८ श्रीन्स	६५
— सर्जि काम्पासिटम् ४ श्रीन्स् से प श्रीन्स	ĘĘ
काम्पासिटम् । १ श्रीन्म् से २॥ श्रीन्म्	६्७
सेनिगी ॥० श्रीना से ३ श्रीना	६७
टामें एटहां ९ ब्रान्स से ९ । ब्रान्स	EZ
अन्मे	e,s
विराद्धे · · · · · श्रीना से र श्रीना विराद्धे · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	£ Ø
प्प	€ Ñ
णिस्य अनोइ ज १ १० ग्रेन् से १ स्कृपन्	<b>१८५</b> °
काम्पा। सर्भुः ।	•

खोराक्।	सफहः
पिक्स रिग्टमोनि- । प्रोन् से १० ग्रेन्	९२९
—— सिन्नामोमें का- } प् मेन् से ९० मेन् म्यासिटस्	<b>४</b> ट्य
कीटीकाम्पासिटस् ५ ग्रेन् से ९० ग्रेन्	500
	510
जानापी नाम्पा- } २०ग्रेन् से २ स्कुपन् सिटस् •••••	505
इपोकाकुश्रदी । ५ येन्से १ स्कुपल् काम्पासिटस् ।	<b>र</b> षंद
——कीनो काम्पासिटस् ५ येन् से १ स्कृपस् —— स्कामोनिश्वाद्यः १ ० नेनं से १ स्कृपस्	282
स्कामोनिश्चाइ } १ ग्रेन् से १ स्कुपल् ंकाम्पासिटस् ··· }	र खं र
	d.1 5
स्मि असिटास् ॥॰ येन् से ९ येन् क्रोरिडम्	१४८
—— क्रोरिडम्	रं ५०
- स्वाडेडम् ।० ग्रेन् से ॥० मेन्	। १५०

खाराक्। स्पहः म्नम्बे ञ्राविश्डम्हेद्राटम् … ९५९ पिच्यला યુક્ષ अलोइजं का- १ १० ग्रेन्से १ स्कृपल ञ्चलाइज्कम्मिरी १० ग्रेन् से १ स्कुवल् -काम्बोजिइ का- १ ९० ग्रेन से १ स्कुपल् म्पासिटी ..... कोनिषाई का } इ ग्रेन् से ५ ग्रेन् -- फरें काम्पासिटी १० ग्रेन्से १ स्कुपल् - ग्यां खाने का- } १० ग्रेन्स ५ म्क्यल १८२ हैद्रार्जिरे ... ४ मेन् े ६ मेन् - हैद्रार्जिर क्रोर-} ५ ग्रेन् से १० ग्रेन् १८३ हैद्रार्जिरे ऐकेडिंडे ॥० ग्रेन् से १ ग्रेन् १८४ इंगिकाक्युआ- } ५ ग्रेन् से १० ग्रेन् १८४

	1
ं खोराक्	<b>रुफ</b> हः
पिल्यु ली रिश्वाई का- } १० ग्रेन् से २० ग्रेन् मणसिटी	९८५
	<b>१८</b> ६
अपे। निस्का- ) इ ग्रेन् से १० ग्रेन् म्यासिटी }	4
सिल्ली काम्पा- सिटी १० ग्रेन् से २० ग्रेन्	१प७
छैरासिस का-} ३ ग्रेन् से १ ग्रेन् म्यासिटी	१८७
· 	••
पाटास्ती कावानास् १० ग्रेन् से॥० जाम्	९५२
- वैकावीनास १० ग्रेन् से॥० ड्राम्	9:43
च्ह्रास्	श्राप
- इसीयस् १ स्क पन्से १ ड्राम्	१ ५३
— सक्फा १ स्कृपन् से १ ड्राम्	९ ५६
— वैसच्फास् … १० ग्रेन् स १ ज्ञाम्	૧૫૭

<b>~</b> ,	
खोराक्।	सफहः
पेटास्तो टार्ट्रास् " १ द्वाम् मे १ द्वीन्स	१५८
पाटासिस्बाई बोमिडम् १ ग्रेन् से ९० ग्रेन्	१५७
सल्फ्य्रीटम्	१६१
— एवे।डैडम् ५ ग्रेन् से १० ग्रेन्	१५०
पाटास्याकम्कान्स्रो ••• •••••••	१५६
। फा	
फरें संक्फा्स १ ग्रेन् से ५ ग्रेन्	१ ३९
सेम्बुइ अधिक्रडम् ५ ग्रेन्से ९ आम्	१३२
पोटासिखो } १० ग्रेन् से॥०ड्राम् टाद्रास्	९३३
से ब्रोडेंडम् ९ ग्रेन् से इ ग्रेन्	१३६
अमानिक्षाको-) १ येन् से २५ येन् रिडम्	१३५
A 1 mm 1	
िस्मिथेद्रोस्नेद्रास्	१२५
बारिश्राइ कोरिडम्	१२४
विरेड़ीश्राणणण है ग्रेन् से अग्रेन्	38
वैनम् अलोइज् १ श्रीम् से र श्रीन्स	\ <b>\</b>
•	- 1

खाराक्। सफहः रइ५ वैतम् काल्चिसे ..... इ॰ वुन्द से ९ जाम् २ इह -इपिकाक्युञ्चान्ही २० वुन्द से ४० वुन्द **२३६** - ञ्रोपिञ्चाइ ... १० वुन्दःसं १ ज्ञाम **२३७** -- विराद्ने .... ५ वुन्द से १० वुन्द अगिरमोनि क्राइ पोटासि (१५ वुन्द से ९ क्राम् ञ्चा टार्ट्रेटीस् ... साग्तिसिया .....॥० द्राम् से ९ द्राम् म्याग्निसिइ कावानास् १ स्क पल्से १ ड्राम् १४७ १६८ मिर्ट्यरि मिस्ट्युराएकेसिइ ... ९ जाम् से ९ ज्रोन्स - अमोतेष्रहे ।। । श्रीना हे १ श्रीना १६0 —— अभिग्डाली … ॥० श्रीन्स से ९ श्रीन्स १ १०० — बसाफेटिडो ।। । ब्रीन्स से १ ब्रीन्स १ ७० - कामफोरी ..... ९ श्रीन्स से रश्रीन्स ९७० --- वयस्केरिस्ती } १ श्रीन्स से१॥श्रीन्स १७१

मिस्ट्यरा कोटी १ द्वीन्स से २ द्वीन्स १ ३२ चान्स १ १ द्वीन्स से २ द्वीन्स १ १ १ व्यान्स से १ १ व्या	
मिस्छारा कीटी १ द्वान्स से २ द्वान्स १००० निस्वानी १ द्वान्स से २ द्वान्स १००० नाम्पासिटा १ द्वान्स से २ द्वान्स १००० नाम्पासिटा ।० द्वान्स से २ द्वान्स १००० नाम्की १ द्वान्स से २ द्वान्स १००० नाम्की १ द्वान्स से १ । द्वान्स २ ००० नाम्कि १ द्वान्स से १ । द्वान्स २ ००० नाम्कि १ द्वान्स से १ । व्वन् २ ००० नाम्कि १ द्वान्स से १ । व्वन् २ १ मार्फिर्शास्टम् १ द्वान्स से १ । व्वन् २ १ मन् इस्यमेटम् १ वन् से । व्वन् २ १ १ मन् इस्यमेटम् १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	•
काम्पासिटाः १ ज्ञान्स से र ज्ञान्स १७३ — ग्वास्त्रासे ः ॥० ज्ञान्स से र ज्ञान्स १७४ — मास्के ः १ ज्ञान्स से र ज्ञान्स १०४ — स्पिरिट्स तैने । ॥० ज्ञान्स से र ॥ ज्ञान्स २०४ मार्फिस्टाम् ः १ येन् से ।० येन् २४ मेल् डिस्प्रमेटम् ः ११४	
काम्पासिटः । । श्रीन्स से रश्रीन्स १७४ — मास्के । । श्रीन्स से रश्रीन्स १७४ — सिर्हिस तैने । । श्रीन्स से रश्रीन्स १७४ मार्फि एसिटाम् । । श्रेन से । । येन २४ मेन् डिस्पमेटम् । । येन् २५ मेन् डिस्पमेटम् । । येन् २५ मेन् डिस्पमेटम् । । येन् २५	\
— मास्ती	
न्यास्त्रिसे । श्रीन्स से१॥ श्रीन्स १९६ मार्फि एसिटाम् है येन् से । थेन् २६ —हाइ हो कोरास् है येन् से । थेन् २५ मेन् डिस्प्रमेटम् ११६	
मार्फिस्सिटाम् है ग्रेन् से १० थेन् २५	<b>?</b>
मार्फिस्सिटाम् है ग्रेन् से १० थेन् २५	L
मेल् डिस्यमेटम् ११६	<b>,</b>
मेन्बारासिस् १९१	,
	L
राजी ११३	(
<b>।</b> ला	
चित्रमेराहा १०३	į
बिनिमेर्एम् इर्जिनिस् १००	]
असोतिइ ११	<b>)</b>
- अमोनि सेखुइ नावानाट ्र ११	<b>&gt;</b>

खोग्क्।	स्फहः
निनिमेग्टम् काम्फारि	298
— काम्प्रोरिका-} म्पासिटम् …	१११
——हैंद्राजिर का- ) म्यासिटम् ••• )	१९२
च्रोपिञ्चाइ	993
— सावानिस्	403
टेरोविन्धिनी	९९३
लेकार एज्मिनीस् ?	११७
- अमोनि १० वृन्द से ३० वृन्द	<b>২২</b>
चुम्मोती रेखु । । जाम् से १ जाम् इकावानेटिस्	ঽঽ
— अम्रोनी एसिटाटिस्	<b>3</b> '?
— अर्डेन्स् इनैद्वेटोस्	<b>९</b> १५
बारि श्राइ क्रोरिडे	<b>२२५</b>
काल्मीस् १ श्रीना से इ श्रीना	९२७
ना क्रिश्चाद् क्रोहिडे ४० वृन्द से दे ज्ञाम	९२८

· •	खाराक्।	स्पाहः
चैद्यार नुप्रीश्रम्भोनिश्रो । सल्फाटिस् )	***************************************	र <sup>ंड</sup> र
राहाजिर वैद्धी-) रिडे	॥॰जाम्से २ जाम्	९इ८
— झमेंडे एसोटेटोस्		586
—— झुमेडे एषिटे- } टोस्डेन्स्टरम्… }	*****	१ ४६
— पाटास्ता	१० वृन्द से इ०वृन्द	૧૫ ૪
नीटीस्}	६ वृद्ध से १५ वृन्द	<i>४१</i> ३
पोटास्री कार्वी-) नाटीस् ····· }	९० तुन्द से ९ द्वाम्	९५३
ग्रेटास्तीरफर्वे-)		
पेटासाइ स्वा-१। डे काम्पासिटम्)	॰ङ्गाम्से॥॰ञ्चेन्स	१६१
— सोडी क्लोरिनाटी	***********	256
— साडी ए पाने सोना	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	१६५

	सप
सिरेटा	યુર
सिरेटम्	y:
— केलेमीनी	ጸ
——काम्यारिडीस्	પ્ર
सिटेसिश्राइं	81
—— हैंद्रार्जिरे काम्पासिटम् """	8
— झम्बेर्सिटाटोस्	ોક
— सम्बेर्षिटाटीस् काम्पाजिटम्	ષ્ટ્રા
— रेजिनी	ষ্টা
— सेवैनी ""	४४
— सापानीस्	84
सेर्पे	হ ৽
सैरपस्	੨ •
	<b>२</b> ,
— आगन्भि आई	र •
——新世·····	र.
— नैमानम	হ`
मारे	` >•
े सार्	_

खोराक्।	स्फहः
सैरपस् ऐपाविहिस् … ९ जाम् से ९ ज्ञानस	२०६
— राम्ने। श्रीना से ९ श्रीना	२०७
रोश्राडास् ॥० श्रीन्स से १ श्रीन्स	२ • ८
रोजी र जाम् से ९ श्रीन्स	₹00
सर्जी ''''	२१.
मेनी र जाम् से ४ जाम्	<b>२</b> ९०
'——टोनुटानस् ·····	२१९
जिझिविरिष् """	<b>२</b> १२
स्पिरिटस	508
इधिरिस् नैड्रिसे १० वुन्द से ४० वुन्द	20
— इथिरिस् स-)	
च्छिरिस् सः ) ल्यारिसा कम्पाः ।। । जाम् से २ जाम् जिटस्	ঽ৽
/ Jaise	
- एमोनी ५० वन्द से ३० वन्द	र ह भ
— अम्मोनिर् अरो । । जाम् से ९ जाम् माटिकस्	र हि प
—— अमोनिई फो-} ॥० ज्ञाम से १ जाम् टिडस्	5.5€
•	

खेराक्।	सफहः
स्पिरिटस् अनिसै दृत्राम् से ४ जाम्	र्वेञ
—— आमीरासिंद / २ डाम् से ४ डाम् काम्पासिटस	200
—— केंक्र आई ····· २ ड्राम् से ४ ज्ञाम् —— सिन्नामोमे ·····	202
—— सिन्नामोमै	र ज्य
—— जिनिपरे का- } र जाम् से ४ जाम् म्यासिटम् ··· }	
— नावेन्ड्युनो २ द्राम् से ४ द्राम्	500
- मेम्शी पिप्पिरिटी १ ज्ञाम् से ४ ज्ञाम्	२००
मेम्बी बिरिडिम् रङ्गाम् से ४ङ्गाम्	२००
— मेम्योणुनी जिश्राह २ ड्राम् से ४ ड्राम्	
मैरिष्टिसी र द्वाम् से ४ द्वाम्	
पैमेंग्टी रङ्गाम्से ४ङ्गाम्	ì
— रोजमारिनै	२० द
ष्ट्रिक्निया {१ ग्रेन् का १ हिस्सा से १ ग्रेन् का न हिस्सा	} < 2

	<del></del>
। स। खोराक्।	सफहः
सोडि कावानास् १० ग्रेन्से॥० ज्ञाम्	१६२
का वानास् स्वस् । सिकाटा ५ ग्रेन् से ९ ५ ग्रेन्	
सेस्जुद्द कार्वीनास् १० ग्रेन् से॥० द्वाम्	१६३
	१६३
। ह। हैद्राजिरे श्रमोनिश्रो क्रोरिडम्	<b>९</b> ४•
वैक्कोरिडम् · · {१ येन् का है हिस्सा से है हिस्सा	} ४३७
वैसे श्रुतिडम्	283
वैन्सेवाडेडम् ॥ । येन् से १ येन्	૧ ૪૫
— वैनाविगडम् … १ यन्	५४ १
- वैसल्फारीटम्	૧ ૪૫
क्लोरिडम् ः शिश्येन् श्रेन् श्रेन्	ı
— रैविडिडम् … ९ ग्रेन्टसे इ ग्रेन्	

रवे। राक्	सफहः
हैंद्रार्जिरे नैदिको श्राक्सिडम्	९४२
- श्रांक्सडम् " १ ग्रेन् से इ ग्रेन्	<b>९४९</b>
सल्कारिटम् । क्रमसल्कारि । ५ येन् से ३० येन्	९४६
हैं हाजिरम् कम्कीटा ५ ग्रेन् से ॥० ङ्गाम्	१३७

सफहः	सव	गचत्।	सहीह्।
5	ય	ञ्रसीडम्	ञ्चसीटम्
२२	22	•9	90
36	92		
<b>ઝ</b> પ	का नो चे ९ ६	सिरेटम् झुम्बै र	पानी २ गेलेन सिरेटम् सम्बे एसी-
,		काम्पासिटम्	टाटीस्काम्पासिटम्
£ 6.	3	<b>छी</b> ज	<b>বি</b> জ
१३५	Ę	पैग्ट	<b>पाग्</b> ड
<i>৭</i> ৩৩	Ę	साफ	साफ
१८३	26	पिख्यु वि है हा	पिलाुनि हैद्राजिरै-
s		जिरे काम्पा जिटो	क्रोरिडे काम्पाजिटो
२०५	9	पानी	मिस्री
2 3/0	र	सासीपारिखी	सासीपारिह्ना
र्षह	90	म्बं <b>ए</b> कम	ग्वेस्कम् रेजिन्
२ इ.इ	<i>হ</i> ভ	कराइ ल	गान्
र् ४४	9	चवा	चर्वी

## । इर ।

## फिहरिस का गलन्नामा।

खीराक्	गलत्।	महोह्।
अंतरहै नैद्रास्	९३२	१२२
कान्फेक्सिश्चा श्चीरान्स	જ •	ų.
कीनो डै सल्फास इयेन्से १० येन्	•	२ ८
पोटास्तो ऋसीटास	९५३	९५६
पोटासि बाइ से बोडेडम्	940	१६०
मिस्ट्युरा एकासिइ	१५७	5 € ®
नैकारवारिश्वाइ क्लोरिडे	ररप्	९२५
— अर्जेग्हे तैद्रेहिस्	११२	१२२
— झम्बैंडे श्रासेटाटिस् डेनुटस्	१४६	186
— पोटासी असेनिटिस् …	१९३	९२इ

